खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 24 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-54

तेजस विमान में तकनीकी खराबी आई थी, दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ: एचएएल

नयी दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने वायु सेना के एक स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान के इस महीने के शुरू में दुर्घटनाग्रस्त होने की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा है कि इस विमान को तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा था और उसे किसी भी तेजस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना नहीं है। वायु सेना के लिए तेजस बनाने वाले उपक्रम एचएएल ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने तथा तेजस विमानों की उडान रोके जाने की मीडिया में आई रिपोर्टों पर सोमवार को स्पष्टीकरण दिया। एच ए एल ने कहा कि एलसीए तेजस के किसी भी विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की कोई सूचना नहीं है। सार्वजनिक उपक्रम ने कहा कि जिस घटना का मीडिया में हवाला दिया जा रहा है वह ज़मीन पर हुई एक मामूली तकनीकी समस्या थी। सार्वजनिक उपक्रम ने कहा है कि तेजस का समकालीन लड़ाकू विमानों में विश्व में सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा रिकॉर्ड है और वह इसे बनाये हुए है।

एचएएल ने कहा है कि मानक संचालन प्रक्रिया के तहत इस मुद्दे का गहन विश्-लेषण किया जा रहा है और एचएएल त्वरित समाधान के लिए वायु सेना के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ताजा घटना इस महीने के शुरू में वायु सेना के एक प्रमुख एयर बेस पर उस समय हुई जब यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान के बाद रनवे पर उतर रहा था। दुर्घटना में पायलट समय रहते पैराशूट की मदद से बच निकलने में सफल रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजस की तीसरी बड़ी दुर्घटना है पहला तेजस जैसलमेर में एक फायरपावर में हिस्सा लेने के बाद लौटते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में भी पायलट पैराशूट की मदद से बच निकला था। दूसरी बड़ी दुर्घटना पिछले वर्ष नवम्बर में दुबई एयर शो में उस समय हुई जब तेजस विमान अपनी करतबबाजी दिखा रहा था। इस दुर्घटना में पायलट की भी मौत हो गयी थी। इस घटना की जांच की जा रही है।

तेजस वायु सेना के लिए देश में ही बनाया गया पहला लड़ाकू विमान है। वायु सेना के लिए तेजस के उन्नत संस्करण तेजस मार्क -1 ए के 180 विमानों की खरीद के संबंध में एच ए एल के साथ एक अनुबंध किया गया है। इन विमानों की डिलीवरी की कई समय सीमा पहले ही जा चुकी हैं लेकिन अभी वायु सेना के लिए ये विमान मिलने शुरू नहीं हुए हैं।

सोने की कीमतों में तेजी विश्व भर के केंद्रीय बैंकों की खरीद के चलते: सीतारमण

नयी दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सोने की कीमतों में इस समय चल रही तेजी मुख्य रूप से दुनिया के केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने-चांदी की खरीद बढ़ाये जाने के कारण है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि देश में सोने के निवेश और उपभोग मांग को देख कर ऐसा नहीं लगता कि स्थिति चिंता के स्तर पर है फिर भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की बाजार पर निगाह बनी हुई है। श्रीमती सीतारमण आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की बजट पश्चात बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं को संबोधित कर रही थी।

वित्त मंत्री ने कहा, आजकल अधिकांश देश, विशेष रूप से उनके केंद्रीय बैंक, सोना और चांदी खरीदकर भंडारित कर रहे हैं। जब आप भारतीय उपभोक्ता बाजार की बात करते हैं, तो यह एक प्रवृत्ति के रूप में दिखता है। हर केंद्रीय बैंक के पास कुछ न कुछ भंडार होता है, लेकिन हाल के दिनों में आपने देखा होगा कि कई अन्य देशों के केंद्रीय बैंक भी सोना खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा, कीमतों में जो उछाल आया है, वह मुख्य रूप से केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदने और उसे

संग्रहित करने के कारण है।

श्रीमती सीतारमण ने घरेलू उपभोग के बारे में कहा कि यह हर मौसम और हर त्योहार के साथ जुड़ी एक सामान्य स्थिति रहती है। लेकिन सोनेऔर चांदी की वैश्विक कीमतों में जो असामान्य और सामान्य उतार-चढ़ाव से कहीं अधिक वृद्धि हुई है, उसका प्रभाव हर घरेलू खरीद पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा , कीमती धातुओं के मामले में हमारी निर्भरता लगभग पूरी तरह बाहरी स्रोतों पर है। हमारे पास सोने की खोज और उसके खनन का पर्याप्त घरेलू स्रोत नहीं है। इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन वे हमारी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में सोना हमेशा से परिवारों के लिए एक पसंदीदा निवेश रहा है। घरेलू उपभोग की उच्च मांग में त्योहारों के मौसम के दौरान मौसमी उछाल भी देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, ' हम इस स्थिति पर नजर रखे हुए हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह किसी चिंताजनक स्तर तक पहुंचा है। मेरा मानना है कि यह एक निश्चित सीमा से आगे नहीं गया है। हालांकि, भारतीय रिज़र्व बैंक भी इस पर निगरानी रखे हुए है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस वर्ष अप्रैल- दिसंबर 2025 तक के स्वर्ण आयात के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें एक साल पहले की तुलना में मूल्य के हिसाब से कोई बड़ा फर्क नहीं दिखता। ताजा आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में सोने का आयात 1.83 प्रतिशत 49.39 अरब डॉलर के बराबर रहा जो इससे पिछले साल इसी अवधि में 48.51अरब डालर के बराबर था। इस दौरान सोने के आयात की मात्रा 18.29 प्रतिशत घटकर 5,22,380 किलोग्राम रह गई। वाणिज्य मंत्रालय के पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार इसी दौरान चांदी के आयात मूल्य के हिसाब से 128.95 प्रति के उछाल के साथ 7.77 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी दौरान 3.39 अरब डॉलर था। इस दौरान चांदी के आयात की मात्रा भी 56.07 प्रतिशत बढ़कर 5727 टन हो गयी।

योगी ने सिंगापुर के जीआईसी के साथ की दीर्घकालिक निवेश पर चर्चा

सिंगापुर/लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां) ।

उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के दौरान प्रमुख संप्रभु निवेश संस्था जीआईसी (गवर्मेंट ऑफ सिंगापुर इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लिम चो किआट और उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश में जीआईसी के दीर्घकालिक निवेश की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने जीआईसी को उत्तर प्रदेश में दीर्घकालिक निवेश के अवसरों का अन्वेषण करने के लिए आमंत्रित करते हुए राज्य की नीतिगत स्थिरता, सुशासन, मजबूत कानून-व्यवस्था, 25 करोड़ से अधिक की विशाल उपभोक्ता आबादी तथा तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना तंत्र को प्रमुख आकर्षण के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला राज्य है और सरकार निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं अनुकूल वातावरण प्रदान कर रही है। बैठक में औद्योगिक कॉरिडोर के किनारे लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग अवसंरचना के विकास, अक्षय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं, डेटा सेंटर एवं डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, उभरते शहरी केंद्रों में वाणिज्यिक रियल एस्टेट व इंटीग्रेटेड टाउनशिप, एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप फिनटेक एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म तथा भविष्य उन्मुख उद्योगों के लिए कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को फ्यूचर-रेडी औद्योगिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क और नए औद्योगिक शहरों का तेजी से विकास हो रहा है, जो दीर्घकालिक निवेशकों के लिए स्थिर और लाभकारी अवसर प्रदान करते हैं।

जीआईसी, जो विश्व की प्रमुख दीर्घकालिक संप्रभु संपत्ति निवेश संस्थाओं में से एक है, का भारत में अवसंरचना, रियल एस्टेट, फिनटेक और डिजिटल प्लेटफॉर्म क्षेत्रों में मजबूत निवेश आधार है। इस परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री और जीआईसी के बीच हुई यह बैठक उत्तर प्रदेश में वैश्विक पूंजी के प्रवाह को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है।

मुकुल रॉय का निधन

कोलकाता, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ राजनेता एवं विधायक मुकुल रॉय का रविवार देर रात कोलकाता में निधन हो गया। वह 71 साल के थे।

श्री रॉय का लंबे समय से शहर के एक निजी अस्पताल में गुर्दे से जुड़ी दिक्कतों समेत कई बीमारियों का इलाज चल रहा था। श्री रॉय को इलाज के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उनके निधन से पूरे राजनीतिक माहौल में मातम छा गया है।

श्री रॉय के निधन की खबर आने के तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक उनके घर के बाहर जमा होने लगे। पार्थिव शरीर को दोपहर में पश्चिम बंगाल विधानसभा ले जाया जाएगा, जहां अध्यक्ष और विधायकों के अंतिम दर्शन करने की उम्मीद है। बाद में पार्थिव शरीर को कांचरापाड़ा में उनके घर ले जाया जाएगा। श्री रॉय को अक्सर बंगाल राजनीति का चाणक्य कहा जाता है। वह कई सालों से सेहत से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे थे और अक्सर अस्पताल में भर्ती रहते थे। उनके हाल के सालों में राजनीतिक करियर में कई उतार-चढ़ाव आए।

तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद उन्होंने 2021 का विधानसभा चुनाव कृष्णानगर उत्तर से भाजपा के टिकट पर लड़ा और जीत हासिल की। बाद में वह तृणमूल कांग्रेस में लौट आए लेकिन उन्होंने अपने विधायक पद से इस्तीफ़ा नहीं दिया और रिकॉर्ड में भाजपा विधायक बने रहे। बाद में उन्हें लोक लेखा समिति (पीएसी) का अध्यक्ष बनाया गया। श्री रॉय की विधायकी को रद्द करने की कानूनी कार्रवाई अदालत तक पहुँची और कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इसे रद्द करने का आदेश दिया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने इस फैसले पर रोक लगा दी।

राहुल ने मोहम्मद दीपक को गले लगाया, बोले-

साहस की लौ हर युवा में जलनी चाहिए

नयी दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के कोटद्वार में रहने वाले मोहम्मद दीपक ने सोमवार को यहां कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

गौरतलब है कि कोटद्वार के दीपक पिछले दिनों तब चर्चा में आये जब उनके शहर में एक मुस्लिम बुजुर्ग की दुकान के नाम से बाबा शब्द हटाने को लेकर हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया था। दीपक ने हिंदू संगठनों का विरोध किया तो उनसे नाम पूछा गया तो दीपक ने अपना नाम मोहम्मद दीपक बताया था। श्री गांधी ने 10 जनपथ में उनसे मिलने आये दीपक को गले लगाया और उनकी जमकर तारीफ की। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक एक्स पेज पर उनके गले मिलने की तस्वीर देते हुए लिखा दो भाई-मोहब्बत के

सिपाही। मोहम्मद दीपक ने एकता, भाईचारे और हिम्मत की वो मिसाल पेश की है-जो देश के हर युवा को अन्याय और नफरत के खिलाफ लड़ने का हौसला देगा। दीपक मोहब्बत की दुकान के योद्धा हैं-पूरे देश को इन पर गर्व है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सोशल मीडिया एक्स पर दीपक से मुलाकात के बाद लिखा हर इंसान, एक समान, यही है भारतीयता, यही है मोहब्बत की दुकान। उत्तराखंड के भाई मोहम्मद दीपक से मुलाकात-एकता और साहस की ऐसी ही लौ हर भारतीय युवा में जलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों के नाम लिखी चिट्ठी बोले- सरकार का विकास पर जोर

लखनऊ, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के नाम चिट्ठी लिखकर सरकार की उपलब्धियों, युवाओं-महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को प्रमुखता से रखा है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बीते वर्षों में नव-निर्माण का स्वर्णिम अध्याय रच चुका है और सुशासन व समावेशी नीति के बल पर प्रदेश देश के शीर्ष राज्यों में स्थान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और अन्नदाताओं को प्रदेश की बदलती तस्वीर का आधार बताया।

पत्र में युवाओं के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन स्पोर्ट्स, एक्सीलेंस सेंटर, टेक युवा-समर्थ युवा योजना और एआई मिशन जैसी पहलों का उल्लेख किया गया है। साथ ही स्टार्टअप और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ब्याज मुक्त ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले बुनियादी सुविधाओं के अभाव में छात्राओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब बेटियों को यूनिफॉर्म, बैग, जूते, स्वेटर सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं।

महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना और महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजनाओं के जरिए माताओं-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया है। श्रमजीवी महिला छात्रावासों की स्थापना से छात्राओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा वृद्धावस्था, दिव्यांगजन और निराश्रित महिला पेंशन के तहत बड़ी संख्या में लाभार्थियों को सहायता राशि बढ़ाने की बात कही गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिजली कटौती की समस्या व्यापक थी, लेकिन अब लाखों किसानों को निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों के उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की व्यवस्था को भी सरकार की प्राथमिकता बताया गया है।

पत्र में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमाओं व स्मारकों के विकास के लिए बजट प्रावधान का उल्लेख किया गया है। मुख्यमंत्री ने विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का संकल्प दोहराते हुए कहा कि आत्मनिर्भर और सशक्त उत्तर प्रदेश के निर्माण में हर प्रदेशवासी की भागीदारी आवश्यक है।

यह संदेश उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से जारी किया गया है, जिसमें प्रदेश को तकनीक, शिक्षा, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है।

भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्डियन आज से चौबट्टिया में

नयी दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और जापान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्डियन 2026 का सातवां संस्करण 24 फरवरी से नौ मार्च तक उत्तराखंड के चौबट्टिया में आयोजित किया जाएगा। यह अभ्यास प्रतिवर्ष बारी-बारी से भारत और जापान में किया जाता है।

अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने एक्स पर बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त शहरी युद्ध और आतंकवाद-रोधी अभियानों के दौरान दोनों सेनाओं के बीच परस्पर संचालन क्षमता को बढ़ाना है।

पोस्ट के अनुसार दो सप्ताह के दौरान सैनिक संयुक्त योजना निर्माण को परिष्कृत करेंगे, सामरिक अभ्यासों का समन्वय करेंगे और विशेष युद्ध कौशल का अभ्यास करेंगे। प्रमुख गतिविधियों में अस्थायी ऑपरेटिंग बेस की स्थापना, आईएसआर (इंटेलिजेंस, सर्विलांस एंड रिकॉनिसेंस) ग्रिड विकसित करना, मोबाइल चेक पोस्ट, घेराबंदी और तलाशी अभियान, हेलिबोर्न मिशन और हाउस इंटरवेंशन ड्रिल शामिल हैं।

धर्म गार्डियन 2026 भारत-जापान रक्षा साझेदारी और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। अभ्यास का छठा संस्करण 2025 में जापान के ईस्ट फुजी मैनोवर ट्रेनिंग एरिया में आयोजित हुआ था। भारतीय दल में 120 कर्मी शामिल थे, जिनका प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन तथा अन्य हथियारों और सेव-ाओं के जवानों ने किया था।

जापानी दल समान संख्या में था और उसका प्रतिनिधित्व जापान ग्राउंड आत्मरक्षा बल की 34वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट ने किया था। इससे पहले, पांचवां संस्करण 2024 में राजस्थान में आयोजित किया गया था।

रक्षा मंत्रालय ने पहले जारी बयान में कहा था कि संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत शहरी युद्ध और आतंकवाद-रोधी अभियानों में दोनों सेनाओं की परस्पर काम करने की क्षमता बढ़ाना इस अभ्यास का प्रमुख उद्देश्य है।

पिछले एक दशक में भारत-जापान रक्षा सहयोग में निरंतर मजबूती आई है, जिसे उच्चस्तरीय संवाद, रक्षा नीति संवाद, 2 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता और वार्षिक रक्षा मंत्रिस्तरीय बैठक जैसे संस्थागत तंत्रों से बल मिला है। टोक्यो घोषणा और रक्षा सहयोग एवं आदान-प्रदान पर समझौता ज्ञापन ने इस साझेदारी को रणनीतिक दिशा प्रदान की है।

सितंबर 2020 में हुए पारस्परिक आपूर्ति एवं सेवाओं के प्रावधान संबंधी समझौते ने सहयोग को नयी गति दी, जिसे मिलान-2022 के दौरान लागू किया गया और इससे अभ्यासों तथा जहाजों एवं विमानों की यात्राओं के दौरान लॉजिस्टिक्स सहयोग सुगम हुआ। रक्षा उपकरण, प्रौद्योगिकी और सेवा-सेवा सहयोग में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। संयुक्त कार्य समूह अब तक सात बैठकें कर चुका है, जबकि उद्योग-से-उद्योग संपर्क भी लगातार बढ़ रहा है।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 24 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-54

'नंगई' गांधी जी ने सिखाई

मोदी के बयान पर राहुल का शर्मनाक पलटवार

नई दिल्ली, 23 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि बीजेपी और आरएसएस के कार्यकर्ता अपने प्रधानमंत्री की आंखों में देखें, उन्हें वहां डर दिखाई देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री संसद में नहीं आ पाए और इसके पीछे अलग-अलग कारण बताए गए।

उन्होंने कहा कि अहिंसा और लोकतांत्रिक विरोध इस देश की बुनियाद हैं। महात्मा गांधी और भगत सिंह ने यह रास्ता दिखाया है। उन्होंने सवाल किया कि लोकतांत्रिक विरोध से डरने की जरूरत क्यों है।

राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि इस समझौते में भारत को कुछ हासिल नहीं हुआ और देश के हितों से समझौता किया गया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों, टेक्सटाइल इंडस्ट्री और देश के डेटा को नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने एपस्टीन मामले का जिक्र करते हुए कहा कि संबंधित फाइलों और ईमेल में प्रधानमंत्री, उनके मंत्रियों और उनके सहयोगियों का नाम सामने आने की बात कही जा रही है।

राहुल ने एक्स पर लिखा, मोदी जी, आप शर्म की बात करते हो? शर्म की बात मैं आपको बताता हूं। एपस्टीन फाइल्स में आपका, आपके मंत्री और आपके मित्र का साथ में नाम आना, ऐसे घिनौने अपराधी के साथ आपका नाम जुड़ा होना - ये शर्म की बात है।

अडाणी से जुड़े मामलों पर भी उन्होंने टिप्पणी की और कहा कि यह सिर्फ एक कारोबारी का मामला नहीं है, बल्कि सरकार की वित्तीय व्यवस्था से जुड़ा सवाल है। राहुल गांधी ने कहा कि वे और उनकी पार्टी देश, किसानों, मजदूरों, छोटे और मझोले उद्योगों तथा संविधान की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे डरें नहीं और पीछे न हटें। राहुल का ये वीडियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस जवाब में दिया गया, जिसमें प्रधानमंत्री ने शर्टलेस प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस पर हमला किया था।

शर्टलेस प्रदर्शन को लेकर विवाद

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस के यूथ विंग के 10-12 कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतारकर भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। यह घटना भारत मंडपम में हुई, जहां कार्यकर्ताओं ने क्यूआर कोड पास दिखाकर प्रवेश किया और मोदी-ट्रंप की तस्वीर वाली टी-शर्ट हाथ में लेकर नारे लगाए।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। इनमें से चार को गिरफ्तार किया गया और पांच दिन का पुलिस

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com
23 Feb 2026 - Page 1

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन पर भड़के मोदी, बोले-

कांग्रेसी पहले से ही नंगे

शुभ लाभ

कांग्रेस का नंगा नाच

एआई समिट के दौरान 'शर्टलेस' प्रदर्शन, तेलंगाना के युवा भी शामिल

रिमांड मिला। पार्टी का कहना है कि यह कदम इस समझौते के खिलाफ युवाओं की आवाज़ को रेखांकित करने के लिए उठाया गया।

वहीं, बीजेपी ने इस प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की। पार्टी ने इसे "गंदी और नंगी राजनीति" करार देते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे इस तरह के कृत्यों के माध्यम से देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ की रैली में कहा, तुम पहले से नंगे हो, फिर कपड़े क्यों उतारे? कांग्रेस ने ग्लोबल इवेंट को अपनी गंदी राजनीति का मंच बना दिया। उन्होंने इसे कांग्रेस की वैचारिक दिवालियापन बताया और देशहित की जगह राजनीतिक फायदे के लिए ऐसा करने का आरोप लगाया।

बजट सत्र के दौरान क्या-क्या हुआ था?

बजट सत्र 2026 के दौरान राजनीतिक गतिरोध ने नई ऊंचाइयां छू लीं थी, जब जेफरी एपस्टीन फाइल्स को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के कथित संबंधों पर विपक्ष ने तीखा हमला बोला। यह मुद्दा संसद में भारी हंगामे और स्थगन का कारण बना।

लोकसभा में राहुल गांधी ने बजट बहस के दौरान जेफरी एपस्टीन फाइल्स का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और उद्योगपति अनिल अंबानी के नाम लिया था। राहुल ने सवाल उठाया कि अगर उनके नाम फाइल्स में हैं तो फिर अनिल अंबानी को जेल क्यों नहीं हुई. इस बयान ने विपक्षी दलों कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), और डमीके को उकसाया, जिन्होंने पुरी के इस्तीफे की मांग करते हुए सदन में जोरदार नारेबाजी की। इसके चलते संसद की कार्यवाही कई बार बाधित और स्थगित करनी पड़ी।

हरदीप सिंह पुरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ शब्दों में कहा कि उनका एपस्टीन से केवल 3-4 बार मुलाकात हुई थी, और वह भी इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट के डेलिगेशन के सदस्य के तौर पर। उन्होंने अपनी ईमेल बातचीत को भारत के प्रमोशनल प्रयासों के तहत बताया और विपक्ष खासतौर पर राहुल गांधी पर बुफूनरी यानी हास्य-व्यंग्य करने का आरोप लगाया।

श्री मुरली मनोहर स्वामी मंदिर (किशनबाग) मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पाई-पाई वसूल कीजिए

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की एक दो न्यायाधीशों वाली पीठ ने धर्मस्व विभाग को एक मंदिर भूमि विवाद में भूमि अधिग्रहण मुआवजे की वसूली करने की अनुमति दे दी है। मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की पीठ विभाग के सहायक आयुक्त द्वारा दायर एक रिट अपील पर सुनवाई कर रही थी।

इससे पहले सामा सुरेश और अन्य द्वारा एक रिट याचिका दायर की गई थी, जिसमें विशेष कलेक्टर (भूमि अधिग्रहण) द्वारा 18 मार्च, 2023 को जारी नोटिस को चुनौती दी गई थी। यह नोटिस उप्पलपल्ली के सर्वे नंबर 105/2 में स्थित उस जमीन के मुआवजे की वसूली से संबंधित था, जिसे जीएचएमसी ने सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए अधिग्रहित किया था। इस मामले में याचिकाकर्ताओं को 4.96 करोड़ से अधिक की राशि आवंटित और वितरित की जा चुकी थी।

बाद में, बहादुरपुरा स्थित श्री मुरली मनोहर स्वामी मंदिर (किशनबाग) के ट्रस्टी ने उक्त भूमि पर मालिकाना हक का दावा किया और मुआवजा राशि मंदिर के पक्ष में जारी करने की मांग की। एक एकल न्यायाधीश ने यह दर्ज किया था कि भूमि के स्वामित्व और वर्गीकरण को लेकर गंभीर विवाद मौजूद हैं और उन्होंने पाया कि रिट याचिकाकर्ता उस भूमि पर स्पष्ट मालिकाना हक साबित करने में विफल रहे हैं जिसके लिए मुआवजा दिया गया था। न्यायाधीश ने मंदिर अधिकारियों को अधिकारों के निर्णय के लिए छह महीने के भीतर धर्मस्व ट्रिब्यूनल जाने की अनुमति दी थी, लेकिन अंतरिम अवधि के दौरान निजी पक्षों (रिट याचिकाकर्ताओं) से राशि वसूलने पर रोक लगा दी थी।

एकल न्यायाधीश के इस आदेश को चुनौती देते हुए, धर्मस्व विभाग ने तर्क दिया कि एक बार जब रिट कोर्ट ने यह मान लिया कि याचिकाकर्ता स्वामित्व साबित करने में विफल रहे हैं और मुआ-वजे को अपने पास रखने के हकदार नहीं हैं, तो वसूली के खिलाफ सुरक्षा जारी रखने का कोई कानूनी आधार नहीं था।

विभाग का तर्क था कि मुआवजे की राशि मंदिर को वापस करने का निर्देश दिया जाना चाहिए था। दूसरी ओर, याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि विवाद में स्वामित्व के जटिल प्रश्न शामिल हैं और ट्रिब्यूनल के फैसले तक अंतरिम सुरक्षा उचित है। हालांकि, खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के आदेश के संचालन पर अंतरिम रोक लगा दी और मामले को आगे के विचार के लिए स्थगित कर दिया।

नंदकर पर एफआईआर

भाजयुमो नेता पर भड़काऊ भाषण का आरोप

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अफ़ज़लगंज पुलिस ने कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने और जामबाग इलाके में गैर-कानूनी तरीके से भीड़ इकट्ठा करने के आरोप में भारतीय जनता युवा मोर्चा के शहर अध्यक्ष नितिन नंदकर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती समारोह के दौरान नवरंग जूस सेंटर के पास हुई थी। आरोप है कि सड़क पर बिना पूर्व अनुमति के मंच बनाया गया था, जहाँ लगभग 250 लोग एकत्र हुए थे। इस सार्वजनिक सभा केभारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 223 मजिस्ट्रेट द्वारा शिकायत पर अपराध का संज्ञान लेने से संबंधित है। इसके अनुसार, संज्ञान लेते समय, मजिस्ट्रेट को शिकायतकर्ता और गवाहों के शपथ पर बयान लेने और उनका सार लिखित रूप में दर्ज करना अनिवार्य है। इसमें आरोपी को सुनने का अवसर भी शामिल है, जो इसे पुरानी सीआरपीसी की धारा 200 से अधिक व्यापक बनाता है कारण क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बाधित हो गई थी।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 192, 126(2) और 223 के तहत मामला दर्ज किया है। अफ़ज़लगंज पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सभा के दौरान दिए गए भाषणों व अन्य गतिविधियों की समीक्षा की जा रही है। गौरतलब है कि नंदकर ने एमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी के विवादास्पद 15 मिनट वाले भाषण पर उन्हें उनके ही लहजे में तगडा जवाब दिया था। नंदकर ने ओवैसी (नाम लिये बिना) को 10 मिनट के लिए जामबाग आकर उनसे दो-दो हाथ करने की चुनौती दी थी। पुलिस ने एफआईआर में भाषण के एक-एक शब्द को रेखांकित किया और उन पर भडकाऊ भाषण देने का आरोप लगाया। भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 192, दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाने से संबंधित है। यदि कोई व्यक्ति दंगा करने के उद्देश्य से किसी को उकसाता है और दंगा होता है, तो 1 वर्ष तक की कैद या जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। यदि दंगा नहीं होता, ▶10 पर

अब तेलंगाना सरकार की होगी मेट्रो, जनगणना मई से

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य कैबिनेट ने एक ऐतिहासिक नीतिगत निर्णय लेते हुए हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना का पूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में लेने का संकल्प लिया है। सरकार अब इस परियोजना को निजी कंपनी एलएंडटी से पूरी तरह अधिग्रहित करेगी। इसके साथ ही, कैबिनेट ने केंद्र सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के लिए राज्य के व्यापक रोडमैप को भी अंतिम रूप दे दिया है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए मेट्रो का स्वामित्व पूरी तरह से राज्य सरकार के पास होगा। एलएंडटी द्वारा मेट्रो संचालन से बाहर निकलने की इच्छा जताने के बाद, सरकार ने जनहित और भविष्य के विस्तार (फेज-2) को देखते हुए यह कदम उठाया है। समझौते के तहत, राज्य सरकार एलएंडटी के लगभग 13,000 करोड़ के कर्ज को अपने ऊपर लेगी और कंपनी के इक्विटी निवेश के बदले 2,000 करोड़ का एकमुश्त भुगतान करेगी।

जनगणना मई से, शुरू होगा पहला चरण

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने मंत्रियों को जन-गणना के विशाल डेटा-संग्रह अभ्यास की प्रशासनिक तैयारियों और समय-सारणी के बारे में जानकारी दी। प्रथम चरण : 11 मई से 9 जून (2026) तक। प्रश्नावली: केंद्र द्वारा निर्धारित 34 मानक प्रश्न। कार्यबल : 89,000 राज्य कर्मचारी (प्रगणक और नोडल अधिकारी)। द्वितीय चरण : फरवरी 2027 से शुरू। कैबिनेट ने निर्देश दिया है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी और मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा एकत्र किया जाएगा। 89,000 कर्मचारियों की बड़ी फौज यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य के हर घर का डेटा सटीक रूप से दर्ज हो। दूसरे चरण में आबादी की वास्तविक गणना फरवरी 2027 में की जाएगी।

पूर्णत: ऑटोमैटिक पार्किंग सेवा शुरू

नामपल्ली में 250 कारें और 200 दोपहिया वाहन एक साथ होंगे पार्क

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पार्किंग की बढ़ती समस्या के समाधान की दिशा में हैदराबाद के नामपल्ली क्षेत्र में अत्याधुनिक ऑटोमैटिक पार्किंग सिस्टम का उद्घाटन किया गया। दावा किया जा रहा है कि यह देश की पहली पूर्ण रूप से बिना स्टाफ संचालित पार्किंग सुविधा है, जहां एक साथ 250 कारें और 200 दोपहिया वाहन खड़े किए जा सकते हैं। इस परियोजना पर लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस आधुनिक पार्किंग प्रणाली का उद्देश्य शहरवासियों को पार्किंग की जटिलताओं से राहत देना और यातायात दबाव को कम करना है।

यह पार्किंग सिस्टम अपनी तीव्र और सहज सेवा के लिए चर्चा में है। यहां वाहन पार्क करने में एक मिनट से भी कम समय लगता है, जबकि वाहन वापस प्राप्त करने में लगभग दो मिनट का समय लगता है।

ग्राहकों को क्यूआर कोड युक्त स्मार्ट कार्ड प्रदान किए जाते हैं, जिनके माध्यम से पूरी प्रक्रिया बिना किसी मानव हस्तक्षेप के संपन्न होती है। इससे समय की बचत के साथ पारदर्शिता और दक्षता भी सुनिश्चित होती है।

पार्किंग की प्रक्रिया पूरी तरह तकनीक आधारित है। वाहन को निर्धारित टर्नटेबल पर हैंडब्रेक लगाकर खड़ा किया जाता है, जिसके बाद रोबोटिक आर्म और सेंसर आधारित प्रणाली सक्रिय हो जाती है।

यह प्रणाली वाहन के आकार का विश्-लेषण कर उसे उपयुक्त स्लॉट में स्वत: पार्क करती है। संपूर्ण प्रक्रिया में किसी भी कर्मचारी की आवश्यकता नहीं होती, जिससे त्रुटियों की संभावना न्यूनतम हो जाती है।

जर्मन तकनीक पर आधारित प्रणाली

इस पार्किंग का डिजाइन जर्मनी की पैलिस तकनीक पर आधारित बताया गया है। यह प्रणाली बिना पैलेट के सीधे वाहन के पहियों को पकड़कर उसे निर्धारित स्थान पर स्थापित करती है। भारत में इस प्रकार की तकनीक का यह पहला उपयोग माना जा रहा है।

तकनीक वाहन के आकार के अनुसार स्लॉट का चयन करती है, जिससे स्थान का अधिकतम उपयोग संभव हो पाता है।

इस पार्किंग सुविधा में कार पार्क करने का शुल्क 30 रुपये प्रति घंटा तथा दोपहिया वाहन के लिए 10 रुपये प्रति घंटा निर्धारित किया गया है। ▶10 पर

भव्य सेट और महिलाओं का दबदबा, क्यों संजय लीला की फिल्मों में दिखते हैं ये दो खास फैक्टर्स

बॉलीवुड के मशहूर फिल्मकार संजय लीला भंसाली की 'हम दिल दे चुके सनम', 'देवदास', 'बाजीराव मस्तानी' और 'हीरामंडी' जैसी फिल्मों की चर्चा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से लेकर किरदारों के संवादों पर हुई। 24 फरवरी को जन्मे संजय लीला भंसाली की फिल्में बड़े पैमाने पर क्लासिक और पीरियड ड्रामा की कहानियों को पर्दे पर दिखाती हैं, वहीं फिल्म के भव्य सेट भी दर्शकों को इतिहास के सुनहरे पलों में वापस ले जाने में भी सक्षम होते हैं। निर्माता की फिल्म का हर सेट अद्भुत होता है, जिसमें कला, इतिहास और संस्कृति तीनों का मेल देखने को मिलता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि क्यों हमेशा भंसाली की फिल्मों के सेट बॉलीवुड की एक फिल्म के बजट के बराबर होते हैं? 'देवदास' बनाने वाले भंसाली ने सेट पर करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा दिए थे। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो चंद्रमुखी का कोठा और पारो का महल बनाने में 15 करोड़ रुपए का खर्चा हुआ था। इतना ही नहीं, फिल्मों के लिए सिर्फ ऐश्वर्या राय के लिए भंसाली ने 600 साड़ियां डिजाइन करवाई थीं। गौर करने वाली बात यह भी है कि भंसाली की फिल्मों में हमेशा फीमेल लीड को सशक्त दिखाया है, चाहे वे चंद्रमुखी, पारो, लीला या फिर हीरामंडी की सोनाक्षी सिन्हा ही क्यों न हों। इसके पीछे भी बहुत बड़ी वजह है।

निर्माता-निर्देशक ने हमेशा अपनी मां को संघर्ष भरी जिंदगी जीते हुए देखा। अपने दोनों बच्चों को पालने के लिए लीला भंसाली कपड़े सिलती थी, साड़ियों पर फॉल लगाती थी और जरूरत पड़ने पर छोटे मंच पर डांस भी करती थी, लेकिन चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। यह मुस्कान भंसाली की हिम्मत बनी और उन्होंने ठान लिया कि उनकी हर फिल्म में अभिनेत्री बड़े और भव्य मंच पर डांस करेगी और महिलाओं के लिए उनकी फिल्मों और किरदारों में हमेशा वही हिम्मत और मजबूती झलकेगी, जो उन्होंने अपनी मां में देखी थी। एक इंटरव्यू में फिल्म देवदास का जिक्र करते हुए भंसाली ने कहा था कि फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या और माधुरी की मां दुर्गा के रूप में कल्पना की थी और मेरे लिए महिलाओं से बड़ी कोई शक्ति नहीं है। शायद यही वजह रही कि भंसाली की लगभग सभी फिल्मों में मर्दों को भावनात्मक रूप से टूटा हुआ दिखाया गया है, लेकिन महिलाओं को सशक्त और शक्ति का रूप दिखाया गया है। बात चाहे पद्मावती की हो या रामलीला की, दोनों की फिल्मों में फीमेल किरदार का दबदबा ज्यादा रहा है। वहीं भंसाली राज कपूर के बहुत बड़े फैन हैं। वे जब भी फिल्में बनाते हैं तो राज कपूर को हमेशा अपने दिमाग में रखते हैं। उनसे प्रभावित होकर ही भंसाली ने फिल्मों का निर्देशन करने का फैसला लिया था।

किसी की मिमिक्री करना मजाक नहीं
पर्सनैलिटी राइट्स विवाद पर बोले सुनील ग्रोवर

कॉमेडी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं जो सिर्फ हंसाते नहीं, बल्कि लोगों के दिल में खास जगह बना लेते हैं। उन्हीं में से एक हैं सुनील ग्रोवर, जो अपनी शानदार मिमिक्री और अलग-अलग किरदारों से खास पहचान बनाई है। इन दिनों इंडस्ट्री में कई सितारे अपने 'पर्सनैलिटी राइट्स' को लेकर कानूनी कदम उठा रहे हैं क्योंकि उनकी इमेज, आवाज या अंदाज का इस्तेमाल बिना पूछे न किया जा सके। इसी बीच हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में सुनील ने सेलिब्रिटीज की नकल करने और 'पर्सनैलिटी राइट्स' मामलों पर खुलकर अपनी राय रखी है।

इंटरव्यू में जब सुनील ग्रोवर से पूछा गया कि क्या उन्हें डर लगता है कि कभी उन पर भी केस हो सकता है? इस पर उन्होंने कहा कि जब तक उन पर कोई मामला नहीं आता, तब तक वह इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते। उनके लिए किसी की नकल करना मजाक उड़ाना नहीं, बल्कि एक तरह का सम्मान है। उनका मानना है कि जब कोई कलाकार किसी बड़े सितारे की नकल करता है, तो वह उनकी पॉपुलैरिटी का ही जश्न मनाता है। अगर कोई किसी की छवि का गलत इस्तेमाल करे, तो वह गलत है। लेकिन मंच पर या शो में किसी की स्टाइल को दोहराना, उन्हें सलाम करने जैसा है।

आगे सुनील ने साफ किया कि वह निजी जिंदगी को लेकर मजाक करने का समर्थन नहीं करते। हर चीज की एक मर्यादा होती है और किसी भी कलाकार की नकल करते समय गरिमा बनी रहनी चाहिए। बता दें, सुनील ग्रोवर लंबे समय से कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' और 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अब तक गुत्थी, डॉ। मशहूर गुलाटी और रिंकू भाभी जैसे किरदारों से सभी का दिल जीता है। हाल ही में उन्होंने आमिर खान की मिमिक्री की थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। यहां तक कि फिल्म 'हैप्पी पटेल' की स्क्रीनिंग में फोटोग्राफर्स ने मजाक में उन्हें 'असली आमिर' कह दिया।

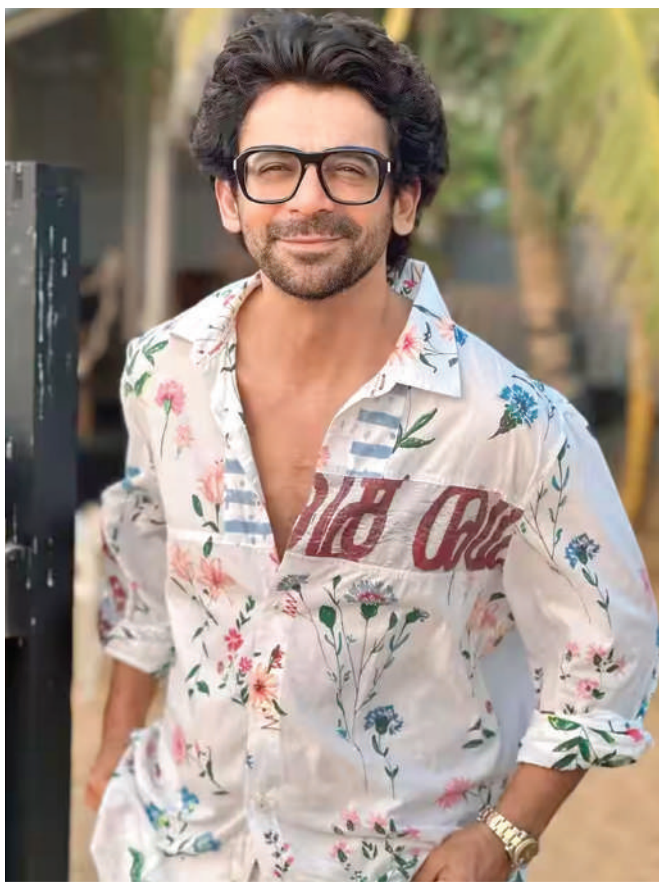

सैयामी खेर बोलीं-कमजोरी दिखाना सबसे बड़ी चुनौती
विक्रम फडनीस के सोशल ड्रामा में दिखेगा नया अंदाज

फिल्म इंडस्ट्री को घूमर जैसी फिल्में दे चुकीं एक्ट्रेस सैयामी खेर अपनी अपकमिंग अनटाइटल्ड सोशल ड्रामा को लेकर उत्साहित है। शूटिंग में व्यस्त सैयामी का मानना है कि स्क्रीन पर कमजोरी और भावनात्मक पक्ष दिखाना शारीरिक रूप से मुश्किल रोल निभाने से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता है। सैयामी खेर फिलहाल विक्रम फडनीस के निर्देशन में बन रही बिना टाइटल वाली सोशल ड्रामा फिल्म में काम कर रही हैं, जिसमें वह अपने विनम्र और भावनात्मक पक्ष को दर्शकों को दिखाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में सैयामी के साथ ताहिर राज भसीन भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग चल रही है। मेकर्स ने अभी रिलीज डेट की घो-षणा नहीं की है। सैयामी खेर ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा क्यों बनीं या अपकमिंग फिल्म में अपने किरदार को लेकर उन्हें क्या बात सबसे पसंद आई। उन्होंने बताया, मैंने अब तक

ज्यादातर ऐसे किरदार निभाए हैं जो फिजिकली बहुत डिमांडिंग थे। उन रोल्स ने मुझे एक एक्ट्रेस के तौर पर काफी मजबूत बनाया है, लेकिन यह नई फिल्म बहुत अलग है। यह ज्यादा सॉफ्ट, ज्यादा इमोशनल है और बाहर की एक्शन के बजाय अंदरूनी सफर पर केंद्रित है। इसी वजह से मुझे यह प्रोजेक्ट बहुत पसंद आया।

जाट, रे, मिर्ज्या, मौली, चोक्ड, वाइल्ड डॉग जैसी फिल्मों और स्पेशल ऑप्स, फाड़ू जैसी सीरीज में काम कर चुकीं सैयामी ने बताया कि वह इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म में उनका अलग अंदाज देखने को मिलेगा। सैयामी ने कहा, कभी-कभी कमजोरी दिखाना कहीं ज्यादा मुश्किल होता है और मैं उस स्पेस को एक्सप्लोर करने के लिए काफी उत्सुक हूं। सैयामी ने हाल ही में प्रियदर्शन निर्देशित एक्शन थ्रिलर हैवान की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान नजर आएंगे। शारिब हाशमी भी अहम भूमिका में हैं।

अरिजीत सिंह के संन्यास पर स्वानंद किरकिरे ने कहा
बॉलीवुड को खलेगी उनके सुरों की कमी

मशहूर गायक और संगीतकार स्वानंद किरकिरे इन दिनों हालिया रिलीज वेब सीरीज 'बैंडवाले को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने इस सीरीज की कहानी का लेखन और अभिनय किया है। यह सीरीज सपनों को सच करने की एक खूबसूरत और प्रेरणादायक कहानी पर आधारित है। हाल ही में स्वानंद ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट पर कहा कि शायद अरिजीत थक गए हैं। उन्होंने कहा, म्यूजिक इंडस्ट्री को अभी भी अच्छे और प्रतिभाशाली गायकों की जरूरत है। अरिजीत का इंडिपेंडेंट म्यूजिक में कुछ नया करने का फैसला सम्मानजनक है, लेकिन बॉलीवुड को उनके सुर की कमी खलेगी। उन्होंने आगे बॉलीवुड में चल रहे काम को लेकर टिप्पणी दी। उन्होंने कहा, बॉलीवुड की तेज रफ्तार और लगातार काम का दबाव किसी को भी थका सकता है। ऐसे में एक क्रिएटिव ब्रेक लेना बुरा नहीं है। इससे सिंगर अरिजीत रिफ्रेश होकर और ज्यादा जोश के साथ वापस आ सकते हैं। स्वानंद ने नेहा के ब्रेक और अरिजीत के

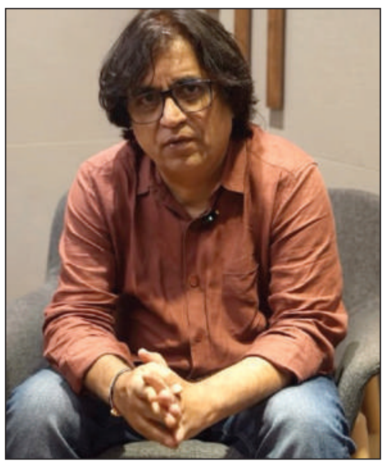

रिटायरमेंट पर बात करते हुए कहा, अरिजीत का रिटायरमेंट ऐसा नहीं होना चाहिए था। वे अभी युवा और टैलेंटेड हैं। म्यूजिक की दुनिया को उनकी सख्त जरूरत है। यह जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। शायद वे थक गए हों, ऐसा हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, शायद अरिजीत बोर हो गए हों। वे सिर्फ गाना नहीं गाते, बल्कि फिल्ममेकिंग भी करते हैं और कई दूसरे काम करना चाहते हैं। उनके अपने कुछ निजी कारण जरूर होंगे। वे रिटायरमेंट ले सकते हैं, क्योंकि आजकल बहुत से नए और अच्छे सिंगर आ रहे हैं। जैसे पहले अरिजीत ने अपनी जगह बनाई थी, वैसे ही अब नए टैलेंट इंडस्ट्री में एंट्री कर रहे हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

किरकिरे ने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा कि अगर अरिजीत इंडिपेंडेंट म्यूजिक की ओर जा रहे हैं, तो बहुत अच्छा होगा। अक्षत वर्मा द्वारा निर्देशित सीरीज में शालिनी पांडे, जहान कपूर, आशीष विद्यार्थी, स्वानंद किरकिरे, अनुपमा कुमार और संजना दीपू जैसे कलाकार शामिल हैं।

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने शेयर किया घर से काम करने का दर्द

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वे जिंदगी के कुछ खास पलों की यादें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। उन्होंने शनिवार को भी कुछ ऐसा ही करते हुए एक मजेदार पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि आराम और काम के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने लिखा, घर से काम करना सुनने में बहुत अच्छा लगता है, लेकिन जब दो लेखक एक ही डाइनिंग टेबल पर काम करें तो मुश्किल हो जाता है। मुझे समझ आया है कि घर में साफ सीमाएं होना बहुत जरूरी है, ऐसी जगह जहां आप ध्यान से काम कर सकें, समय पर काम खत्म करें, और फिर सुकून से घर जैसा महसूस कर सकें। काम काम की जगह रहे और घर, घर जैसा ही रहे। अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

टिस्का चोपड़ा का अभिनय करियर काफी शानदार रहा है। भले ही टिस्का चोपड़ा पर्दे पर कम नजर आईं, लेकिन वह अपनी मौजूदगी से दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ती हैं। अभिनेत्री पिछली बार फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं, जो 15 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। इससे पहले, उनकी तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हिट: द थर्ड केस' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने एडीजीपी कर्णिका आहूजा का रोल प्ले किया था।

टिस्का ने हाल ही में फिल्म साली मोहब्बत से निर्देशन में डेब्यू किया है। इस फिल्म में राधिका आप्टे, दिव्येंदु, अनुराग कश्यप और वेटरन एक्टर शरत सक्सेना मुख्य भूमिका में हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा मिलकर स्टेज5 प्रोडक्शन के बैनर तले कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी एक छोटे शहर की साधारण गृहिणी के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जिंदगी में अचानक बेवफाई और धोखे के जाल में फंस जाती है। फिर शुरू होती है उसकी जिंदगी की असली जंग। कहानी में प्यार, धोखा, बदला और आत्म-सम्मान जैसे कई गहरे मुद्दे छुए गए हैं। यह फिल्म जी5 पर जल्द ही रिलीज होगी।

वो मेरे घर पर खाना नहीं खाते थे, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के क्रेडिट देने वाले बयान पर बोले राजपाल यादव

बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने चेक बाउंस मामले में 5 फरवरी 2026 को सरेंडर किया था। इस मामले के सामने आने के बाद कई सेलिब्रिटीज ने एक्टर का सपोर्ट किया था। कई पुराने बयान भी सामने आए थे, जिनमें सबसे ज्यादा चर्चा में रहा था नवाजुद्दीन सिद्दीकी का बयान। जिसमें उन्होंने कहा था कि स्ट्रगल वाले दिनों में राजपाल यादव के घर वो खाना खाया करते थे। अब जेल से जमानत पर रिहा होकर आए राजपाल यादव ने इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

राजपाल यादव ने जेल से बाहर आने के बाद सबसे पहले फैंस का और सपोर्टर्स का धन्यवाद दिया। अब धीरे- धीरे एक्टर इस दौरान हुई कई बातों पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। राजपाल यादव ने हाल ही में यूपी तक के साथ बातचीत में नवाजुद्दीन के एक पुराने बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'वो मेरे यहां खाना नहीं खाते थे। वो उनका घर था, उनका खाना था। क्योंकि मुझे उनकी वजह से काम मिला है, उनका शुक्रिया।'

आगे उन्होंने कहा, 'वहां 10-15 एक्टर्स थे अलग- अलग स्टेट्स से, लेकिन किसके पास काम है किसके पास नहीं इससे फर्क नहीं पड़ता था। मायने ये रखता था कि सब साथ में खाते थे, हर शाम हंसते थे। उन्होंने मुझे इसका क्रेडिट दिया, ये उनकी अच्छाई है। लेकिन वो सब कुछ भी मेरा नहीं था। वो सब उनका ही था। '

आगे राजपाल ने ये भी बताया कि उनकी पत्नी राधा ने उन्हें बताया है कि कई लोगों ने उनके कठिन समय में पर्सनली उनसे कॉन्टेक्ट किया था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मुझे सपोर्ट करने वालों को धन्यवाद। जो सोशल मीडिया पर नहीं आए और ना ही आएंगे, उनकी लिस्ट भी लंबी है। हालांकि मैंने अभी तक अपना फोन चेक नहीं किया है।

बता दें कि राजपाल यादव 17 फरवरी को अंतरिम जमानत पर बाहर आए हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी भतीजी की शादी भी अटेंड की। अब राजपाल का सारा फोकस अपने केस पर और काम पर है। वो जल्दी ही इस मामले को खत्म करना चाहते हैं।

आज से होलाष्टक प्रारम्भ

होलाष्टक में फैलती है नकारात्मक ऊर्जापूजा-पाठ का विशेष महत्व

होलाष्टक के दौरान ग्रहों की नकारात्मकता बढ़ने से आठ दिन तक वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव रहेगा। ग्रह-नक्षत्र के कमजोर होने के कारण इस दौरान जातक की निर्णय क्षमता कम हो जाती है। होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष महत्व होता है। होलाष्टक के समय में मौसम में बदलाव होता है, इसलिए दिनचर्या को काफी अनुशासित रखें। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार होलाष्टक 24 फरवरी से 3 मार्च तक लगेगा। फाल्गुन अष्टमी से होलिका दहन तक आठ दिनों तक होलाष्टक के दौरान मांगलिक और शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। इन आठ दिनों में भले ही शुभ कार्य नहीं किए जाते, लेकिन देवी-देवताओं की अराधना के लिए ये दिन बहुत ही श्रेष्ठ माने जाते हैं। इस बार होलिका दहन 2 मार्च 2026 को होगा इसलिए होलाष्टक होली से आठ दिन पहले यानी 24 फरवरी से लग जाएंगे। वहीं इसके अगले दिन यानी कि 3 मार्च को होली खेली जाएगी। होलाष्टक के दौरान विवाह का मुहूर्त नहीं होता इसलिए इन दिनों में विवाह जैसा मांगलिक कार्य संपन्न नहीं करना चाहिए। नए घर में प्रवेश भी इन दिनों में नहीं करना चाहिए। भूमि पूजन भी इन दिनों में न ही किया जाए तो बेहतर है। नवविवाहिताओं को इन दिनों में मायके में रहने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताए जाते हैं, इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिए। होलिका दहन 2 व 3 मार्च को होली खेली जाएगी। होलाष्टक के समय विशेष रूप से विवाह, वाहन खरीद, नए निर्माण व नए कार्यों को आरंभ नहीं करना चाहिए। ऐसा ज्योतिष शास्त्र का कथन है। अर्थात् इन दिनों में किए गए कार्यों से कष्ट, अनेक पीड़ाओं की आशंका रहती है तथा विवाह आदि संबंध विच्छेद और कलह का शिकार हो जाते हैं या फिर अकाल मृत्यु का खतरा या बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है।

होलाष्टक को क्यों माना जाता है अशुभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होलाष्टक के दौरान आठ ग्रह उग्र अवस्था में रहते हैं। अष्टमी तिथि को चन्द्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी तिथि पर शनि, एकादशी पर शुक्र, द्वादशी पर गुरु, त्रयोदशी तिथि पर बुध, चतुर्दशी पर मंगल और पूर्णिमा तिथि के दिन राहु उग्र स्थिति में रहते हैं। होलाष्टक के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। माना जाता है कि होलाष्टक की अवधि में किए शुभ और मांगलिक कार्यों पर इन ग्रहों का बुरा असर पड़ता है, जिसका असर सभी राशियों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इस वजह से जीवन में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यही कारण है कि होली से पहले इन आठ दिनों में सभी मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है।

होलाष्टक का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार, होलाष्टक के दौरान भगवान हनुमान, भगवान विष्णु और भगवान नरसिंह की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही होलाष्टक के आठ दिनों में व्यक्ति को निरंतर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।

होलाष्टक में क्या नहीं करना चाहिए

होलाष्टक के आठ दिनों तक शादी विवाह जैसे कार्य नहीं किए जाते हैं। इसके साथ ही भूमि, भवन और वाहन आदि की भी खरीदारी को शुभ नहीं माना गया है। वहीं नवविवाहिताओं को इन दिनों में मायके में रहने की सलाह दी जाती है। हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताये जाते हैं इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिये। हालांकि दुर्भाग्यवश इन दिनों किसी की मौत होती है तो उसके अंत्येष्टि संस्कार के लिये भी शांति पूजन करवाई जाती है। इसके साथ ही इस दौरान किसी भी प्रकार का हवनए यज्ञ कर्म भी इन दिनों में नहीं किये जाते।

होलाष्टक में क्या करना चाहिए

होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इस दौरान मौसम में तेजी बदलाव होता है। इसलिए अनुशासित दिनचर्या को अपनाने की सलाह दी जाती है। होलाष्टक में स्वच्छता और खानपान का उचित ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। होलाष्टक में भले ही शुभ कार्यों के करने की मनाही है लेकिन इन दिनों में अपने आराध्य देव की पूजा अर्चना कर सकते

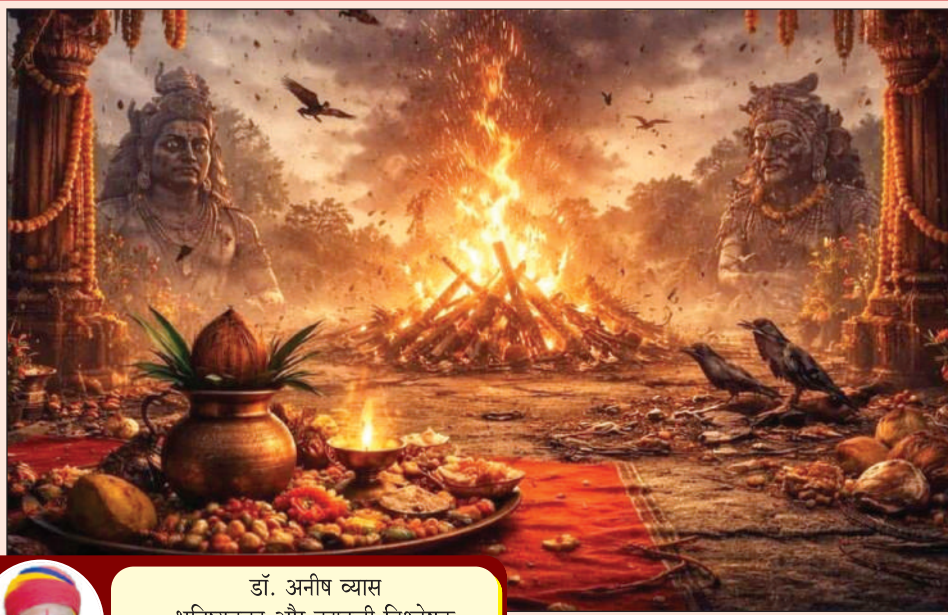

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हैं। व्रत उपवास करने से भी आपको पुण्य फल मिलते हैं। इन दिनों में धर्म कर्म के कार्य वस्त्र अनाज व अपनी इच्छा व सामर्थ्य के अनुसार जरुरतमंदों को धन का दान करने से भी आपको लाभ मिल सकता है।

होलाष्टक पर करने के विशेष उपाय।

संतान के लिए

यदि किसी कपल को संतान की प्राप्ति नहीं हो रही है तो वह होलाष्टक में लड्डु गोपाल की विधि विधान से पूजा पाठ करें। इस दौरान हवन भी करें जिसमें गाय का शुद्ध घी और मिश्री का इस्तेमाल करें। इस उपाय को करने से निसन्तान को भी संतान प्राप्त हो जाती है।

करियर में सफलता के लिए

यदि आप अपने करियर में तरक्की पर तरक्की चाहते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय करें। घर या ऑफिस में जौ तिल और शक्कर से हवन करवाएं। ऐसा कर आपके करियर में आने वाली सभी बाधाएं खत्म हो जाएगी। आप जिस भी फील्ड में काम स्टार्ट करेंगे उसमें आसानी से सफलता का स्वाद चख सकेंगे।

धन प्राप्ति के लिए

यदि आप आर्थिक रूप से कमजोर हैं या अत्यधिक धन की कामना रखते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय जरूर करें। कनेर के फूलए गांठ वाली हल्तीए पीली सरसों और गुड़ के द्वारा अपने घर में हवन करें। ऐसा करने से पैसों से जुड़ी सभी दिक्कतें दूर हो जाएगी। इतना ही नहीं संपत्ति से जुड़े मामलों में भी लाभ होगा।

अच्छी हेल्थ के लिए

अपनी अच्छी सेहत के लिए आपको होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। ये जाप करने के बाद गुग्गल से हवन भी करना न भूलें। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से असाध्य रोग से मुक्ति प्राप्त होती है।

सुखमय जीवन के लिए

यदि आपके जीवन में अत्यधिक दुख हैं तो होलाष्टक में हनुमान चालीसा और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना शुरू कर दें। इससे आपके सभी दुख समाप्त हो जाएंगे। जीवन में खुशियां ही खुशियां होगी। आपकी लाइफ सुख सुविधाओं से सज्जित होगी।

दान-पुण्य से मिलेगा लाभ

एक तरफ होलाष्टक में 16 संस्कार समेत कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित होता है, वहीं यह समय भगवान की भक्ति के लिए भी उत्तम माना जाता है। होलाष्टक के दौरान दान-पुण्य करने का विशेष फल प्राप्त होता है। इस दौरान मनुष्य को अधिक से अधिक भगवत भजन और वैदिक अनुष्ठान करने चाहिए, ताकि समस्त कष्टों से मुक्ति मिल सके। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से हर तरह के रोग से छुटकारा मिलता है और सेहत अ'छी रहती है।

होलाष्टक और इसका धार्मिक महत्व

होलाष्टक होलिका दहन से आठ दिन पहले से लग जाता है। इस बार होलाष्टक 24 फरवरी से 3 मार्च तक लगेगा। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। होलाष्टक के दिन से होली की तैयारी शुरू हो जाती है। ऐसे में होलाष्टक के दौरान लोग शुभ काम नहीं करते और करने से बचते हैं।

क्यों लगते है होलाष्टक

होलाष्टक को लेकर एक कथा प्रचलित है कि राजा हिरण्यकश्यप बेटे प्रहलाद को भगवान विष्णु की भक्ति से दूर करना चाहते थे। और इसके लिए उन्होंने इन आठ दिन प्रहलाद को कठिन यातनाएं दीं। इसके बाद आठवें दिन बहन होलिका (जिसे आग में न जलने का वरदान था) के गोदी में प्रहलाद को बैठा कर जला दिया। लेकिन फिर भी प्रहलाद बच गए। अतः ऐसे में इन आठ दिनों को अशुभ माना जाता है और कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता। होलाष्टक के दौरान सोलह संस्कार सहित सभी शुभ कार्यों को रोक दिया जाता है। इन दिनों गृह प्रवेश या किसी अन्य भवन में प्रवेश करने की भी मनाही होती है। इतना ही नहीं, नई शादी हुई लड़कियों को ससुराल की पहली होली देखने की भी मनाही होती है।

होलाष्टक पर न करें ये कार्य

फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक लग जाता है। होलाष्टक लगते ही हिंदू धर्म से जुड़े सोलह संस्कार समेत कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। चाहे कोई नया घर खरीदना हो या कोई नया व्यवसाय शुरू करना हो सभी शुभ कार्य रोक दिये जाते हैं। यदि इस दौरान किसी की मृत्यु हो जाती है तो उनके अंतिम संस्कार के लिए भी शांति कराई जाती है। एक मान्यता अनुसार किसी भी नवविवाहिता को अपने ससुराल की पहली होली नहीं देखनी चाहिए।

होलाष्टक पर करें आराधना

एक तरफ होलाष्टक में 16 संस्कार समेत कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित होता है, वहीं यह समय भगवान की भक्ति के लिए भी उत्तम माना जाता है। होलाष्टक के दौरान दान-पुण्य करने का विशेष फल प्राप्त होता है। इस दौरान मनुष्य को अधिक से अधिक भगवत भजन और वैदिक अनुष्ठान करने चाहिए, ताकि समस्त कष्टों से मुक्ति मिल सके। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से हर तरह के रोग से छुटकारा मिलता है और सेहत अच्छी रहती है।

होलाष्टक में शादी करने की भूल ना करें

जीवनभर पति-पत्नी को सहना पड़ती है पीड़ा

होलाष्टक के दौरान ग्रहों की नकारात्मकता बढ़ने से आठ दिन तक वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव रहेगा। ग्रह-नक्षत्र के कमजोर होने के कारण इस दौरान जातक की निर्णय क्षमता कम हो जाती है। होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष महत्व होता है। होलाष्टक के समय में मौसम में बदलाव होता है, इसलिए दिनचर्या को काफी अनुशासित रखें।

होलाष्टक 24 फरवरी से 3 मार्च तक लगेगा। फाल्गुन अष्टमी से होलिका दहन तक आठ दिनों तक होलाष्टक के दौरान मांगलिक और शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है। इन आठ दिनों में भले ही शुभ कार्य नहीं किए जाते, लेकिन देवी-देवताओं की अराधना के लिए ये दिन बहुत ही श्रेष्ठ माने जाते हैं।हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताए जाते हैं, इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिए। होलिका दहन 2 व 3 मार्च को होली खेली जाएगी। होलाष्टक के समय विशेष रूप से विवाह, वाहन खरीद, नए निर्माण व नए कार्यों को आरंभ नहीं करना चाहिए। ऐसा ज्योतिष शास्त्र का कथन है। अर्थात् इन दिनों में किए गए कार्यों से कष्ट, अनेक पीड़ाओं की आशंका रहती है तथा विवाह आदि संबंध विच्छेद और कलह का शिकार हो जाते हैं या फिर अकाल मृत्यु का खतरा या बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है।

होलाष्टक को क्यों माना जाता है अशुभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार होलाष्टक के दौरान आठ ग्रह उग्र अवस्था में रहते हैं।

- ❊ अष्टमी तिथि को चन्द्रमा
- ❊ नवमी को सूर्य
- ❊ दशमी तिथि पर शनि
- ❊ एकादशी पर शुक्र
- ❊ द्वादशी पर गुरु
- ❊ त्रयोदशी तिथि पर बुध
- ❊ चतुर्दशी पर मंगल
- ❊ पूर्णिमा तिथि के दिन राहु उग्र स्थिति में रहते हैं।

होलाष्टक के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। माना जाता है कि होलाष्टक की अवधि में किए शुभ और मांगलिक कार्यों पर इन ग्रहों का बुरा असर पड़ता है, जिसका असर सभी राशियों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इस वजह से जीवन में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यही कारण है कि होली से पहले इन आठ दिनों में सभी मांगलिक कार्यों पर रोक

लग जाती है।

होलाष्टक का महत्व

होलाष्टक के दौरान भगवान हनुमान, भगवान विष्णु और भगवान नरसिंह की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं।साथ ही होलाष्टक के आठ दिनों में व्यक्ति को निरंतर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।

होलाष्टक में क्या नहीं करना चाहिए

होलाष्टक के आठ दिनों तक शादी विवाह जैसे कार्य नहीं किए जाते हैं।

इसके साथ ही भूमि, भवन और वाहन आदि की भी खरीदारी को शुभ नहीं माना गया है।

वहीं नवविवाहिताओं को इन दिनों में मायके में रहने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म में 16 प्रकार के संस्कार बताये जाते हैं इनमें से किसी भी संस्कार को संपन्न नहीं करना चाहिये हालांकि दुर्भाग्यवश इन दिनों किसी की मौत होती है तो उसके अंत्येष्टि संस्कार के लिये भी शांति पूजन करवाई जाती है।

इसके साथ ही इस दौरान किसी भी प्रकार का हवनए यज्ञ कर्म भी इन दिनों में नहीं किये जाते।

होलाष्टक में क्या करना चाहिए

होलाष्टक के दौरान पूजा पाठ का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इस दौरान मौसम में तेजी बदलाव होता है इसलिए अनुशासित दिनचर्या को अपनाने की सलाह दी जाती है।

होलाष्टक में स्वच्छता और खानपान का उचित ध्यान रखना चाहिए।

इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए।

होलाष्टक में भले ही शुभ कार्यों के करने की मनाही है लेकिन इन दिनों में अपने आराध्य देव की पूजा अर्चना कर सकते हैं।

व्रत उपवास करने से भी आपको पुण्य फल मिलते हैं।

इन दिनों में धर्म कर्म के कार्य वस्त्र अनाज व अपनी इच्छा व सामर्थ्य के अनुसार जरुरतमंदों को धन का दान करने से भी आपको लाभ मिल सकता है।

होलाष्टक में करें ये उपाय

संतान के लिए

यदि किसी कपल को संतान की प्राप्ति नहीं हो रही है तो वह होलाष्टक में लड्डु गोपाल की विधि विधान से पूजा पाठ करें। इस दौरान हवन भी करें जिसमें गाय का शुद्ध घी और मिश्री का इस्तेमाल करें। इस उपाय को करने से निसन्तान को भी संतान प्राप्त हो जाती है।

करियर में सफलता के लिए

यदि आप अपने करियर में तरक्की पर तरक्की चाहते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय करें। घर या ऑफिस में जौ तिल और शक्कर से हवन करवाएं। ऐसा कर आपके करियर में आने वाली सभी बाधाएं खत्म हो जाएगी। आप जिस भी फील्ड में काम स्टार्ट करेंगे उसमें आसानी से सफलता का स्वाद चख सकेंगे।

धन प्राप्ति के लिए

आप आर्थिक रूप से कमजोर हैं या अत्यधिक धन की कामना रखते हैं तो होलाष्टक में यह उपाय जरूर करें। कनेर के फूलए गांठ वाली हल्तीए पीली सरसों और गुड़ के द्वारा अपने घर में हवन करें। ऐसा करने से पैसों से जुड़ी सभी दिक्कतें दूर हो जाएगी। इतना ही नहीं संपत्ति से जुड़े मामलों में भी लाभ होगा।

अच्छी हेल्थ के लिए

अपनी अच्छी सेहत के लिए आपको होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए। ये जाप करने के बाद गुग्गल से हवन भी करना न भूलें। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से असाध्य रोग से मुक्ति प्राप्त होती है।

सुखमय जीवन के लिए

यदि आपके जीवन में अत्यधिक दुख हैं तो होलाष्टक में हनुमान चालीसा और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना शुरू कर दें। इससे आपके सभी दुख समाप्त हो जाएंगे। जीवन में खुशियां ही खुशियां होगी। आपकी लाइफ सुख सुविधाओं से सज्जित होगी।

मंगलवार को त्रिपुष्कर-सर्वार्थ सिद्धि का दुर्लभ संयोग,जानें शुभ-अशुभ समय

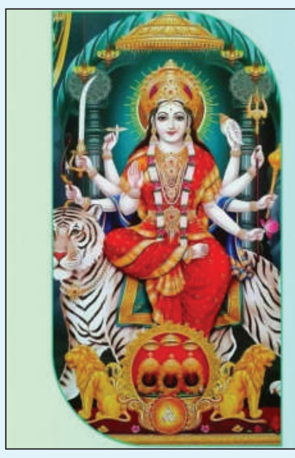

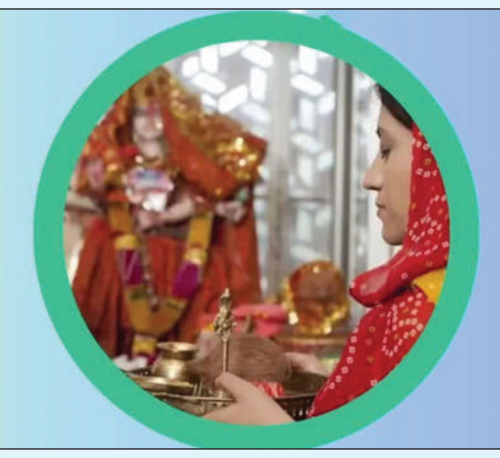

मंगलवार, 24 फरवरी को कई महत्वपूर्ण योगों का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस दिन फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि है। इसके साथ ही त्रिपुष्कर योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोजन भी रहेगा। ये योग शुभ कार्यों में विशेष फलदायी माने जाते हैं, लेकिन कुछ अशुभ काल भी ध्यान रखने योग्य हैं। सप्तमी तिथि पर त्रिपुष्कर और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग होने से मां दुर्गा की पूजा, व्रत और दान विशेष फलदायी होगी। शुभ मुहूर्त में देवी की आराधना से देवी कृपा होती है। साथ यह दिन श्री राम भक्त हनुमान और मंगल ग्रह की आराधना को भी समर्पित है। इस दिन लाल चीजों के दान का विशेष महत्व धर्म शास्त्रों में बताया गया है। सप्तमी तिथि सुबह 7 बजकर 1 मिनट तक, उसके बाद शुक्ल अष्टमी तिथि रहेगी जो 24 फरवरी की सुबह 7 बजकर 1 मिनट से 25 फरवरी की सुबह 4 बजकर 51 मिनट तक है। उदयातिथि के अनुसार 24 फरवरी को पूरे दिन सप्तमी तिथि का मान होगा। नक्षत्र कृत्तिका है जो दोपहर 3 बजकर 7 मिनट तक, उसके बाद रोहिणी रहेगी। सूर्योदय 6 बजकर 51 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 18 मिनट पर होगा।

24 फरवरी को फाल्गुन अष्टाह्निका विधान प्रारंभ होगा। त्रिपुष्कर योग सुबह 6 बजकर 51 मिनट से सुबह 7 बजकर 1 मिनट तक है। यह अत्यंत शुभ योग है, जिसमें किया गया शुभ कार्य तीन गुना फल देता है। विशेषकर पूजा, दान या नई शुरुआत के लिए उत्तम होता है। वहीं, सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 6 बजकर 51 मिनट से दोपहर 3 बजकर 7 मिनट तक रहेगा। यह योग सभी प्रकार के कार्यों में सफलता और मनोकामना पूर्ति प्रदान करता है। शुभ कार्यों के लिए सर्वोत्तम समय माना जाता है।

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 11 मिनट से 6 बजकर 1 मिनट तक है। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 57 मिनट तक है। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 29 मिनट से 3 बजकर 15 मिनट तक है। वहीं, अमृत काल दोपहर 12 बजकर 51 मिनट से 2 बजकर 22 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 15 मिनट से 6 बजकर 40 मिनट तक है।

अशुभ समय का विचार भी महत्वपूर्ण है। आडल योग और ज्वालामुखी योग सुबह 6 बजकर 51 मिनट से दोपहर 3 बजकर 7 मिनट तक है। मंगलवार को भद्रा भी है, जो सुबह 7 बजकर 1 मिनट से शाम 5 बजकर 56 मिनट तक है। राहुकाल दोपहर 3 बजकर 26 मिनट से 4 बजकर 52 मिनट तक और यमगंड सुबह 9 बजकर 43 मिनट से 11 बजकर 9 मिनट तक है। यह अशुभ मानी जाती है, महत्वपूर्ण कार्य टालने की सलाह दी जाती है।

संपादकीय

ट्रंप टैरिफ लागू है

अमरीका की सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को खारिज कर दिया था। उसे गैर-कानूनी करार दिया गया और संवैधानिक शक्तियों का अतिक्रमण माना गया। शीर्ष अदालत ने 6-3 के बहुमत के साथ व्याख्या की कि टैरिफ लगाने का विशेषाधिकार राष्ट्रपति को नहीं है। सिर्फ अमरीकी कांग्रेस (संसद) ही टैरिफ पर कोई निर्णय ले सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस आईईईपीए कानून के तहत देशों पर टैरिफ लगाए हैं, वे अवैध हैं। ये आपातकालीन आर्थिक शक्तियां 'युद्धकालीन' ही हैं अथवा कोई आपदा का दौर हो। तब भी राष्ट्रपति सिर्फ आयात को नियंत्रित कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के अधिकारों के दुरुपयोग को बेनकाब करता है, क्योंकि टैरिफ की घुड़कियां दिखा कर ट्रंप विभिन्न देशों को धमकाते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सर्वोच्च अदालत के इस आदेश के बावजूद हार नहीं मानी। वह एक अलग किस्म के अहंकारी और एकाधिकारवादी राष्ट्राध्यक्ष हैं, लिहाजा उन्होंने पहले 10 फीसदी और फिर पलट कर 15 फीसदी टैरिफ सभी देशों पर थोपने का ऐलान किया। ट्रंप ने अदालती आदेश को 'शर्मनाक', 'अलोकतांत्रिक', 'निराशाजनक' करार दिया। यहां तक कह दिया कि जज संविधान के प्रति वफादार नहीं हैं। क्या राष्ट्रपति अदालत और न्यायाधीशों पर ऐसी टिप्पणी कर सकते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप के 358 फैसलों में से 149 फैसलों पर पूर्ण अथवा आंशिक रोक अदालत लगा चुकी है। बहरहाल अब 24 फरवरी से सभी देशों पर 15 फीसदी टैरिफ लागू होगा और वह 150 दिन (24 जुलाई) तक ही जारी रह सकता है। उसके बाद संसद की स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। ट्रंप ने जिस 'ट्रेड एक्ट' की धारा 122 के तहत नए 15 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, उनकी अधिकतम सीमा ही 15 फीसदी है। ट्रंप उससे ज्यादा टैरिफ लगा ही नहीं सकते। अमरीकी राष्ट्रपति के इस नए आदेश और ऐलान के बाद भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय का इतना ही बयान सामने आया है कि तमाम बिंदुओं का अध्ययन किया जा रहा है। सवाल है कि अब नई परिस्थितियों में भारत क्या करेगा? उसके सामने विकल्प क्या हैं? भारत पर 3.3 फीसदी अमरीकी टैरिफ पहले से है। फिर 50 फीसदी तक टैरिफ ले जाया गया। जब भारत-अमरीका व्यापार समझौते पर शुरुआती सहमति बन गई, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ घटा कर 18 फीसदी कर दिया। अब भी वह कह रहे हैं कि भारत टैरिफ देगा और अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं लगेगा। यह कैसा द्विपक्षीय व्यापार समझौता है? अभी दोनों देशों के बीच समझौते के प्रारूप, मसविदे पर सहमति ही बनी है, अंतिम समझौता नहीं हुआ है, क्योंकि किसी भी दस्तावेज पर अधिकृत हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं। इन परिस्थितियों में भारत व्यापार समझौते पर अमरीका के साथ दोबारा बातचीत करेगा अथवा अमरीकी आदेशों का ही पालन करेगा, यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है। यदि अमरीका समझौते की नई शर्तों पर सहमत नहीं होता है, तो क्या समझौता ही खटाई में पड़ सकता है? विशेषज्ञ अर्थशास्त्री प्रो. अरुण कुमार का आकलन है कि ट्रंप ने 15 फीसदी बेस लाइन टैरिफ से भारत के वस्त्र उद्योग को वियतमान और बांग्लादेश जैसे देशों के समान ला खड़ा किया है। भारत को बहुत नुकसान होना तय है, लिहाजा भारत को यूरोपीय संघ सरीखे नए व्यापारिक साझेदार तलाशने और तय करने होंगे। ट्रंप हमेशा अनिश्चित बने रहेंगे, क्योंकि उनकी फितरत ही ऐसी है, लिहाजा अमरीका पर न्यूनतम निर्भरता रखनी होगी। आश्चर्य है कि सुप्रीम कोर्ट ने इतना बड़ा, महत्वपूर्ण फैसला तो सुना दिया, लेकिन इस बारे में कोई निर्देश नहीं है कि ट्रंप ने 135 अरब डॉलर का जो टैरिफ देशों से वसूला है, उसकी वापसी कैसे होगी? उसे रिफंड किया जाएगा अथवा नहीं? जानकार मान रहे हैं कि अमरीकी आयातक ही आवेदनों की बौछार कर देंगे, तो शायद कोई व्यवस्था बनाई जा सकती है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस आईईईपीए कानून के तहत देशों पर टैरिफ लगाए हैं, वे अवैध हैं। ये आपातकालीन आर्थिक शक्तियां 'युद्धकालीन' ही हैं अथवा कोई आपदा का दौर हो। तब भी राष्ट्रपति सिर्फ आयात को नियंत्रित कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के अधिकारों के दुरुपयोग को बेनकाब करता है, क्योंकि टैरिफ की घुड़कियां दिखा कर ट्रंप विभिन्न देशों को धमकाते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सर्वोच्च अदालत के इस आदेश के बावजूद हार नहीं मानी। वह एक अलग किस्म के अहंकारी और एकाधिकारवादी राष्ट्राध्यक्ष हैं, लिहाजा उन्होंने पहले 10 फीसदी और फिर पलट कर 15 फीसदी टैरिफ सभी देशों पर थोपने का ऐलान किया। ट्रंप ने अदालती आदेश को 'शर्मनाक', 'अलोकतांत्रिक', 'निराशाजनक' करार दिया। यहां तक कह दिया कि जज संविधान के प्रति वफादार नहीं हैं। क्या राष्ट्रपति अदालत और न्यायाधीशों पर ऐसी टिप्पणी कर सकते हैं? राष्ट्रपति ट्रंप के 358 फैसलों में से 149 फैसलों पर पूर्ण अथवा आंशिक रोक अदालत लगा चुकी है। बहरहाल अब 24 फरवरी से सभी देशों पर 15 फीसदी टैरिफ लागू होगा और वह 150 दिन (24 जुलाई) तक ही जारी रह सकता है। उसके बाद संसद की स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। ट्रंप ने जिस 'ट्रेड एक्ट' की धारा 122 के तहत नए 15 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, उनकी अधिकतम सीमा ही 15 फीसदी है। ट्रंप उससे ज्यादा टैरिफ लगा ही नहीं सकते। अमरीकी राष्ट्रपति के इस नए आदेश और ऐलान के बाद भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय का इतना ही बयान सामने आया है कि तमाम बिंदुओं का अध्ययन किया जा रहा है।

कुछ अलग

चुप रहने का उचित समय

ये जो बेरोजगारी है, यह दरअसल उचित काम न मिलने की वजह है। वैसे कोई भी काम आज तक उचित हुआ नहीं। उचित की तलाश आजकल अमरीकी राष्ट्रपति कर रहे हैं, इसलिए उनका किया-कराया अनुचित लगता है। हैरानी यह कि हम जिसे उचित खुराक मानकर खाना चाहते हैं, उसे बाबा रामदेव अनुचित कह देते हैं। दिक्कत यह भी कि उचित पढ़ाई की तलाश में डिग्री अनुचित और उचित नौकरी के लिए पढ़ाई ही अनुचित हो जाती है। आजकल तो संसदीय बहस में विपक्ष भी अनुचित हो चुका है। जो पहनना चाहता है, उसे बीवी अनुचित, जो खांसना चाहता है, उसे डाक्टर अनुचित मान लेता है। जो दलील देना चाहता है, उसे कानून अनुचित और जो उपदेश देता है, वो गुरु अनुचित लगता है। अपने खेत में ही किसान अच्छी फसल उगा कर भी अनुचित हो रहा था। उसे आज तक पता नहीं चला कि अच्छे बीज उगाकर भी उसकी मेहनत अनुचित कैसे हो रही है। उदास किसान ने देखा खेत में चिंटियों का झुंड अपने लिए उचित स्थान की तलाश में आगे बढ़ रहा था। चींटियों में न नेतृत्व था और न ही नेता, लेकिन उन्हें सूचना थी कि इनसानों से बेहतर साबित होना है, तो 'उचित समय पर उचित निर्णय लें।' हम इनसान भिन्न हैं। हमें कोई इजाजत ही नहीं देता कि 'जो उचित लगे सो करें।' चींटियां उचित फैसला लेते हुए रास्ता बदलती हैं और जहां उचित लगता, अपना ठौर बना लेतीं। हम लोगों को फैसला लेने के बाद पता चलता है कि यह अनुचित है। जहां रहते हैं, वे घर, गली और कस्बे अनुचित हैं।

मोदी ने कहा कि आज दुनिया में दो तरह के लोग हैं- एक वे जो एआई में डर देखते हैं और दूसरे वे जो एआई में समृद्धि देखते हैं

दुनिया के एआई नक्शे पर चमका भारत

हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित इंडिया ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इम्पैक्ट समिट-2026 से भारत की मुट्ठियों में जो तकनीकी और रणनीतिक मोर्चों पर बड़ी उपलब्धियां आई हैं, उनसे दुनिया के एआई नक्शे पर भारत चमकते हुए दिखाई दे रहा है। यह समिट दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों में सफल रहा है। एक, भारत को दुनिया में एआई के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना और दो, एआई को एक ऐसे भविष्य की ओर आगे बढ़ाना, जहां एआई मानवता व समावेशी विकास को बढ़ावा दे और हमारी साझा धरती की रक्षा करे। गौरतलब है कि समिट के समापन पर व्यापक आम सहमति के दिल्ली घोषणा पत्र में मानव केंद्रित एआई की वकालत की गई है। ग्लोबल साउथ में आयोजित दुनिया के पहले सबसे बड़े इस ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट में दुनिया के 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष सहित 118 देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, सभी प्रमुख डिजिटल कंपनियों के सीईओ और करीब 35 हजार से अधिक एआई एक्सपट्र्स 550 से अधिक सत्रों में शामिल हुए। साथ ही इस समिट में 5 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। खास बात यह भी है कि इस समिट के तहत भारत ने एआई के जिम्मेदार उपयोग को लेकर गिनीज वल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। इंडिया एआई मिशन के एआई रिस्पॉन्सिबिलिटी कैंपेन में सिर्फ 24 घंटे के अंदर ढाई लाख से ज्यादा लोगों ने शपथ ली। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 फरवरी को औपचारिक रूप से एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि अब प्रौद्योगिकी को सर्वसुलभ बनाया जाना चाहिए, जिससे यह खास तौर पर ग्लोबल साउथ में समावेश और सशक्तीकरण का माध्यम बन सके। उन्होंने भारत की विविधता और जनसांख्यिकी पर जोर देते हुए कहा कि भारत में सफल होने वाला कोई भी एआई मॉडल दुनिया भर में इस्तेमाल किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के लिए 'मानव' (एमएएनएवी) दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। ऐसा मानवीय दृष्टिकोण पूरी दुनिया की जवाबदेही है। मोदी ने कहा कि आज दुनिया में दो तरह के लोग हैं- एक वे जो एआई में डर देखते हैं और दूसरे वे जो एआई में समृद्धि देखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं गर्व और जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि हमें इसमें डर नहीं दिखता। भारत एआई में समृद्धि देखता है, भारत एआई में भविष्य देखता है। इस मौके पर टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि एआई आने वाले समय की सबसे बड़ी बुनियादी व्यवस्था बनने जा रही है। जैसे पहले स्टीम इंजन, बिजली और इंटरनेट ने दुनिया को बदला, उसी तरह एआई भी अर्थव्यवस्था और समाज पर गहरा असर डालेगा। एआई इंटेलिजेंस का इन्फ्रास्ट्रक्चर भविष्य की दिशा तय करेगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में दुनिया ने भारत का लोहा माना है। चाहे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों हों या अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, चाहे गूगल डीप माइंड के सह संस्थापक डेमिस हसाबिस हों या फिर ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक हों, इस समिट में दुनिया भर के सभी दिग्गज नेताओं और तकनीकी विशेषज्ञों ने भारत के एआई क्षेत्र में बढ़ते कदमों की तारीफ की है। यह बार-बार कहा गया कि एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद है, जिसकी गूंज दुनिया के कोने-कोने में सुनाई दी है। निश्चित रूप से इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट दुनिया के साथ-साथ भारत के लिए उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों और भारत के बड़े इंडस्ट्री ग्रुप्स ने 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की घोषणाएं कर यह संकेत दे दिया है कि आने वाला दशक भारत के लिए एआई बुनियादी ढांचे की ऊंचाई का दशक हो सकता है। समिट के दौरान हुए समझौतों ने यह दिखाया कि भारत सिर्फ एआई तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका बड़ा उत्पादक और निर्यातक बनने की तैयारी में है। देश के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी टेलीकॉम इकाई जियो ने एआई और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश किया है। ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने घोषणा की कि अगले सात वर्षों में करीब 109.8 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। अडानी समूह ने भी एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 100 अरब डॉलर निवेश की योजना पेश की है। यह निवेश 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित एआई डेटा सेंटर स्थापित करने पर केंद्रित होगा। वैश्विक टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि वह इस दशक के अंत तक 'ग्लोबल साउथ' के देशों में एआई विस्तार के लिए 50 अरब डॉलर तक निवेश करेगा। कंपनी पिछले वर्ष भारत में 17.5 अरब डॉलर के एआई निवेश का ऐलान कर चुकी है। भारतीय डेटा सेंटर कंपनी योट्टा डेटा सर्विसेज ने एशिया के सबसे बड़े एआई कंप्यूटिंग हब में दो अरब डॉलर लागत वाले एक प्रोजेक्ट को विकसित करने का ऐलान किया है। इसी क्रम में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने चैटजीपीटी की मूल कंपनी ओपनएआई को अपने डेटा सेंटर डिविजन का पहला ग्राहक बनाया है। यह साझेदारी वैश्विक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पहल 'स्टारगेट' के तहत हुई है, जो भारत को एआई सेवा निर्यात के नए अवसर दे सकती है। यह भी महत्वपूर्ण है कि एआई इम्पैक्ट समिट के मौके पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में भारत पैक्स सिलिका डिक्लेरेशन का 12वां हस्ताक्षरकर्ता बन गया, जिसमें अमेरिका के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, इजरायल और नीदरलैंड भी शामिल हैं। पैक्स सिलिका को बीते 12 दिसंबर को वाशिंटन में दुर्लभ खनिजों और एआई के लिए सुरक्षित, लचीली और नवाचार आधारित आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए लॉन्च किया गया था। निःसंदेह इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के बाद अब भारत एआई के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ेगा। वस्तुतः भारत में हेल्थकेयर, शिक्षा, कृषि, गवर्नेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ेगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट ने भारत के लिए एआई के तहत उद्योग-कारोबार व अर्थव्यवस्था की रफ्तार के साथ एआई आधारित रोजगार के नए मौके मुठ्ठी में लेने का नया दौर सामने दिखाई दे रहा है। चूंकि भारत का श्रम बाजार ढांचागत बदलाव से गुजर रहा है। नीति आयोग की रिपोर्टों के तहत भी बड़ी संख्या में पारंपारिक नौकरियां खत्म होने और एआई से जुड़ी नई नौकरियां निर्मित होने की बात कही गई है। ऐसे में देश की नई पीढ़ी को एआई आधारित नौकरियों के बढ़ते अवसरों के बीच एआई पेशेवर के रूप में सुसज्जित किया जाना होगा। नई पीढ़ी को स्कूली शिक्षा के साथ प्रारंभिक स्तर से ही एआई से जोड़े जाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। उम्मीद करें कि 16 से 21 फरवरी तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 ने जिस तरह सफलता का परचम लहराया है, उससे भारत में डेटा सेंटर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटिंग क्षमता और पावर सिस्टम में तेजी से निवेश बढ़ेंगे। उम्मीद करें कि अब भारत ग्लोबल साउथ की आवाज बनकर समावेशी और मानव केंद्रित एआई का नेतृत्व करेगा। उम्मीद करें कि भारत में सॉवरेन एआई का उपयोग शहरों की सीमाओं से दूर छोटे-छोटे गांवों तक कृषि और स्वास्थ्य सेवाओं में भी तेजी से बढ़ेगा। इन सबसे जीवन में आसानी होगी, नए रोजगार और विकास की रफ्तार बढ़ेगी। साथ ही यह समिट भारत को विकसित भारत बनाने की राह पर तेजी से आगे बढ़ाएगा। भारत का भविष्य उज्ज्वल है।

ग्लोबल साउथ में आयोजित दुनिया के पहले सबसे बड़े इस ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट में दुनिया के 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष सहित 118 देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, सभी प्रमुख डिजिटल कंपनियों के सीईओ और करीब 35 हजार से अधिक एआई एक्सपट्र्स 550 से अधिक सत्रों में शामिल हुए। साथ ही इस समिट में 5 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। खास बात यह भी है कि इस समिट के तहत भारत ने एआई के जिम्मेदार उपयोग को लेकर गिनीज वल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। इंडिया एआई मिशन के एआई रिस्पॉन्सिबिलिटी कैंपेन में सिर्फ 24 घंटे के अंदर ढाई लाख से ज्यादा लोगों ने शपथ ली। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 फरवरी को औपचारिक रूप से एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि अब प्रौद्योगिकी को सर्वसुलभ बनाया जाना चाहिए, जिससे यह खास तौर पर ग्लोबल साउथ में समावेश और सशक्तीकरण का माध्यम बन सके।

देश दुनिया से

'मुफ्त रेवड़ी आवंटन' फ़िक्रमंद अदालत बेफ़िक्र सरकार?

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की 'सत्ता लोलुपता' से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। वेंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी क़र्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोईं गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक क़र्ज मुआफ़ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो वुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नक़द धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। बांटने की इस क़वायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यो हेतु व बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सायिता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी क़र्ज में डूबना भी मंज़ूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है। परन्तु सत्ता की इसी तरह की ग़ैर ज़िम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कईं बार अपनी चितायें ज़ाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय कीएक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताज़ातरीन तल्ख़ टिप्पणी गत 19 फ़रवरी को एक बार फिर सामने आयी जो ग़ैर ज़िम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाईं के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोत्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -'कईं राज्य पहले से ही भारी क़र्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोईं गैस, वैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब वुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत ख़त्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। ग़रीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-ग़रीब में फ़र्व किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना ग़लत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है'। इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोज़गार सृजन पर फ़ोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्प़ मुफ़्त चीज़ें बांटने पर। यह सुनवाईं के दौरान की गईं मौखिक टिप्पणियां थीं, जो ीबीज़ कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिता को दिखाती हैं। पूर्व में भी 'मुफ़्त रेवड़ी आवंटन' को लेकर न्यायालय अपनी चितायें ज़ाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने 'मुफ़्त की रेवड़ी' बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं ज़रूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्वृति और राष्ट्र निर्माण के ख़िलाफ़ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराईं जाती रही है, ख़ासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में ठरेवड़ी कल्चर को ख़तरनाक बता चुके हैं। यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेडूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कईं बार महिलाओं के खातों में 10-10 हज़ार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफ़र किये जाने पर काफ़ी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश वुमार की अगुवाईं में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। कईं विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हज़ार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफ़र करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फ़ायदा मिला। परन्तु विपक्षी दलों ने इसे चुनावी रिश्वत या वोट ख़रीदने की कोशिश क़रार दिया था। वुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। वुछ विपक्षी नेताओं ने इसी 'रेवड़ी' के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गईं। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाईं जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्दा सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुईं थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षो (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्दान्न प्रदान करने का फ़ैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्दा सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहां लोगों में मुफ़्तख़ोरी की संस्वृति बढ़ेगी वहीं इस 'मुफ़्त रेवड़ी' का लाभ सत्ता को मिलेगा।

आज देश के ऐसे कईं राज्य जोकि भारी क़र्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोईं गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक क़र्ज मुआफ़ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो वुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नक़द धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। बांटने की इस क़वायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यो हेतु व बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते।

आप का नज़रिया

सरकारी ढांचे-ढर्रे की समीक्षा

शिक्षा के ढांचे में सुधार लाने की जहमत उठाना, क्रांतिकारी सफर से कम नहीं। कुछ यादगार परिवर्तन मौजूदा सरकार के प्रयत्नों की नुमाइश जरूर हैं, लेकिन इस बहाने खामियों के खंडहर सामने आ गए। अगर शिक्षा मंत्री जीरो इनरोलमेंट के 39 स्कूलों को ताला लगा रहे हैं, तो इस समीक्षा की तारीफ होनी चाहिए। इसी तर्ज पर सौ से कम संख्या वाले कालेज अगर मर्ज होते हैं, तो यह प्रदेश की शिक्षा अधोसंरचना की जवाबदेही ही मानी जाएगी। उद्देश्यपूर्ण शिक्षा पद्धति की तलाश में सरकारी बनाम निजी स्कूलों के बीच ही नहीं, बल्कि हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड बनाम सीबीएसई-आईसीएसई बोर्ड के बीच भी प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। इस सबके बीच सरकारी अध्यापक का ढर्रा वेतन-भत्तों, ट्रांसफर और मनपसंद की जगह पर बने रहने की कवायद बन कर नहीं रह सकता। शिक्षा के अधिकार को सुदृढ़ करते हुए हिमाचल की सुक्खू सरकार ने कुछ चयनित सरकारी स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के माध्यम से संचालित करने की पहल करके, एक नया माहौल और शैक्षणिक कैडर की नई तलाश शुरू कर दी है। सीबीएसई पाठ्यक्रम के जरिए अब प्रतिस्पर्धा केवल सरकारी बनाम निजी स्कूल नहीं, बल्कि सरकारी बनाम सरकारी स्कूल भी शुरू हो रही है। सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत सरकारी स्कूलों की मांग व औचित्य की तलाश इतनी बढ़ गई कि सरकार ने यह संख्या 148 तक बढ़ा दी। ज्यादातर सीबीएसई स्कूल बड़े कस्बों से शहरी स्कूल परिसरों में स्थापित हो रहे हैं। यानी जिन स्कूलों के परिवेश में मुकम्मल अधोसरंचना और दक्षता के परिणाम स्थापित हो सकते हैं, वहां राष्ट्रीय स्तर की पहचान में ये स्कूल स्थापित हो रहे हैं। यहां शिक्षकों का एक विशेष कैडर चुना जाना है, जिसका विरोध राजकीय अध्यापक संघ की ओर से हो रहा है। संघ शिक्षकों के स्क्रीनिंग टेस्ट के खिलाफ आपत्तियां दर्ज करते हुए पूरे अभियान में रोड़े अटका रहा है। हम इसे सरकारी कार्य संस्कृति की वेदना कहें या विशेषाधिकार मानें। अगर सरकारी ढांचे की वर्तमान शैली में जिम्मेदारी का बोध, प्रभावी लागत के अनुरूप होता तो प्रदेश के शहरी स्कूल क्यों बर्बाद होते। अद्यतन ज्ञान की स्क्रीनिंग से डर रहे शिक्षक वर्ग से यह क्यों न पूछा जाए कि जिस पाठ्यक्रम के बदौलत अभिभावक उन पर भरोसा करते रहे, उसकी समीक्षा में यह विवाद क्यों। बच्चों को अतिस्पर्धी माहौल में अध्यापकों की अरुचि और ढर्रे के आगे क्यों कोई अभिभावक असफल होने के लिए भेजेगा। अगर सीबीएसई और स्कूल शिक्षा बोर्ड के स्कूलों के बीच एक ही सेतु रहेगा, तो सारी कसरत ही जाया होगी। सिस्टम बदलना है तो सारी तैयारी मुकम्मल होनी चाहिए। जाहिर तौर पर सीबीएसई स्कूलों के जरिए उत्कृष्टता के पैमाने पहले से तय होने चाहिएं और इसकी प्रथम कड़ी अध्ययन से पठन-पाठन की जरूरतों में शिक्षकों का एक विशेष कैडर चाहिए। बेशक स्कूल शिक्षा बोर्ड भी अपने पैमाने पर गुणवत्ता के मानदंड चढ़ा कर, दो तीन दर्जन संस्थानों की पैरवी में विशिष्ट स्कूलों की रैंकिंग कर सकता है। आठवीं से बारहवीं तक के कैरियर ओरिएंटेशन (उन्मुखीकरण) में स्कूल शिक्षा बोर्ड को भी नई पहल करनी चाहिए, जहां एक राज्य स्तरीय परीक्षा की मैरिट के आधार पर ऐसे स्कूलों में प्रवेश दिला कर, नौवीं से बारहवीं तक के पाठ्यक्रम के तहत छात्रों की प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया जाए। जिस तरह सरकारी स्कूलों के बीच सीबीएसई स्कूलों को पारंगत किया जा रहा है, उसी तरह शहरी एवं जिला स्तर के अस्पतालों में कम से कम एक विंग को सुपरस्पेशियलिटी बना कर इसे निजी अस्पतालों के प्रारूप में चलाया जाए। जाहिर है वहां भी डाक्टरों का अलग कैडर चुनने के लिए प्रयास करने पड़ेंगे। सरकारी क्षेत्र को निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा में सही साबित करना है, तो नए रास्ते, विकल्प या समाधान चुनने ही पड़ेंगे। निजी क्षेत्र का समर्थन बढ़ाती हिमाचल की जनता पहले ही स्कूल-कालेजों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों व सरकारी बसों से मैरिट छीन चुकी है। अतः अस्तित्व की परीक्षा में सरकारी अध्यापक, डाक्टर, कर्मचारी व अधिकारी को नए रास्तों पर अधिक मेहनत का सबूत देना ही पड़ेगा।

शिक्षा के अधिकार को सुदृढ़ करते हुए हिमाचल की सुक्खू सरकार ने कुछ चयनित सरकारी स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के माध्यम से संचालित करने की पहल करके, एक नया माहौल और शैक्षणिक कैडर की नई तलाश शुरू कर दी है। सीबीएसई पाठ्यक्रम के जरिए अब प्रतिस्पर्धा केवल सरकारी बनाम निजी स्कूल नहीं, बल्कि सरकारी बनाम सरकारी स्कूल भी शुरू हो रही है। सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत सरकारी स्कूलों की मांग व औचित्य की तलाश इतनी बढ़ गई कि सरकार ने यह संख्या 148 तक बढ़ा दी। ज्यादातर सीबीएसई स्कूल बड़े कस्बों से शहरी स्कूल परिसरों में स्थापित हो रहे हैं। यानी जिन स्कूलों के परिवेश में मुकम्मल अधोसरंचना और दक्षता के परिणाम स्थापित हो सकते हैं, वहां राष्ट्रीय स्तर की पहचान में ये स्कूल स्थापित हो रहे हैं। यहां शिक्षकों का एक विशेष कैडर चुना जाना है, जिसका विरोध राजकीय अध्यापक संघ की ओर से हो रहा है। संघ शिक्षकों के स्क्रीनिंग टेस्ट के खिलाफ आपत्तियां दर्ज करते हुए पूरे अभियान में रोड़े अटका रहा है। हम इसे सरकारी कार्य संस्कृति की वेदना कहें या विशेषाधिकार मानें। अगर सरकारी ढांचे की वर्तमान शैली में जिम्मेदारी का बोध, प्रभावी लागत के अनुरूप होता तो प्रदेश के शहरी स्कूल क्यों बर्बाद होते।

दृष्टि कोण

रफ्तार की कीमतः सड़क पर बुझता युवाओं का भविष्य

भारत में सड़क हादसों में युवाओं की लगातार हो रही मौतें आज एक ऐसी सच्चाई बन चुकी हैं, जिसे नज़रअंदाज़ करना अब संभव नहीं है। हर दिन अख़बारों के पन्ने और न्यूज़ चैनलों की सुर्खियाँ हमें यह याद दिलाती हैं कि सड़कें कितनी असुरक्षित होती जा रही हैं। इन हादसों में सबसे अधिक प्रभावित युवा वर्ग हो रहा है—वह वर्ग, जिसे देश का भविष्य कहा जाता है। यह स्थिति न केवल दुखद है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी चेतावनी भी है। सड़क दुर्घटनाएँ अचानक होने वाली घटनाएँ नहीं होतीं, बल्कि ये अक्सर मानवीय लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का परिणाम होती हैं। तेज़ रफ्तार से वाहन चलाना, यातायात नियमों की अनदेखी करना, गलत दिशा में वाहन ले जाना, नींद या थकान की अवस्था में ड्राइव करना, शराब या नशे का सेवन करके गाड़ी चलाना और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल—ये सभी कारण मिलकर सड़क को मौत का रास्ता बना देते हैं। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अधिकांश हादसे पूरी तरह रोके जा सकते हैं, यदि थोड़ी-सी सावधानी और समझदारी दिखाई जाए। युवा अवस्था जोश, आत्मविश्वास और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से भरी होती है। यही गुण जब अनुशासन और जिम्मेदारी से जुड़े हों, तो प्रगति का मार्ग बनाते हैं, लेकिन जब यही जोश लापरवाही में बदल जाए, तो विनाश का कारण बनता है। आज कई युवा तेज़ रफ्तार को शान और नियम तोड़ने को साहस समझने लगे हैं। "कुछ नहीं होगा" या "मैं संभाल लूँगा" जैसी सोच उन्हें खतरनाक फैसले लेने के लिए प्रेरित करती है। दुर्भाग्यवश, एक छोटी-सी गलती पूरे जीवन को समाप्त कर देती है। आधुनिक जीवनशैली और तकनीक ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। मोबाइल फोन आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, लेकिन ड्राइविंग के दौरान इसका इस्तेमाल जानलेवा साबित हो रहा है। एक पल की असावधानी, एक मैसेज पढ़ने या कॉल उठाने की कोशिश कई जिंदगियों को छीन सकती है। इसके बावजूद लोग इस खतरे को गंभीरता से नहीं लेते। यही उदासीनता सड़क हादसों की बढ़ती संख्या का एक बड़ा कारण है। शराब पीकर वाहन चलाना भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। कई लोग इसे अपराध नहीं, बल्कि सामान्य बात समझते हैं। दोस्तों के साथ पार्टी के बाद खुद गाड़ी चलाने का आत्मविश्वास, या यह सोच कि "थोड़ी-सी शराब से क्या फर्क पड़ेगा", अक्सर घातक सिद्ध होती है। नशे की हालत में प्रतिक्रिया समय कम हो जाता है और निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है, जिससे दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसके अलावा, नींद की झपकी और थकान भी एक गंभीर लेकिन अक्सर अनदेखा किया जाने वाला कारण है। लंबी दूरी की यात्रा, रात में ड्राइविंग या लगातार काम के बाद वाहन चलाना शरीर और मस्तिष्क पर भारी पड़ता है। कई हादसे केवल इसलिए हो जाते हैं क्योंकि चालक कुछ सेकंड के लिए झपकी ले लेता है। यह कुछ सेकंड किसी के पूरे जीवन पर भारी पड़ सकते हैं। सरकार और प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर कई प्रयास किए गए हैं। यातायात नियम बनाए गए हैं, जुर्माने बढ़ाए गए हैं, हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य किया गया है और जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कानून तभी प्रभावी होते हैं, जब लोग उन्हें दिल से स्वीकार करें। केवल डर के कारण नियमों का पालन करना पर्याप्त नहीं है; इसके लिए सोच और व्यवहार में बदलाव जरूरी है। सड़क सुरक्षा को केवल प्रशासन की जिम्मेदारी मान लेना एक बड़ी भूल है। यह हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। एक चालक के रूप में हमारी लापरवाही न केवल हमारी जान के लिए खतरा है, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के जीवन को भी जोखिम में डालती है। पैदल चलने वाले, साइकिल सवार, बुजुर्ग, बच्चे—सभी हमारी एक गलती का शिकार बन सकते हैं। परिवार और शिक्षा व्यवस्था की भूमिका भी इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देने से पहले उन्हें यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा का सही ज्ञान दें। केवल वाहन चलाना सिखा देना पर्याप्त नहीं है; सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग की आदत डालना ज़रूरी है।

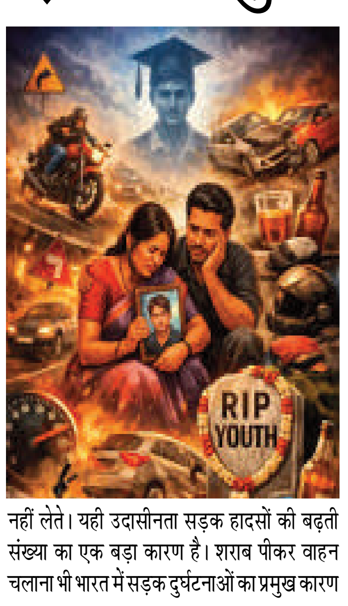

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जी–वनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावस–ायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते आप परेशान होगें आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सा–वधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। परिवार के साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरा–वस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृती के हैं। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 फरवरी 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 07:04 तक
नक्षत्र : कृतिका सायं 03:07 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 07:23 तक
करण : वणिज प्रातः 07:04 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:31 , सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी, दादूदयाल जयंती,
होलाष्टक आरंभ ,भद्रा प्रातः 07:04 से सायं 05:58 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमारी सरकार अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत : भजनलाल

मंत्री ने दी बार एसोसिएशन जयपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता कानून की कठिन भाषा को सरल बनाकर समाज को न्याय दिलाने वाले सेतु हैं। जब कोई आम आदमी किसी मुसीबत में होता है, तो वह न्याय की आस लेकर सबसे पहले अधिवक्ता के पास ही जाता है। इसलिए उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कार्य करना चाहिए। शर्मा सोमवार को बनीपार्क स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में दी बार एसोसिएशन जयपुर के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका अपनी–अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाते हुए एक–दूसरे के साथ संतुलन बनाए रखते हैं, तभी एक स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण होता है। अधिवक्ता न्यायपालिका के साथ मिलकर उस संतुलन को बनाए रखने में सहयोग करते हैं और संविधान एवं मौलिक अधिकारों के रक्षक तथा लोकतंत्र के प्रहरी की भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ता समाज को न्याय दिलाने के साथ ही आमजन को कर्तव्यबोध भी कराते हैं। उनको भारत को उत्कृष्ट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार सभी को न्याय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। त्वरित न्याय के बिना विकास अधूरा है। प्रदेश में तीन नए कानून को जमीनी स्तर पर लागू किया जा रहा है। इन नए कानूनों के माध्यम से राजस्थान सबसे तीव्र गति से न्याय पहुंचाने वाले राज्यों में से एक बन गया है।

शर्मा ने बार एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि दी बार एसोसिएशन जयपुर विधि की परंपरा, अनुशासन, तर्क की परिपक्वता और बौद्धिक उत्कृष्टता का केन्द्र रही है। बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं को न केवल पेशेवर मंच प्रदान करता है, बल्कि बौद्धिक विमर्श, नैतिक अनुशासन और सामूहिक शक्ति का भी केंद्र है। उन्होंने कहा कि यह संस्था विधिक सुधारों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 42 नए न्यायालय स्थापित किए गए हैं। फलौदी, खैरथल–तिजारा सहित कुल 8 जिला एवं सेशन न्यायालयों का सृजन किया गया है। बड़ी सादड़ी एवं केशोरायपाटन कैम्प कोर्ट के स्थान पर नियमित अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय, हनुमानगढ़, सवाई माध–ोपुर, चुरू, बीकानेर एवं जोधपुर में विशेष (पॉक्सो एक्ट) न्यायालय, झुंझुनू में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. एक्ट) न्यायालय तथा पहाडी (डीग) एवं खैरथल–तिजारा में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय का सृजन किया गया है। लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु विशेष अदालतों एवं फास्ट ट्रैक तंत्र को अधिक सशक्त किया जा रहा है। साथ ही, ई–कोर्ट प्रणाली, डिजिटल फाइलिंग और तकनीकी आधुनिकीकरण को भी बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की न्यायसंगत मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जिला बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, विधायक गोपाल शर्मा, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन, न्यायाधीश मनीष शर्मा, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चैयरमेन भुवनेश शर्मा, दी बार एसोसिएशन जयपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोमेश चन्द शर्मा सहित बार एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

ट्रेलर से टक्कर के बाद ट्रोले में लगी भीषण आग

केबिन में फंसे ड्राइवर की जिंदा जलने से दर्दनाक मौत

बहरोड़ (कोटपुतली–बहरोड़), 23 फरवरी (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे–48 पर रविवार देर रात एक रूह कंपा देने वाला हादसा सामने आया। बहरोड़ के जैनपुरवास कट के पास एक ट्रोला और ट्रेलर की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रोले के केबिन में आग लग गई और चालक को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और चालक जिंदा जल गया। मृतक की पहचान रवि यादव के रूप में हुई है। केबिन बना 'आग का गोला', नहीं मिला निकलने का मौका प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भिड़ंत के तुरंत बाद ट्रोले के अगले हिस्से से धुआं उठने लगा। जब तक लोग कुछ समझ पाते, लपटों ने पूरे केबिन को अपनी चपेट में ले लिया।

बेबस रहे राहगीर: केबिन में फंसे रवि यादव की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कोई भी पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। चालक काफी देर तक जान बचाने के लिए संघर्ष करता रहा और चीखता रहा, लेकिन अंततः आग की भेंट चढ़ गया।

सूचना मिलते ही बहरोड़ थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक रवि यादव की मौत हो चुकी थी और ट्रोला पूरी तरह जलकर कंकाल बन चुका था। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाया। हादसे के बाद नेशनल हाईवे–48 पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। हाईवे के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। रात भर पुलिस को ट्रैफिक सुचारू करने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। सुबह होने तक क्रेन की मदद से वाहनों को हटाकर यातायात धीरे–धीरे बहाल किया जा सका। पुलिस ने मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या टक्कर के घर्षण के कारण।

गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई

181 हेल्पलाइन से 90 हजार लाभार्थियों से फीडबैक : गौतम कुमार

जयपुर, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शिकायतों के त्वरित समाधान की दिशा में विभाग द्वारा नवाचार के रूप में 181 हेल्पलाइन के माध्यम से योजना के 90 हजार लाभार्थियों को कॉल कर फीडबैक लिया जा रहा है। प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं का विश्लेषण कर किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी एवं अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभाग को योजना के तहत ऋण वितरण में अनियमितताओं की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इनमें बाड़मेर जिले में प्राप्त एक गंभीर शिकायत पर विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्कालीन प्रबंध निदेशक को 16 सीसी के तहत कार्रवाई की तथा निलंबित किया गया एवं प्रकरण में संलिप्त शाखा प्रबंधकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। इसके साथ ही धारा 55 के तहत समिति गठित कर प्रकरण की जांच करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में 385 अवधिपार ऋणियों को ऋण वितरित किया गया था, इनमें से विभाग द्वारा 317 ऋणियों से ऋण की वसूली की जा चुकी है एवं शेष 68 से भी शीघ्र ही वसूली सुनिश्चित की जाएगी। इस प्रकरण की पूरी जाँच के लिए विभाग द्वारा एसीबी को पत्र भी लिखा गया है।

सहकारिता राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक कालीचरण सराफ द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थे। उन्होंने बताया कि जयपुर जिलें में कुल 14,513 गोपालकों द्वारा ऋण के लिए आवेदन किया गया, जिनमें से 7,852 गोपालकों को लगभग 38 करोड़ 43 लाख की राशि का ऋण वितरण किया जा चुका है।

इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना वर्ष 2024–25 में प्रारम्भ की गई। योजनान्तर्गत 17 फरवरी, 2026 तक 1,60,981 गोपालकों द्वारा आवेदन किया गया तथा 90,491 गोपालकों को 681.32 करोड़ की राशि रूपये का ऋण वितरण किया गया।

विधायिका सशक्तिकरण की दिशा में सक्रिय पहलें

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सदन में रखा विस्तृत विवरण

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गत महीनों में उनके द्वारा विधियिका को सशक्त करने, जनता में संविधान के मूल्यों को स्थापित करने और हरियाणा विधान सभा की प्रणाली को पहुंचाने के लिए की गई गतिविधियों की जानकारी सोमवार को सदन में रखी। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में गत 5 जनवरी को उन्होंने केरल विधान सभा का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने केरल विधान सभा अध्यक्ष के साथ भेंट कर विधायी कार्यप्रणाली एवं उत्तम संसदीय प्रक्रियाओं को समझा। 14 से 16 जनवरी तक नई दिल्ली पहुंच संसद भवन में आयोजित 28वें राष्ट्रमंडल स्पीकर एवं पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। इस सम्मेलन में संसदीय परंपराओं एवं वैश्विक अनुभवों पर विचार–विमर्श किया गया। यह सम्मेलन लोक सभा अध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित हुआ। सम्मेलन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए।

16 एवं 17 जनवरी को हरियाणा विधान सभा में युवा संसद – 2026 का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। 19 से 21 जनवरी के दौरान लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश विधान सभा में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लिया। इस यात्रा में विधान सभा अध्यक्ष के साथ विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा भी साथ रहे। इस सम्मलेन की अध्यक्षता लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की तथा राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, उत्तर प्रदेश के मुख्यमत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्तिथि रही।

22 जनवरी को हरियाणा विधान सभा एवं हरियाणा योग आयोग द्वारा सूर्यनमस्कार अभियान – 2026 के अंतर्गत विधान सभा कर्मचारियों के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य एवं योग के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था।

हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में 590 करोड़ रुपयों के घोटाले की हो उच्चस्तरीय जांच : सैलजा

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार से जुड़े खातों में लगभग 590 करोड़ रुपयों की कथित वित्तीय अनियमितताओं को अत्यंत गंभीर और जनहित से जुड़ा मामला बताया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह मामला चंडीगढ़ स्थित आइडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा से जुड़ा हुआ है, जिसमें कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकारी खातों से जुड़े लगभग 590 करोड़ रुपयों के कथित घोटाले की खबर बेहद चिंताजनक है। उनके अनुसार यह केवल वित्तीय गड़बड़ी नहीं, बल्कि जनता के विश्वास के साथ सीधा विश्वासघात है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी गड़बड़ी उच्च स्तर की लापरवाही या संभावित मिलीभगत के बिना कैसे हो सकती है और क्या आंतरिक ऑडिट तथा निगरानी तंत्र केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं। कुमारी सैलजा ने स्पष्ट किया कि केवल चार अधिकारियों को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि जब मामला जनता के पैसे का हो, तो पूरी जवाबदेही तय होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस मामले को केवल एक बैंक या शाखा तक सीमित नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह पूरे वित्तीय प्रबंधन तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने निष्पक्ष, उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई जनता के सामने लाई जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सैलजा ने यह भी पूछा कि जब राष्ट्रीयकृत बैंक उपलब्ध थे, तब सरकारी विभागों और संस्थानों को निजी बैंकों में खाते खोलने के निर्देश क्यों दिए गए।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधानसभा में उठाया आईडीएफसी घोटाले और मनरेगा का मुद्दा

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधानसभा में आईडीएफसी बैंक में हुए 590 करोड़ के घोटाले और मनरेगा का मुद्दा उठाया। हुड्डा ने कहा कि यह बेहद गंभीर ही गंभीर मामला है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि अबतक बीजेपी सरकार ने इसके विरुद्ध कोई कदम नहीं उठाया। सरकार सिर्फ टालमटोल करने में लगी है, जबकि बैंक से पहले सरकार को अपनी तरफ से सख्त कदम उठाने चाहिए थे। क्योंकि सरकार के 18 विभागों के खातों में हेराफेरी करके इतने बड़े घोटाले को अंजाम दिया गया है। कार्रवाई करना तो दूर, विधानसभा में भी सरकार का रवैया इतना नकारात्मक है कि वो अपना झूठ तो सुनाना चाहती है लेकिन विपक्ष का सच सुनने को तैयार नहीं है। हुड्डा ने मनरेगा पर बोलते हुए कहा कि मनरेगा कांग्रेस की क्रांतिकारी योजना थी। कांग्रेस सरकार के दौरान देश में सबसे ज्यादा मजदूरी हरियाणा में मजदूरों को दी जाती थी। लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही मजदूरों के अधिकारों पर कुठाराघात किया। बीजेपी सत्ता में आते मनरेगा को कमजोर करने में जुट गई थी। कांग्रेस द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के जवाब से पता चला कि हरियाणा में 8 लाख से अधिक मनरेगा मज़दूर पंजीकृत थे। लेकिन 2024–25 में सरकार ने सिर्फ 2100 परिवारों को ही 100 दिन का काम दिया। सरकार ने मजदूरों को ना को काम दिया और ना ही स्कीम में प्रावधान के तहत मुआवजा दिया।

किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, एक एक पैसा हैं सुरक्षित : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 23 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के मामले में कहा कि हरियाणा सरकार के विभागों की जागरूकता से यह मामला सामने आया और इस पर सरकार ने तत्काल बैंक को डि–एमपैनल कर दिया। बैंक द्वारा जो स्टेटमेंट उपलब्ध कराए गए, वे–विभागीय स्टेटमेंट से मेल नहीं खाते थे। राज्य सरकार गंभीरता से इस मामले की जांच करवा रही है। सरकार ने ये मामला राज्य के एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंपा है। इसके अलावा, इस पूरे मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का भी गठन किया जायगा। मुख्यमंत्री ने इस विषय पर सोमवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में और पत्रकारों से बातचीत करते हुए जानकारी दी कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने सेबी को पत्र लिखा, जिसमें बैंक के कर्मचारियों द्वारा गड़बड़ किए जाने की बात कही। इस मामले में बैंक ने भी अपने कर्मचारियों पर कार्रवाई शुरू कर रखी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लेनदेन में मिली अनियमितताओं के सम्बंध में एफआईआर दर्ज हो गयी है। बैंक ने इस सम्बंध में 21 फरवरी को पत्र लिखा था, जबकि जैसे ही यह मामला राज्य सरकार के संज्ञान में आया तो सरकार ने पहले ही 18 फरवरी को बैंक को डि–एमपैनल करते हुए ब्याज सहित पैसा राष्ट्रीय बैंक में ट्रांसफर करने के लिए कह दिया था, पैसा पूरा सुरक्षित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक एक पैसा वापिस लाया जाएगा, इस सम्बंध में बैंक के कर्मचारी ने कोई हरकत की है या फिर किसी और ने, इन पहलुओं की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रो–एक्टिव होकर इस मामले को पकड़ा है क्योंकि राज्य सरकार हर विषय के ऊपर बहुत गंभीरता से ध्यान देती है। उन्होंने कहा कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पास हरियाणा सरकार की जो धनराशि जमा थी, उसका एक बड़ा भाग सावधि जमा यानी कि एफ.डी. के रूप में निवेशित था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैंकों में विभागों द्वारा पैसा रखने की प्रथा आज से नहीं, बल्कि पहले से ही है। कांग्रेस के समय में भी विभागों का पैसा बैंकों में रहता था। बैंकों के पैनल बनते रहते है, और नए बैंक जुड़ते रहते है। इस मामले की गहनता से जांच की जाएगी और किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

आदिलाबाद पुलिस ने अंतर्राज्यीय साइबर ठग गिरोह का किया भंडाफोड़, नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

आदिलाबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

आदिलाबाद जिला पुलिस ने बैंक अधिकारी बनकर आम जनता से ठगी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने उत्तर भारत के एक नाबालिग सहित कुल चार जालसाजों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1,500 पुराने मोबाइल फोन, मदरबोर्ड और भारी मात्रा में बैटरी बरामद की गई हैं।

पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस द्वारा आयोजित वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध रूप से घूम रहे चार युवकों को रोका गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद इरफान, दिल्ली के एक 17 वर्षीय किशोर और उत्तर प्रदेश निवासी साहिल व अनस के रूप में हुई है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उन्होंने बताया कि वे एक गिरोह बनाकर काम करते थे और जनता से सस्ते दामों पर पुराने मोबाइल फोन खरीदते थे। इन फोनों की मरम्मत कर वे उनमें मौजूद पुराने डेटा और संवेदनशील जानकारी को रिकवर करते थे। इसके बाद, वे विभिन्न बैंकों के ग्राहकों को फोन कर बैंक अधिकारी होने का नाटक करते थे और डेटा का इस्तेमाल कर उनके साथ साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देते थे।

इस सफल ऑपरेशन के दौरान आदिलाबाद डीएसपी एल. जीवन रेड्डी, टाउन इंस्पेक्टर बी. सुनील कुमार, एसआई नागनाथ और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। एसपी ने साइबर अपराधों से निपटने वाली टीम की सराहना की है।

तीन साल बाद चिंतापल्ली लौटे विदेशी मेहमान

ग्रामीणों और पक्षी प्रेमियों में खुशी की लहर

खम्मम, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

खम्मम ग्रामीण मंडल के चिंतापल्ली गांव में तीन साल के लंबे अंतराल के बाद प्रवासी पक्षियों की वापसी हुई है। पिछले तीन वर्षों से अपने इस पसंदीदा ग्रीष्मकालीन ठिकाने से दूरी बनाए रखने वाले इन पक्षियों को दोबारा देख स्थानीय निवासी और प्रकृति प्रेमी बेहद उत्साहित हैं।

पिछले 50 से अधिक वर्षों से यह सिलसिला चला आ रहा है कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह में कुछ पायलट पक्षी हजारों मील का सफर तय कर गांव आते हैं। वे यहाँ के मौसम का जायजा लेते हैं और फिर जनवरी में पूरे झुंड के साथ लौटते हैं। ये पक्षी जून तक यहाँ रुकते हैं,

घोंसले बनाते हैं और अपने बच्चों को पालने के बाद वापस चले जाते हैं।

पिछले तीन सालों से बंदरों के आतंक के कारण पक्षियों का आना बंद हो गया था। बंदर न केवल पक्षियों के घोंसले उजाड़ देते थे, बल्कि उनसे बचने के लिए ग्रामीणों ने इमली के उन विशाल पेड़ों को भी काट दिया था, जिन पर पक्षी बसेरा करते थे। ग्रामीणों का मानना है कि इन पक्षियों का आगमन उनकी फसलों के लिए शुभ संकेत होता है।

यह एक अच्छा संकेत है कि पक्षियों ने गांव से अपना नाता नहीं तोड़ा। सरकार को यहाँ बंदरों की समस्या का समाधान करना चाहिए ताकि इन मेहमानों की रक्षा हो सके।

जिला वन अधिकारी (डीएफओ) सिद्धार्थ विक्रम सिंह ने बताया कि विभाग ने दुबलम्मा टैंक (चिंतापल्ली चेरुवु) को अधिसूचित आर्द्रभूमि घोषित करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है।इससे टैंक की सीमाएं तय होंगी और केंद्र सरकार से इसके संरक्षण और जैव विविधता सर्वेक्षण के लिए फंड मिल सकेगा। उथली आर्द्रभूमि और भोजन की प्रचुरता के कारण यह स्थान प्रवासी पक्षियों के लिए आदर्श है।

बीआरएस नेता बल्का सुमन को जेल में बर्ताव को लेकर विवाद

मंचेरियाल, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस के जिला अध्यक्ष बल्का सुमन के साथ जेल में हुए बर्ताव को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सुमन को नौकरी बाद से न्यायिक हिरासत में भेजने के समय न तो भोजन दिया गया और न ही उन्हें बैरक आवंटित किया गया।

पूर्व वित्त मंत्री टी हरीश राव ने दावा किया कि सुमन को बुनियादी सुविधाओं से रहित बैरक में रखा गया, और यह आरोप लगाया कि जेल अधिकारी मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेताओं के इशारे पर काम कर रहे हैं।

इस बीच, कुछ मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने आरोप लगाया है कि सुमन ने जेल अधिकारियों से विशेष सुविधाओं की मांग की थी, जिसमें दूध, अंडे, मांसाहारी नाश्ता, और एयर कंडीशनर शामिल थे।

जेल अधिकारियों ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि सभी सुविधाएं जेल के नियमों के अनुसार प्रदान की जा रही हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुमन को विचाराधीन कैदियों के लिए निर्धारित बैरक आवंटित की गई थी और उन्होंने किसी विशेष मेनू या अतिरिक्त सुविधाओं की मांग नहीं की। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस पर झूठा दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सुमन को निशाना बनाने के प्रयास राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। सुमन ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के समन्वय से स्थानीय निकायों में बहुमत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और वे इन उत्पीड़न के प्रयासों का डटकर सामना करेंगे।

प्रत्येक सोमवार को पीड़ितों की समस्याएं सुनी जाएंगी : नितिका

आसिफाबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो):

कुमुराम भीम ने आज आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत से अपनी समस्याएं साझा कीं। एसपी पंत ने फरियादियों की समस्याओं को ध्यान से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान हेतु आवश्यक सुझाव दिए।

सोमवार को आयोजित इस पब्लिक रेडियो कार्यक्रम के तहत पूरे जिले से शिकायतें प्राप्त हुईं। समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए डीएसपी, एएसपी और सर्किल इंस्पेक्टरों के साथ फोन पर बातचीत की गई। नितिका पंत ने बताया कि जिला पुलिस विभाग का उद्देश्य लोगों को निकट लाना और शांति-सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे बिना किसी तीसरे पक्ष की मदद के स्वेच्छा से पुलिस सेवाओं का उपयोग करें और अपनी समस्याओं का समाधान कानून के अनुसार करें। प्रत्येक सोमवार को इस कार्यक्रम के माध्यम से समस्याएं सीधे सुनी जाएंगी, और पीड़ितों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

बीडी पत्ता के लिए निविदाओं की मांग

कागजनगर में बैठक सम्पन्न

कागजनगर, 23 फरवरी 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना आदिवासी जनजाति संघ के जिला कार्यकर्ताओं की बैठक आज सीआईटीयू कार्यालय, कागजनगर में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता संघ के जिला सचिव नेरपल्ली अशोक ने की, जबकि राज्य महासचिव पूसम सचिन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में पूसम सचिन ने बताया कि आसिफाबाद जिले में कृषि के बाद बीडी पत्ता संग्रह दूसरी सबसे बड़ी फसल है, जिससे स्थानीय लोगों को करोड़ों रुपये की आय होती है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न कारणों से पत्तों की संख्या में कमी आई है और इसके बावजूद निविदा प्रक्रिया अब फिर से शुरू की जा रही है।

उन्होंने बताया कि कागजनगर फॉरेस्ट डिवीजन में अभी तक केवल पांच यूनिट्स का टेंडर पूरा हुआ है। उन्होंने सभी यूनिट्स को शीघ्र निविदाएं पूरी कर काम शुरू करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने पत्तों की कीमत बढ़ाकर दस रुपये प्रति बंडल करने, पिछले तीन वर्षों का बकाया बोनस, तथा हर कल्लन पर मजदूरी बढ़ाने की मांग की।

इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष कोटा श्रीनिवास, खेतीहर मजदूर संघ के जिला संयोजक मुंजाम आनंद कुमार, डीवाईएफआई के जिला अध्यक्ष गेदाम टीकानंद और अन्य नेता भी शामिल हुए। नेताओं ने कल्लनदारों की समस्याओं का समाधान करने के लिए बातचीत की आवश्यकता पर जोर दिया।

कर्मचारियों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य सेवाओं और सर्विस रूल्स की माँग

कागजनगर, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

टीएसटीयूएफ के राज्य अध्यक्ष कॉमरेड चावा रवि ने मांग की है कि सभी मैनेजमेंट के शिक्षकों और कर्मचारियों को हेल्थ कार्ड पर कैशलेस मेडिकल ट्रीटमेंट दिया जाए। उन्होंने पीआरसी रिपोर्ट को त्वरित तरीके से लाने और 1 जुलाई, 2023 से सही फिटमेंट लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

चावा रवि ने आसिफाबाद डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर के आसिफाबाद हाई स्कूल में आयोजित टीएसयूटीएफ की बैठक में इस विषय पर बात की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की, जिसमें आरोप लगाया गया कि सत्ता में आने के दो वर्ष बाद भी मैनिफेस्टो में किए गए वादों को लागू नहीं किया गया है।उन्होंने अन्य मांगें भी उठाई, जिनमें- मार्च 2024 से रिटायर हुए कर्मचारियों का बकाया देना। पेंडिंग बिलों का निपटारा। डीए की इंस्टॉलमेंट का जारी होना। नए प्रेसिडेंशियल ऑर्डर 2018 के तहत शिक्षकों के सर्विस रूल्स बनाना और एजुकेशन डिपार्टमेंट में विभिन्न पदों को भरना आदि शामिल हैं।उन्होंने यह भी कहा कि आश्रम स्कूलों के सीआरटी को जॉब सिक्योरिटी, केजीबीवी और यूआरएस कर्मचारियों को बेसिक पे, तथा गुरुकुलों के शिक्षकों पर नॉन-टीचिंग काम का बोझ कम किया जाना चाहिए।बैठक में उपस्थित डिस्ट्रिक्ट चीफ सेक्रेटरी कम्पेली उषान्ना ने प्रस्तावित किया कि केजीबीवी और एसएसए कर्मचारियों के लिए मिनिमम वेज स्केल घोषित किया जाए। उन्होंने अन्य मुद्दों पर भी आवाज उठाई, जैसे ट्रांसफर और प्रमोशन की प्रक्रिया। इस बैठक में डिस्ट्रिक्ट वाइस प्रेसिडेंट सोयम इंदु राव, ट्रेज़रर थंगाडिपल्ली रमेश, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी महाकाल राजकमलाकर रेड्डी और अन्य उपस्थित थे। सभी सदस्यों ने प्रस्तावों पर चर्चा के बाद एकमत से उन्हें मंजूरी दी।

सार्वजनिक मीडिया में आवेदनों के शीघ्र निस्तारण हेतु कार्यवाही : कलेक्टर

कुमरामभीम- आसिफाबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रजावाणी कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए समन्वित कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्टोरेट भवन के सभाकक्ष में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए गए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी दीपक तिवारी, एम. डेविड, और आसिफाबाद आरडीओ लोकेश्वर राव ने भाग लिया। प्रजावाणी में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का परीक्षण किया जाएगा और त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। अधिकारियों को सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया गया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न आ-वेदनों का उल्लेख किया गया है, जिनमें- आसिफाबाद कस्बे के संदीप नगर के बोयानी नागेश ने अपने पिता के मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग की।जैनूर मंडल के पारा गांव के सिदमार राव ने अपने खेत में बाड़ी मंजूरी के लिए आ-वेदन किया। रेबेना मंडल केंद्र की एल्कारी पद्मा ने इंदिराम्मा हाउस की मंजूरी हेतु आवेदन दिया।रेबेना मंडल के रल्लापेटा गांव की रेड्डी उमारानी इंदिरम्मा ने घर की मंजूरी का अनुरोध किया।

कौतला मंडल के टाटी नगर गांव के दुर्गम सरथ चंद्र ने बुद्ध मंदिर के निर्माण के लिए अवैध चंदा इकट्ठा करने की कार्रवाई करने का अनुरोध किया।चिंतला मनेपल्ली मंडल के एक किसान ने करजेली गांव के उपनगरीय इलाके में उसकी जानकारी के बिना उसकी जमीन पर कब्जा करने की शिकायत की।रेबेना मंडल के वानकुलम गांव की आत्माकुरी राजिथा ने इंदिराम्मा घर देने के लिए आवेदन किया।इस कार्यक्रम में सभी संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

हिंदी विश्वविद्यालय ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

दस्तावेजीकरण कर भाषाओं को बचाने की आवश्यकता : प्रो. कुमुद शर्मा

वर्धा, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर आयोजित संवाद संगोष्ठी में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने मातृभाषाओं के संरक्षण और दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उपयोग में कमी के कारण अनेक मातृभाषाएँ विलुप्ति की कगार पर हैं, ऐसे में उनका व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कर उन्हें बचाना समय की मांग है। विश्वविद्यालय के गालिब सभागार में शनिवार, 21 फरवरी को आयोजित कार्यक्रम का विषय था'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की राय'। कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के प्रोफेसर सुधीर प्रताप सिंह मुख्य अतिथि तथा बैंक ऑफ़ इंडिया के विदर्भ आंचलिक प्रबंधक डॉ. कुश गणहोत्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं संगोष्ठी संयोजक प्रो. अवधेश कुमार तथा भाषा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं संगोष्ठी सह-संयोजक डॉ. एच. ए. हुनगुंद भी विराजमान थे। कुलपति प्रो. शर्मा ने मातृभाषा के सम्मान का आह्वान करते हुए कहा कि हमें अपनी-अपनी मातृभाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाषाई स्वाभिमान को बढ़ावा देना और स्थानीय भाषाओं को सीखने का प्रयास करना आवश्यक है।

मुख्य अतिथि प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा को दिए गए महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देना है। उन्होंने कहा कि संस्कृति के संरक्षण के लिए मातृभाषाओं का संरक्षण अनिवार्य है तथा भाषा को बचाने के लिए आंदोलन नहीं, बल्कि उस भाषा में सृजन आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. कुश गणहोत्रा ने कहा कि विविध भाषाओं का ज्ञान व्यक्ति के मानसिक विकास में सहायक होता है। उन्होंने आचार, विचार और व्यवहार में मातृभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न भाषाभाषी अध्यापकों एवं शोधार्थियों ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में विचार प्रस्तुत किए। डॉ. रामानुज अस्थाना ने अवधी में, डॉ. अमित राय ने बुंदेली में, हिमांशु शेखर ने उर्दू में, डॉ. अनिर्बान घोष ने बंगाली में, डॉ. ज्योतिष पायेंड़ ने असमी में, डॉ. मैत्रेयी ने भोजपुरी में, डॉ. कृष्ण चंद्र पांडेय ने हिंदी में, डॉ. विजया सिंह ने मगही में, डॉ. तेजस्वी एच.आर. ने कन्नड़ में, डॉ. कोमल कुमार परदेशी ने मराठी में, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी ने संस्कृत में, डॉ. प्रदीप ने हरियाणवी में, डॉ. नरेंद्र कुमार पाल ने गुजराती में, डॉ. हरप्रीत कौर ने पंजाबी में, शोधार्थी धरित्री स्वाई ने उड़िया में तथा शोधार्थी खुशाल सिंह ने राजस्थानी में अपने विचार रखे। संगोष्ठी का प्रास्ताविक एवं विषय प्रवर्तन प्रो. अवधेश कुमार ने किया। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यक्रम का संचालन अनुवाद अध्ययन विभाग के डॉ. आर.पी. यादव ने किया तथा डॉ. एच. ए. हुनगुंद ने आभार ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

IGPL
INDIAN GOLF PREMIER LEAGUE

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग को मिला 100 मिलियन डालर का निवेश, 10 शहरों में फ्रेंचाइजी घोषित

नई दिल्ली

इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) ने भारतीय गोल्फ इतिहास के सबसे बड़े निजी निवेश की घोषणा करते हुए 10 फ्रेंचाइजी साझेदारों से 100 मिलियन डालर की पूंजी प्रतिबद्धता हासिल की है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी ने अगले 10 वर्षों में लगभग 10 मिलियन डालर निवेश करने का संकल्प लिया है।

10 शहरों में अधिकार, देशव्यापी प्रतिनिधित्व

आईजीपीएल ने हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, विशाखापत्तनम, गोवा, बेंगलुरु, पंजाब और गुरुग्राम को अधिकार प्रदान किए हैं। यह प्रारूप देश के प्रमुख महानगरों और उभरते क्षेत्रों तक पेशेवर गोल्फ को पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

250 मिलियन डालर का आधारभूत संरचना निवेश

लीग संचालन के अलावा साझेदारों ने दूसरे और तीसरे श्रेणी के शहरों तथा गांवों में 8-10 एकड़ के छोटे गोल्फ मैदान विकसित करने के लिए सामूहिक रूप से 250 मिलियन डालर निवेश का लक्ष्य रखा है। इसका उद्देश्य गोल्फ को पारंपरिक अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर आम लोगों तक पहुंचाना है।

तीन महाद्वीपों में विस्तार की योजना

आईजीपीएल अपने पहले ही वर्ष में भारत, अफ्रीका और मध्य-पूर्व सहित तीन महाद्वीपों में विस्तार की रणनीति के साथ शुरुआत करेगा। अगले तीन से चार वर्षों में पांच देशों में संचालन का लक्ष्य रखा गया है। आईजीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तम सिंह मुंडी ने कहा कि यह पारंपरिक खेल निवेश नहीं, बल्कि खेल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का मंच है। उन्होंने कहा कि लीग केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक संपूर्ण गोल्फ तंत्र तैयार कर रही है। जमीनी स्तर पर गोल्फ को बढ़ावा आईजीपीएल ने भारतीय गोल्फ संघ, महिला गोल्फ संघ भारत, पेशेवर गोल्फर संघ भारत और गोल्फ फाउंडेशन के साथ मिलकर गोल्फ विकास पहल शुरू की है। इसके तहत विद्यालयों और खेल मैदानों में गोल्फ को पहुंचाया जाएगा। लीग प्रारूप, प्रतियोगिता कार्यक्रम और खिलाड़ियों की नीलामी से जुड़ी जानकारी जल्द घोषित की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए। द्रविड़ ने से कहा, मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फार्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो, । टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने आस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज, अंपायर चौधरी ने भी उठाये सवाल

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नाकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये। अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आंखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है ? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बचता है, तो मन में आशंका होना स्वाभाविक है। वह अपनी कोहनी के पास से क्या छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देखा है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबाज कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे हैं।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। । मंधाना ने कहा, मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। मंधाना ने कहा, यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे एकदिवसीय मैच खेले पर अब हम अपने टी20 खेल पर काम कर रहे हैं।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

वेस्टइंडीज के सामने टिक भी नहीं पाए जिम्बाब्वे के लड़ाके, 107 रनों से मिली करारी हार

मुंबई: श्रीलंका की परिस्थिति में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को हराने वाले जिम्बाब्वे को भारत में आते ही टी20 विश्व कप में करारी हार मिली है। सुपर-8 के अपने पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे का सामना वेस्टइंडीज से हुआ। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज ने मैच को 107 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम किया। यह इस टी20 विश्व कप की रनों से सबसे बड़ी जीत भी है। पहले खेलते हुए वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 254 रन बनाए। यह टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। जिम्बाब्वे की पारी सिर्फ 147 रनों पर ही सिमट गई।

शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल की तूफानी बैटिंग

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। कैरेबियाई टीम की शुरुआत खराब रही। ब्रेंडन किंग 12 गेंदों पर सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान शाई होप ने 12 गेंदें में 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल ने मोर्चा संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 122 जोड़े। हेटमायर शुरुआत से ही ताबड़तोड़ अंदाज में बैटिंग करते हुए नजर आए। उन्होंने महज 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हेटमायर ने 34 गेंदों पर 7 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 85 रनों की पारी खेली। उन्हें दो जीवनदान भी मिले।

रोवमैन पॉवेल ने फिफ्टी तक पहुंचने के लिए 29 गेंदें खेलीं। पॉवेल ने 35 गेंदों का सामना करते हुए 59 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में कैरेबियाई बल्लेबाज ने चार चौके और 4 छक्के लगाए।

रोमारियो शेफर्ड ने सिर्फ 10 गेंदों में 21 रन बनाए, जबकि जेसन होल्डर ने 4 गेंदों में 13 रनों का योगदान दिया। रदरफोर्ड ने महज 13 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और 2 सिक्स की मदद से नाबाद 31 रन बनाए। गेंदबाजी में जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजारबानी ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए।

बाएं हाथ के स्पिनर का कमाल

जिम्बाब्वे को तदिवानाशे मारुमानी ने तेज शुरुआत देने की कोशिश की। 1.5 ओवर के बाद टीम का स्कोर 20 रन था। अगली 5 गेंद पर एक भी रन नहीं बना और तीन विकेट गिर गए। यहीं से टीम की बची हुई उम्मीद भी खत्म हो गई। डिओन मेयर्स इसके बाद भी तेजी से रन बनाए। उन्होंने 15 गेंद पर 28 रन बनाए लेकिन पावरप्ले खत्म होने के बाद अगले ही ओवर में गुडकेश मोती का शिकार बन गए। सिकंदर रजा और टोनी मुंयोंगा ने 42 रनों की साझेदारी की।

एक समय टीम का स्कोर 94 रन पर 4 विकेट था। 103 तक पहुंचने में 9 विकेट गिर गए। हालांकि आखिरी जोड़ी ने वेस्टइंडीज को परेशान किया। ब्रैड इवांस ने रिचर्ड गवारा के साथ आखिरी विकेट के लिए 44 रन जोड़े। यह जिम्बाब्वे की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी थी। 5 छक्कों की मदद से इवांस ने 42 रन बनाए। टीम की पारी 18वें ओवर में सिमट गई। बाएं हाथ के स्पिनर गुडकेस मोती ने सबसे ज्यादा 4 और अकील हुसैन ने 3 विकेट लिए। दोनों ने एक-एक मेडन ओवर भी डाला।

प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश के आरोप से लियोनेल मेसी को मिली क्लीन चिट

नई दिल्ली

मेजर लीग साकर (एमएलएस) ने समीक्षा के बाद स्पष्ट किया है कि स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी ने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया। इंटर मियामी की सत्र की शुरुआत में मिली 0-3 की हार के बाद मैच अधिकारियों के पीछे एक दरवाजे से अंदर जाने को लेकर उन पर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का आरोप लगा था।

यह घटना शनिवार को एमएलएस के मुकाबले के दौरान हुई, जब इंटर मियामी सीएफ को लास एंजेल्स एफसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

लीग प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी रायटर्स को बताया कि वीडियो फुटेज की समीक्षा के बाद यह पाया गया कि मेसी जिस स्थान पर गए थे, वह न तो रेफरी का ड्रेसिंग रूम था और न ही कोई प्रतिबंधित क्षेत्र। इसलिए किसी नीति का उल्लंघन नहीं हुआ।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में इंटर मियामी के खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ मेसी को हाथ पकड़कर रोकने की कोशिश करते दिखे, लेकिन अर्जेंटीना के कप्तान उस दरवाजे से अंदर चले गए। कुछ क्षण बाद वे वापस बाहर भी आ गए। लीग प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई क्षेत्र प्रतिबंधित होता, तो वहां स्पष्ट संकेतक (साइनज) लगे होते।

इस पूरे घटनाक्रम पर इंटर मियामी की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

गौरतलब है कि गत चैंपियन इंटर मियामी ने सत्र की शुरुआत हार के साथ की। यह मुकाबला 75,673 दर्शकों की मौजूदगी में खेला गया, जो एमएलएस ओपनिंग वीकेंड के इतिहास में सबसे अधिक उपस्थिति वाला मैच रहा।

इटली में विंटर ओलंपिक समापन समारोह

वेरोना (इटली) में विंटर ओलंपिक के समापन समारोह में आईओसी प्रेसीडेंट क्रिस्टी कोवेंट्री प्रेसीडेंट आफ इंटरनेशनल बायएथलान यूनियन ओले डेहलिन को अवार्ड प्रदान करती हुई।

आसनसोल में लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण

आसनसोल

राज्य के श्रम विधि व न्याय मंत्री मलय घटक ने रविवार की संध्या आसनसोल में भी अर्जेंटीना के विख्यात फुटबालर लियोनेल मेसी की प्रतिमा का अनावरण किया। आसनसोल के मोहिशीला इलाके के निवासी और मूर्तिकार सुशांत राय ने मेसी की जीवंत मोम की प्रतिमा तैयार कर शहरवासियों को एक अनोखा तोहफा दिया है।

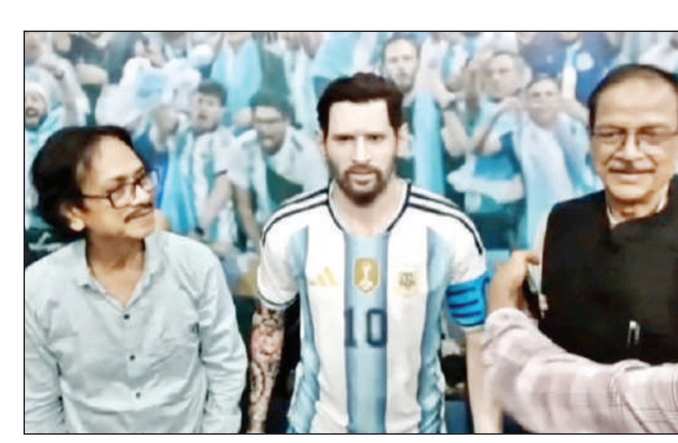

गौरतलब है कि 13 दिसंबर 2025 को कोलकाता के लेक टाउन स्थित श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब द्वारा निर्मित 70 फुट ऊंची लोहे की प्रतिमा का अनावरण किया गया था। यह प्रतिमा मेसी को कतर 2022 विश्व कप जीत का जश्न मनाते हुए दर्शाती है। मेसी ने अपने गो एट इंडिया टूर 2025 के दौरान वर्चुअल माध्यम से इस प्रतिमा का उद्घाटन किया था। इस भव्य प्रतिमा को भारत में फुटबाल के प्रति जुनून और मेसी के प्रति प्रशंसकों के प्यार का प्रतीक माना गया।

इसी कड़ी में आसनसोल के मूर्तिकार सुशांत राय ने महज दो महीने की मेहनत से मेसी की मोम की प्रतिमा तैयार कर सबको चौंका दिया। यह प्रतिमा आकार में भले ही कोलकाता की 70 फुट ऊंची प्रतिमा से अलग हो, लेकिन बारीक कारीगरी और चेहरे के हाव-भाव की सजीवता इसे बेहद खास बनाती है। प्रतिमा को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। फुटबाल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और लोग मेसी के साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पहल से आसनसोल की पहचान सांस्कृतिक और खेल प्रेमी शहर के रूप में और मजबूत होगी। वहीं आयोजकों का दावा है कि इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है और बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। कुल मिलाकर, कोलकाता के बाद आसनसोल में मेसी की प्रतिमा का अनावरण फुटबाल प्रेमियों के लिए गर्व और उत्साह का विषय बना हुआ है, और शहर में खेल के प्रति जुनून को नई ऊंचाई दे रहा है।

अयोध्या में रन फार राम 2026 का भव्य समापन, हजारों धावकों ने दिखाई आस्था और फिटनेस की मिसाल

अयोध्या

धर्मनगरी अयोध्या में रविवार को रन फार राम मैराथन 2026 का चौथा संस्करण भव्य रूप से संपन्न हुआ। राम कथा पार्क में आयोजित इस आयोजन में देश-विदेश से हजारों प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह मैराथन क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित की गई, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में कार्यरत है।

मैराथन की शुरुआत लता मंगेशकर चौक से हुई और इसका समापन राम कथा पार्क में हुआ। आयोजन की थीम प्राचीन 14-कोसी परिक्रमा से प्रेरित रही, जो धैर्य, अनुशासन और आंतरिक शक्ति का प्रतीक है। इस वर्ष महिला प्रतिभागियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसमें 100 से अधिक महिला धावकों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि चौथे संस्करण की सफलता अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सभी आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी अयोध्या की ऊर्जा, अनुशासन और श्रीराम के मूल्यों को दर्शाती है।

मैराथन में चार श्रेणियां शामिल रहीं—42 किमी फुल मैराथन, 21 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी दौड़ और 3 किमी फन रन। प्रतियोगिता में तकनीक के माध्यम से प्रोफेशनल टाइमिंग की व्यवस्था की गई थी।

42 किमी भारतीय पुरुष वर्ग में अभिषेक सोनी ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि अंतरराष्ट्रीय वर्ग में इथियोपिया के डेस्ये एंडालेव विजेता रहे। 21 किमी पुरुष वर्ग में प्रिंस राज यादव और महिला वर्ग में सोनी देवी ने बाजी मारी। 10 किमी पुरुष वर्ग में संदीप पाल और महिला वर्ग में अंकिता विजेता रहीं।

इस आयोजन में कुल 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। विजेताओं को उनकी श्रेणी और समय के आधार पर 10 हजार रुपये से लेकर 1.25 लाख रुपये तक की राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम में विभिन्न सहयोगी संस्थाओं का भी योगदान रहा, जिनमें उत्तर प्रदेश पर्यटन, आईएफएफसीओ, अमूल, एनबीसीसी इंडिया और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सहित कई संस्थाएं शामिल रहीं। रन फार राम 2026 ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि यह केवल मैराथन नहीं, बल्कि आस्था, एकता और राष्ट्रीय भावना से जुड़ा एक सशक्त सांस्कृतिक और फिटनेस अभियान है।

आटो पीएलआई योजना पर डीप-टेक स्टार्टअप इंडस्ट्री ने उठाए सवाल

नई दिल्ली

देश की डीप-टेक कंपनियों के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप ने भारी उद्योग मंत्रालय से मांग की है कि बजट में आवंटित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई स्कीम) के फंड का पूरा उपयोग किया जाए। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि पिछले साल घोषित पीएलआई स्कीम के फंड का केवल 10 प्रतिशत ही वास्तव में उपयोग किया गया, वह भी कुछ खास उद्योगों को ही इसका फायदा मिला।

इस कारण उत्पादन प्रोत्साहन को बल नहीं मिला। 2026-27 के बजट में पीएलआई स्कीम के लिए 5939 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि यदि इस फंड का उपयोग सही से हो जाए तो भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों और उससे जुड़े उद्योगों में जबरदस्त तेजी आ सकती है।

2026 की शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, ईवी स्टार्टअप के लिए पीएलआई योजनाओं के तहत धन का उपयोग काफी कम रहा। अनुमान के मुताबिक आवंटित राशि का लगभग 10 प्रतिशत ही वितरित हो सका, उसमें भी एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी के क्षेत्र में तो आवंटन लक्ष्य का केवल 2.8 प्रतिशत ही प्रोत्साहन राशि का वितरण हो सका। बजट बढ़ोतरी के बावजूद वित्त वर्ष 2026 के अंत तक पीएलआई योजना राशि का केवल 12 प्रतिशत ही उपयोग हो पाएगा। ईवी स्टार्टअप का कहना है कि केवल आवंटन बढ़ाने से इस इंडस्ट्री में तेजी नहीं आएगी। जब तक फंड का एक बड़ा हिस्सा ईवी स्टार्टअप के पास नहीं पहुंचता तब तक प्रतिस्पर्धा में भारतीय कंपनियां टिक नहीं पाएंगी। इस समय तो कुछ स्थापित खिलाड़ियों को ही केवल फायदा हो रहा है।

यूलर मोटर्स के संस्थापक एवं सीईओ सौरव कुमार का कहना है कि कमर्शियल ईवी सबसे अधिक रिटर्न प्रदान करते हैं। फिर भी पीएलआई के तहत इस सेक्टर को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। अभी भी बड़े पारंपरिक ओईएम को ही प्राथमिकता दी जा रही है। इस क्षेत्र में रोजगार सृजन को गति देने के लिए पीएलआई के ढांचे में बदलाव करना जरूरी है। टर्नओवर-आधारित मानकों से हटाकर वास्तविक ईवी बिक्री के आकड़े को आधार बनाया जाना चाहिए।

रिवर मोबिलिटी के सह संस्थापक एवं सीईओ रविंद मणि का कहना है कि देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग का मुख्य उद्देश्य देश के भीतर स्थायी क्षमता निर्माण है। भारत को ईवी उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के नवोन्मेषकों को समर्थन करना ही चाहिए। तभी भारत एक सच्चा ईवी मैन्युफैक्चरिंग हब बन सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

वीवो ने अपनी नई वी70 सीरीज की पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में वीवो ने अपनी नई वी70 सीरीज पेश कर दी है। इनमें दो माडल वीवो वी 70 और वीवो वी 70 इलाइट 5जी शामिल हैं। दोनों स्मार्टफोन 6.59-इंच के 1.5के वीएम9 अमोलेड डिस्प्ले से लैस हैं, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 5000 निट्स की पीक ब्राइटनेस प्रदान करता है। दोनों ही फोन एंड्रायड 16-बेस्ड ओरिजिन ओएस 6 पर चलते हैं और छह साल तक सिक्योरिटी अपडेट देने का वादा करते हैं। कंपनी ने दावा किया है कि ये डिवाइस आईपी 68 और आईपी69 रेटिंग के साथ डस्ट और वाटर रेजिस्टेंस में भी बेहद मजबूत हैं। प्रोसेसर की बात करें तो वीवो वी 70 इलाइट में 4एनएम आधारित स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट दिया गया है, जिसकी पीक स्पीड 3जीएचझेड है। इसमें 12जबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 512जीबी तक यूएफएस 4.1 स्टोरेज मिलता है। वहीं स्टैंडर्ड वीवो वी 70 में 4एनएम स्नैपड्रैगन 7 जेन 4 चिपसेट है, जो 2.8जीएचझेड की स्पीड पर काम करता है। वीवो वी 70इलाइट में 3डी अल्ट्रासोनिक फिंगरप्रिंट स्कैनर, आईआर ब्लास्टर और कई एडवांस सेंसर मौजूद हैं, जबकि वीवो वी70 में जायरोस्कोप शामिल है। कनेक्टिविटी फीचर्स में 5जी, यूएसबी टाइप-सी, एनएफसी,जीपीएस, बैडोयू, नाविक और अन्य ग्लोबल नेविगेशन सपोर्ट शामिल हैं। दोनों फोन का वजन 194 ग्राम और मोटाई 7.59एमएम है। इसके साथ 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नंदकर पर...

तो 6 महीने तक की कैद या जुर्माना, या दोनों की सजा का प्रावधान है।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2) के तहत, किसी व्यक्ति को स्वेच्छा से उस दिशा में जाने से रोकना, जिस दिशा में जाने का उसे कानूनी अधिकार है, एक अपराध है। यह अपराध सदोष अवरोध कहलाता है। दोषी पाए जाने पर एक महीने तक की साधारण कैद, 5,000 तक जुर्माना, या दोनों की सजा हो सकती है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 223 मजिस्ट्रेट द्वारा शिकायत पर अपराध का संज्ञान लेने से संबंधित है। इसके अनुसार, संज्ञान लेते समय, मजिस्ट्रेट को शिकायतकर्ता और गवाहों के शपथ पर बयान लेने और उनका सार लिखित रूप में दर्ज करना अनिवार्य है। इसमें आरोपी को सुनने का अवसर भी शामिल है, जो इसे पुरानी सीआरपीसी की धारा 200 से अधिक व्यापक बनाता है

पूर्णतः ऑटोमैटिक ....

यह दरें आम नागरिकों के लिए किफायती मानी जा रही हैं और दैनिक उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुविधाजनक विकल्प प्रदान करती हैं।

शहरी जीवन में परिवर्तन की ओर कदम

नामपल्ली की यह पहल शहरी अवसंरचना में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की तकनीक न केवल पार्किंग संकट को कम करेगी, बल्कि सड़कों पर अव्यवस्थित पार्किंग से उत्पन्न ट्रैफिक जाम की समस्या को भी घटाने में सहायक होगी।

अन्य शहरों में विस्तार की संभावना

इस प्रणाली के सफल संचालन के बाद दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में भी इसी प्रकार की स्वचालित पार्किंग सुविधाएं स्थापित करने पर विचार किया जा रहा है।

हैदराबाद की यह पहल देश के अन्य शहरों के लिए एक उदाहरण बन सकती है, जहां बढ़ते वाहन दबाव के बीच स्मार्ट तकनीकी समाधान की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

आने वाले वर्षों में इस तरह की अत्याधुनिक पार्किंग प्रणालियों का विस्तार भारतीय शहरी जीवन को अधिक सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर लगा ब्रेक

ट्रंप के नए टैरिफ विवाद के बीच अहम बैठक टली, तीन दिन तक व्यापार वार्ता पर होना था मंथन

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच होने वाली अंतरिम व्यापार समझौते (ट्रेड डील) पर बातचीत फिलहाल टल गई है। दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों की जो अहम बैठक 23 फरवरी से वाशिंगटन में शुरू होने वाली थी, उसे अब आगे की तारीख के लिए टाल दिया गया है। इस बैठक में भारत की ओर से वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव दर्पण जैन मुख्य वार्ताकार थे और भारतीय टीम तीन दिन तक अमेरिका में चर्चा करने वाली थी। इस बैठक का मकसद अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी दस्तावेज को अंतिम रूप देना था। दरअसल, यह पूरा मामला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ फैसलों से जुड़ा हुआ है। ट्रंप ने हाल ही में सभी देशों पर पहले 10 प्रतिशत और फिर बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे पहले अमेरिका ने 2025 में भारत पर कुल 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया था, जिसमें से 25 प्रतिशत पहले ही हटाया जा चुका है। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल में ट्रंप के पुराने टैरिफ फैसलों को अवैध बताया था और कहा था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों से ज्यादा कदम उठाए। इसी वजह से अब व्यापार नीति को लेकर स्थिति थोड़ी अनिश्चित बनी हुई है। अगर नई 15 प्रतिशत ड्यूटी लागू होती है, तो यह पहले से लगने वाले आयात शुल्क के ऊपर लगेगी। यानी किसी उत्पाद पर अगर पहले 5 प्रतिशत ड्यूटी है, तो कुल मिलाकर वह 20 प्रतिशत हो जाएगी। अगले महीने होना था ट्रेड डील पर हस्ताक्षर दोनों देशों ने पहले ही इस साल मार्च तक अंतरिम ट्रेड डील पर हस्ताक्षर करने और अप्रैल से उसे लागू करने का लक्ष्य रखा था। यह समझौता भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत के करीब 18 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को जाते हैं। 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार करीब 186 अरब डालर का रहा था।

इस ट्रेड डील के कारण भारत का टैरिफ घटा था - कामर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कान्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है। इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डालर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी किया गया था। इसके तहत ही भारतीय सामान पर अमेरिका का टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी हटा लिया गया था।

भारत पर कितना टैरिफ लगेगा - अब ट्रम्प के टैरिफ में बदलाव से भारत पर लगे टैरिफ को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है कि भारत को 18 प्रतिशत टैरिफ देना होगा या 15 प्रतिशत। इसकी दो वजहें हैं-राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रेस कान्फ्रेंस करके कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह पहले की तरह आगे बढ़ेगी। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया ब्रिटेन, भारत और यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने वाले देशों को अब धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ का ही सामना करना पड़ेगा, न कि उस टैरिफ दर का जिस पर उन्होंने पहले बातचीत की थी। इस आधार पर शनिवार के ऐलान के बाद 15 प्रतिशत रहेगा। भारत पर कुल टैरिफ 18 प्रतिशत घटकर 15 प्रतिशत रह जाएगा, जबकि ट्रम्प का बयान 18 प्रतिशत टैरिफ की ओर इशारा कर रहा है।

टैरिफ बदलाव से भारत-अमेरिकी ट्रेड डील संकट में - भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर सहमति बन गई थी और इसे लेकर फ्रेमवर्क जारी हो चुका है। दोनों देशों ने कहा था कि इस फ्रेमवर्क को जल्द लागू किया जाएगा और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह फ्रेमवर्क 13 फरवरी 2025 को शुरू हुई भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते वार्ता को आगे बढ़ाएगा। इस समझौते में आगे चलकर बाजार पहुंच, सप्लाई चेन को मजबूत करने और ट्रेड बैरियर कम करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे। पीयूष गोयल ने 20 फरवरी को बताया था कि समझौता फरवरी के अंत तक फाइनल होना था। मार्च में इस पर हस्ताक्षर होने थे, वहीं अप्रैल से ये समझौता पूरी तरह लागू होता। इसके साथ ही भारत आने वाले कुछ महीनों में दुनिया के बड़े देशों साथ व्यापारिक समझौतों पर अंतिम मुहर लग जाती।

इस डील से भारत को मिलने वाले फायदे

अमेरिकी टैरिफ में कमी - भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के टैरिफ को 18 प्रतिशत तक घटाया गया है, जिससे भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी।

चुनिंदा उत्पादों पर जीरो टैरिफ - जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे और विमान पार्ट्स पर पूरी तरह टैरिफ खत्म किया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

30 ट्रिलियन डालर के बाजार तक पहुंच - भारतीय एमएसएमई, किसान, मछुआरे, महिलाओं और युवा उद्यमियों के लिए अमेरिकी बाजार में प्रवेश।

निर्यात क्षेत्रों में बढ़ावा - टेक्सटाइल, चमड़ा और फुटवियर, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, आर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी में नए अवसर।

सेक्शन 232 छूट - विमान पार्ट्स पर अमेरिकी सेक्शन 232 के तहत छूट मिलेगी।

आटो पार्ट्स पर टैरिफ रेट कोटा - कुछ आटो कंपोनेंट्स के लिए अमेरिका में विशेष पहुंच मिलेगी।

जेनेरिक दवाओं पर बेहतर शर्तें - भारतीय जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स के लिए टैरिफ और नियामक नियमों में सुधार।

भारत ने अपने कृषि और डेयरी सेक्टर सुरक्षित रखे थे - भारत और अमेरिका के बीच कृषि और डेयरी सेक्टर के कारण ट्रेड डील रुका हुआ था।

भारत में नई 7-सीटर प्रीमियम एसयूवी टेरान लान्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में फाक्सवैगन ने अपनी नई 7-सीटर प्रीमियम एसयूवी टेरान लान्च कर दी है। कंपनी ने इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है, जिसे 51,000 रुपये देकर रिजर्व किया जा सकता है। 46.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम कीमत पर उतारी गई यह एसयूवी फिलहाल सिर्फ फुली-लोडेड आर-लाइन वैरिएंट में उपलब्ध है।

लान्च के साथ ही टेरान अब भारत में ब्रांड की सबसे प्रीमियम एसयूवी बन गई है। टेरान में 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो ईए888 ईवोओ4 प्लेटफार्म पर आधारित है। यह इंजन 204 पीएस की पावर और 320 एनएम का टार्क प्रदान करता है। साथ में 7-स्पीड ड्यूल क्लच आटोमैटिक गियरबाक्स और स्टैंडर्ड 4 मोशन आल-व्हील ड्राइव सिस्टम मिलता है। परफार्मेंस के मामले में यह सिर्फ 7.3 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है, जबकि इसकी टाप स्पीड 224 किमी प्रति घंटे तक जाती है। केबिन पूरी तरह हाई-टेक और लग्जरी फीचर्स से लैस है। इसमें 15-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25-इंच डिजिटल क्लस्टर, हेड-अप डिस्प्ले, 12-वे पावर एडजस्टेबल वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, मसाज फंक्शन, पैनोरमिक ग्लास रूफ और 30-कलर एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स शामिल हैं, जो इसे बेहद आधुनिक अनुभव देते हैं।

डिजाइन की बात करें तो एसयूवी में आर-लाइन स्पोर्टी लुक, आईक्यू लाइट एचडी मैट्रिक्स एलईडी हेडलैंप, 19-इंच कावेंट्री अलाय व्हील्स और इल्यूमिनेटेड फ्रंट-रियर ब्रांड बैज दिए गए हैं। इसकी रोड प्रेजेंस इसे सेगमेंट में एक दमदार और प्रीमियम विकल्प के रूप में स्थापित करती है। प्रीमियम 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में टेरान का मुकाबला टोयोटा फार्च्यूनर, एमजी मोटर ग्लोस्टर, स्कोडा आटो कोडिएक और जीप मेरिडियन जैसे माडलों से होगा। जर्मन क्वालिटी, दमदार परफार्मेंस और प्रीमियम फीचर्स चाहने वाले ग्राहकों के लिए टेरान एक मजबूत नया विकल्प बनकर उभरी है।सेफ्टी के लिए इसमें 9 एयरबैग, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल असेंट-डिसेंट असिस्ट और लेवल-2 अडास के तहत 14 एक्टिव सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

बाइक निंजा 1100एसएक्स पर आफर की घोषणा

नई दिल्ली। कावासाकी कंपनी ने अपनी स्पोर्ट टूरिंग बाइक निंजा 1100एसएक्स पर लिमिटेड पीरियड आफर की घोषणा की है। निंजा 1100एसएक्स में 1,099सीसी का लिक्विड-कूल्ड इनलाइन-फोर इंजन मिलता है, जो 9,000 आरपीएम पर 136 पीएस की पावर और 7,600 आरपीएम पर 113 एनएम का टार्क जनरेट करता है। आकर्षक कीमत कटौती के बाद यह माडल उन राइडर्स के लिए और भी बेहतर विकल्प बन गया है जो लंबी दूरी की हाईवे राइडिंग और रोजमर्रा के उपयोग के लिए एक भरोसेमंद, फीचर-रिच बाइक की तलाश में हैं। मजबूत मिड-रेंज और स्मूद पावर डिलीवरी इसकी खासियत है, जो हाई स्पीड पर भी स्थिर और आरामदायक राइडिंग अनुभव देती है। 6-स्पीड गियरबाक्स के साथ आने वाला यह सेटअप शहर की ट्रैफिक हो या लंबा हाईवे—हर स्थिति में बेहतरीन परफार्मेंस उपलब्ध कराता है। फीचर्स के मामले में बाइक अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें मल्टीपल राइडिंग मोड्स, ट्रैक्शन कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल, क्विक शिफ्टर और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल है।

सोने की कीमत में सांकेतिक गिरावट, चांदी भी फिसली

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार में सोना और चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये से लेकर 1,59,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये से लेकर 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,420 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,45,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना हुआ था। वहीं एशियाई बाजार भी मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,909.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 194.92 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,877.65 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 324.89 अंक यानी 0.65 प्रतिशत टूट कर 49,301.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.56 प्रतिशत उछल कर 10,686.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 116.71 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,515.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 217.12 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,260.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में भी उत्साह का माहौल बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। जापान और चीन के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 205 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,771 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम इंडेक्स 0.26 प्रतिशत उछल कर 5,030.54 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 612.65 अंक यानी 2.32 प्रतिशत की छलांग लगा कर 27,026 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,503.03 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 105.97 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,377.74 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 403.22 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 34,008.93 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.51 प्रतिशत उछल कर 5,838.11 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 24 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा ने आयोजित की फिल्म शतक की विशेष स्क्रीनिंग

सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों का सशक्त प्रदर्शन

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा द्वारा अग्रवाल समाज तेलंगाना के बैनर तले फिल्म शतक – आरए-सएस के 100 वर्ष की सफलतापूर्वक प्राइवेट स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा के सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली, जो सामुदायिक एकता एवं साझा सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक रही।

यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर आधारित है तथा संगठन के निर्माण में 'डॉक्टर साहब' और 'गुरुजी' द्वारा किए गए संघर्ष एवं योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। थिएटर में उपस्थित सभी सदस्यों ने फिल्म का भरपूर आनंद लिया और आयोजन के दौरान प्रदान की गई आतिथ्य सेवा की सराहना की।

कार्यक्रम को गरिमामय बनाने हेतु पधारे विशिष्ट अतिथियों का विशेष आभार व्यक्त किया गया। इनमें मुकुंद लाल अग्रवाल, रूपेश कुमार, महेंद्र अग्रवाल, दिलीप पासरी, जगदीश सरायवाला एवं कैलाश नारायण भांगड़िया शामिल रहे। सभी विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति एवं सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

इसके अतिरिक्त, एटाला राजेंद्र, माननीय सांसद, मेडचल-मलकाजगिरी लोकसभा क्षेत्र, का भी विशेष आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद समय निकालकर फिल्म की स्क्रीनिंग में सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि उनके लिए अंतिम पंक्तियों में रिक्लाइनर सीटें आरक्षित की गई थीं, किंतु उन्होंने आमजन की भावना समझने हेतु पहली पंक्ति में बैठना पसंद किया। यह उनके समर्थकों के प्रति उनकी विनम्रता, सादगी और आत्मीयता को दर्शाता हैअग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा द्वारा आईनॉक्स सत्वा मॉल के मुख्य प्रबंधक विजय कुमार कल्लेपाल्ली एवं उनकी पूरी टीम को उत्कृष्ट सेवाओं, अतिथि सत्कार एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया।

उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम इसी सप्ताह आयोजित शाखा का दूसरा तथा कुल मिलाकर पाँचवाँ आयोजन था। इससे पूर्व, 17 तारीख को शाखा द्वारा क्लासिक गार्डन में श्याम बाबा भजन संध्या का भी सफल आयोजन किया गया था।

अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा के पदाधिकारियों में अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, सचिव अरुण अग्रवाल, संयुक्त सचिव कपिल गर्ग, कोषाध्यक्ष ए. अरुण अग्रवाल, सलाहकार अशोक चोकानी, केंद्रीय समिति (के.एस.) सदस्य सुनील चोकानी एवं शशि सिंघल शामिल हैं।कार्यकारिणी सदस्यों में दिनेश साबलका, रवि गोयनका, राजेंद्र अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सचिन गोयल, कुशल अग्रवाल, शुभ अग्रवाल, रोहित चोकानी, श्याम चोकानी, अंकित जालान एवं श्याम शरण चोकानी ने भी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। शाखा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों का समय, सहयोग एवं उत्साह के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

लखदातार मित्र मंडल की 5वीं फागुन निशान यात्रा भव्य रूप से सम्पन्न

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ बाबा के चरणों में अर्जी लगाई

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। घांसी बाज़ार स्थित लखदातार मित्र मंडल द्वारा 5वीं फागुन निशान यात्रा भव्य एवं श्रद्धापूर्वक निकाली गई। यात्रा 22 फरवरी को प्रातः 6:31 बजे हनुमान मंदिर घांसी बाजार से प्रारंभ होकर चंपा दरवाज़ा, अफजलगंज, निम्बोलीअड्डा होते हुए श्याम मंदिर काचीगुड़ा पहुंची।

यात्रा में सैकड़ों भक्तों ने निशान उठाकर जयकारे लगाए और बाबा के चरणों में अपनी अर्जी प्रस्तुत की। मार्ग में लड्डू गोपाल जी के मनमोहक दर्शन हुए तथा फूलों से सजे सुंदर रथ ने यात्रा की शोभा को और बढ़ाया। गाजे-बाजे एवं भजन-कीर्तन की मधुर धुनों पर श्याम प्रेमी आनंदपूर्वक झूमते नजर आए। पुष्प, इत्र एवं गुलाल की वर्षा ने वातावरण को खाटू धाम जैसा भक्तिमय बना दिया।

यात्रा मार्ग में विभिन्न श्याम प्रेमी संस्थाओं ने मंच लगाकर श्रद्धालुओं का स्वागत किया और जलपान सेवा की व्यवस्था की। भक्तों के उत्साह और अनुशासन ने यात्रा को और अधिक व्यवस्थित एवं सफल बनाया।

मंडल की ओर से सभी श्याम भक्तों, पुलिस कर्मियों, मंडल सेवकों, यात्रा संचालकों एवं शासकीय कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मंडल ने अपनी 5वीं निशान यात्रा के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ बाबा को रिझाया और कामना की कि आगामी वर्ष भी इसी भव्यता के साथ यात्रा निकाली जाए।

यात्रा में वनस्थलीपुरम से 'जय माता दी' समूह के सदस्य, भारतीय जनता पार्टी से मेघा रानी अग्रवाल एवं उमेश सिंघानिया सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए।

मंडल की ओर से दक्ष अग्रवाल, यशवंत दयाल दादू, कृष्णा अग्रवाल, देवांश बंसल, शौर्य गर्ग अग्रवाल, वेदांत अग्रवाल, अक्षय शर्मा, त्रिनभा गोयल, कार्तिक मित्तल, लक्ष तायल, कुशाल बजाज, भव्य अग्रवाल, तृष्णा अग्रवाल, देवांग दादू, यशस्वी मित्तल, अमन अग्रवाल, राघव मंत्री, दीपांश दादू, सुमित सोनी, हार्दिक मित्तल, देव मूंदड़ा, यशराज संघी, दर्शन गोयल, कनिष्क अग्रवाल एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

पूरे मार्ग में भक्ति, उत्साह और अनुशासन का अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जिससे फागुन माह की यह निशान यात्रा श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गई।

स्वयंसेवी संस्थाएं आगे आकर गौशालाओं को दत्तक लें : महेश अग्रवाल

इमलीबन गोशाला में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण एवं तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के तत्वावधान में गौलीगुड़ा स्थित इमलीबन गोशाला में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में गोवंश का परीक्षण एवं उपचार किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने बताया कि संस्था द्वारा चयनित गोशालाओं में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड के सहयोग से पंजीकृत गोशालाओं को निःशुल्क औषधियों का वितरण किया जा रहा है।

उन्होंने लायंस इंटरनेशनल द्वारा जीव दया एवं पशु कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की तथा अन्य समाजसेवी संस्थाओं से आग्रह किया कि वे भी आगे आकर कम से कम एक-एक गोशाला को दत्तक लें और उसके नियमित संचालन में सहयोग प्रदान करें।

लायंस इंटरनेशनल जीव-जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन प्रेम चंद मुनोत ने बताया कि लायंस क्लब की विभिन्न शाखाओं द्वारा विगत कई दशकों से गोशालाओं में सेवा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें निरंतर प्रगति हो रही है।

लव फॉर काउ के जसमत पटेल ने सभी

नागरिकों से अपील की कि वे प्रति रविवार गोशाला अवश्य जाएं तथा अपने-अपने घरों में प्रतिदिन एक रुपया 'गोमाता' के नाम से अलग निकालने का संकल्प लें।

शिविर के दौरान इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स की ओर से उपस्थित बीमार गोवंश का उपचार किया गया। इस सेवा कार्य में डॉ. गुनिंद्र बोरह, डॉ. राजू गौरु एवं उनके सहयोगियों ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम के अंत में गोशाला के प्रबंधक अजय राज शर्मा ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजनों की अपेक्षा जताई।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, जसमत पटेल एवं प्रेम चंद मुनोत ने डॉ. गुनिंद्र बोरह, डॉ. राजू गौरु तथा उनकी टीम को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

श्री आईमाता मंदिर में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडीमेट्ला स्थित सीरवी समाज की आस्था के केंद्र श्री आईमाता मंदिर जीडीमेट्ला एवं श्री शीतलामाता मंदिर जीडीमेट्ला में बाबूलाल चोयल एवं हुक्माराम सोलंकी परिवार तथा समाज बंधुओं के सानिध्य में ध्वजारोहण कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम पंडित बालराज के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में सोहनलाल परिहार ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ ज्योत प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पूजा-अर्चना एवं आरती के उपरांत श्री आईमाता मंदिर में बाबूलाल, सुनील एवं संतोष चोयल परिवार द्वारा तथा श्री शीतलामाता मंदिर में हुक्माराम, राकेश एवं राजेश सोलंकी परिवार द्वारा विधिवत ध्वज-ारोहण किया गया।

लाभार्थी परिवारोंबाबूलाल चोयल एवं हुक्माराम सोलंकीका बडेर संरक्षक मांगीलाल

काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज बंधुओं ने राजस्थानी साफा पहनाकर विशेष सम्मान किया। लाभार्थी परिवारों ने इस सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

समाज बंधुओं एवं महिलाओं ने पारंपरिक राजस्थानी वेश-भूषा में नृत्य एवं भजनों के साथ महोत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम स्थल पर पधारे समाज बंधुओं एवं भक्तों के लिए महाप्रसादी की समुचित व्यवस्था की गई।

अध्यक्ष रावतराम बर्फा ने कहा कि सपरिवार समाज बंधुओं द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम मनाना समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का विशेष कवरेज जगदीश सीरवी ने किया, जबकि मंच संचालन सोहनलाल परिहार द्वारा किया गया। अंत में अध्यक्ष रावतराम बर्फा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा ही सर्वोच्च धर्म: राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा और समर्पण का भाव देखने को मिला।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर चलाया जा रहा अन्नदान कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायी है। जरूरतमंदों की सहायता करना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानवता है।

उन्होंने आगे कहा कि यह ग्रुप केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहाँ प्रत्येक सदस्य किसी न किसी रूप में सेवा कार्यों में योगदान दे रहा है। सेवा का यह सतत क्रम समाज में सहयोग, संवेदना और भाईचारे का संदेश दे रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने अन्न वितरण में सक्रिय सहयोग दिया और भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

राजन्ना की पुस्तक द हैंगिंग नूज लोकार्पित

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन फॉर रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट ऑफ धोबिस की ओर से संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती 22 फरवरी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, प्रीतम नगर स्थित गाडगे भवन में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीआईएसएफ के सेवानिवृत्त सीनियर कमांडेंट एम. के. वर्मा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के सर्जरी विभाग के प्रो. राजकुमार चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. राममिलन चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संत गाडगे महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर हैदराबाद निवासी और हिंदी के वरिष्ठ पत्रकार के. राजन्ना की लिखित पुस्तक फांसी (एक बहुजन की आत्मकथा), जिसका तेलुगु अनुवाद डॉ कारम शंकर ने उरीकंबम नीडलो (ओक बहुजनुडी आत्मकथा) और अंग्रेजी अनुवाद डॉ चंडुरी कामेश्वर व श्रीमती पद्मा अजय भार्गव ने द हैंगिंग नूज (द ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए जेल लाइफ) किया है, का लोकार्पण भी गाडगे महाराज की 150वीं जयंती कार्यक्रम में किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप दिवाकर एवं डॉ धर्मेंद्र चौधरी ने किया। इस दौरान राकेश दिवाकर (ग्रामीण भारत टीवी), समाजसेवी ममता दिवाकर, डॉ. नरेंद्र दिवाकर, सुधीर कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने पुस्तक पर अपने विचार व्यक्त किये।

इसी क्रम में कार्यक्रम के अध्यक्ष एम. के. वर्मा ने संगोष्ठी को अत्यंत सफल और सकारात्मक बताते हुए संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना की। संगोष्ठी के समापन पर वक्ताओं और प्रतिभागियों ने संत गाडगे महाराज के स्वच्छता, शिक्षा, मानव सेवा और सामाजिक सुधार के संदेश को समाज में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। अंत में धोबिस संस्था के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र दिवाकर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कृपया इसका तेलुगु अनुवाद कीजिए।

सब की सेवा का प्रयास अन्नदान का : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय, हैदराबाद के सामने स्थित केबीआर राष्ट्रीय उद्यान परिसर में श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति विशेष का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सदस्यों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समूह का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना और सेवा के माध्यम से समाज को जोड़ना है।

कार्यक्रम में जयप्रकाश सारडा, संजय गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा, रणधीर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

जन सेवा संघ की बैठक संपन्न

होली महोत्सव पर अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मेलन 15 मार्च को

नई पीढ़ी को हिंदी साहित्य से जोड़ने का संकल्प

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेवा संघ के मीडिया प्रभारी श्री राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ के तत्वावधान में सांझ के साथी एवं केवल काव्य परिवार, चेन्नई के सहयोग से होली महोत्सव के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन 15 मार्च को सायं 4:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक हरिहर कला भवन, सिकंदराबाद स्थित ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रभारी एवं उत्सव समिति तथा केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदी साहित्य को बढ़ावा देना तथा नई पीढ़ी को हिंदी भाषा और साहित्य से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि पूर्व में इस प्रकार के साहित्यिक आयोजन नियमित रूप से होते थे, किंतु वर्तमान में नई पीढ़ी की हिंदी साहित्य के प्रति बढ़ती उदासीनता को देखते हुए जन सेवा संघ ने ऐसे कार्यक्रमों को पुनः प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया है।

समिति पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र का उत्थान उसकी भाषा पर आधारित होता है। हिंदी की विशेषता, उसकी सांस्कृतिक भूमिका एवं परंपराओं को सहेजने के उद्देश्य से हास्य, व्यंग्य और साहित्य से परिपूर्ण इस कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

सांझ के साथी की श्रीमती ज्योति नारायण ने जन सेवा संघ के केंद्रीय कार्यालय में उपस्थित होकर सभी पदाधिकारियों के साथ अपने विचार साझा किए। वहीं केवल काव्य परिवार के अध्यक्ष श्री अजीत गुप्ता ने दूरभाष के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जन सेवा संघ के साथ मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु केंद्रीय समिति, उत्सव समिति एवं सांस्कृतिक समिति संयुक्त रूप से कार्य करेंगी तथा अधिक से अधिक लोगों तक इस साहित्यिक आयोजन का लाभ पहुंचाने का प्रयास करेंगी।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के महासचिव प्रकाश चौधरी, कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, सांस्कृतिक समिति के संयोजक सुनील श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी राजीव चौबे, समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा, अनुशासन समिति के संयोजक पी.पी. पांडेय, एल.एम. चौधरी, राधेश्याम राय यादव, कपिराज सिंह, श्री अरुण सिंह राजपुरोहित, ए.के. मिश्रा, बिनीत सिंह, सुबोध कुमार सिंह, श्री नारायण ओझा, राजेश चौबे, राजेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपनी वचनबद्धता व्यक्त की।

अग्र महिला मंच द्वारा गुजराती गली से श्याम निशान यात्रा निकाली गई,जो कि काचीगुड़ा श्याम मंदिर तक भक्तों द्वारा भजन कीर्तन गाते हुए पहुंची। निशान धारण करते हुए अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्रानी अंजू गोयल, रीना गोयनका, चंचल व अन्य सहयोगी।

गंगानगर-हनुमानगढ़ आंचलिक परिषद द्वारा भव्य होली स्नेह मिलन सम्पन्न

✻ राजस्थानी संस्कृति की छटा बिखरी, परिवारों ने मनाया उत्सव

✻ खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक भोज रहा आकर्षण

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में निवास कर रहे श्रीगंगानगर0हनुमानगढ़ आंचलिक परिषद (जैन तेरापंथी प्रवासी परिवारों की संस्था) द्वारा रविवार, 22 फरवरी को 'होली स्नेह मिलन 2026' समारोह का भव्य आयोजन किया गया। महेश्वरम स्थित 'ग्रैंड एरिना रिसॉर्ट्स' में आयोजित इस उत्सव में अंचल के लगभग 25 परिवारों के 100 से अधिक सदस्यों ने सपरिवार सहभागिता कर राजस्थानी संस्कृति का उल्लासपूर्ण उत्सव मनाया।

महानगर के विभिन्न क्षेत्रों से परिषद के सदस्य दो बसों के माध्यम से प्रातः लगभग 11 बजे महेश्वरम स्थित रिसॉर्ट पहुंचे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक राजस्थानी होली रही। हैदराबाद की आईडीपीएल मंडली से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चंग की थाप और होली के गीतों (धमाल) ने वातावरण को राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक रंगत से सराबोर कर दिया। सदस्यों ने एक-दूसरे को होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और उल्लासपूर्वक सहभागिता की।दिनभर चले इस उत्सव में मनोरंजन और खेलकूद की विशेष धूम रही। सदस्यों ने स्विमिंग पूल का आनंद लिया तथा बॉक्स क्रिकेट और बैडमिंटन जैसे खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं और बच्चों के लिए तंबोला एवं विशेष पार्टी गेम्स का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हंसी-मजाक और मौज-मस्ती ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया।

अंचल के विभिन्न क्षेत्रों से आए परिवारों के मुखियाओं ने मंच पर अपना एवं अपने परिवार का परिचय देकर आत्मीयता को और सुदृढ़ किया। परिषद के इस मिलन समारोह में जयप्रकाश जी0सत्यपाल जी जैन परिवार, हेमंत जी संचेती परिवार, श्रवण कोठारी परिवार, भरत जी सिंघी परिवार, भीखमचंद जी0राजकुमार जी लुणिया परिवार, राकेश जी पुगलिया परिवार, मदनचंद जी बरड़िया परिवार, सुमित जी चोपड़ा परिवार, श्रीचंद जी0राजेश जी नाहटा परिवार, प्रवीण जी श्यामसुखा परिवार, महेंद्र जी लुणावत परिवार, संदीप जी लुणावत परिवार, विजय

सिंह जी गुजराणी परिवार, अशोक जी घिया परिवार, अशोक जी चोरड़िया परिवार तथा ललित जी भंसाली परिवार सहित अन्य परिवार उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से खान-पान का आनंद लिया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक आयोजनों के माध्यम से एकता, सद्भाव और भाईचारे को सुदृढ़ बनाए रखने का संकल्प लिया। परिषद से अभी तक नहीं जुड़े श्रीगंगानगर0हनुमानगढ़ क्षेत्र के प्रवासी परिवार श्रवण कोठारी, प्रवीण श्यामसुखा तथा ललित लुणिया से संपर्क कर परिषद से जुड़ सकते हैं। परिषद में सभी का हार्दिक स्वागत है।

विवाह के नाम पर बढ़ती ठगी: पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने जारी की चेतावनी

महिलाओं से सतर्क रहने और साहसपूर्वक शिकायत दर्ज कराने की अपील

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने सोमवार को हैदराबाद में महिलाओं को विवाह संबंधी धोखाधड़ी से सावधान किया। उन्होंने इस प्रकार की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कमिश्नर ने कहा कि हैदराबाद में शादी से जुड़े घोटालों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। कुछ धोखेबाज़ तो बड़ों द्वारा तय किए गए पारंपरिक रिश्तों के माध्यम से भी युवतियों और उनके परिवारों को निशाना बना रहे हैं। हाल ही में शहर की महिला सुरक्षा इकाई एस.एच.ई. टीम्स को इस प्रकार की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही हैं।

इस घोटाले की कार्यप्रणाली समझाते हुए सज्जनार ने बताया कि शुरुआत पारंपरिक विवाह-निर्धारण प्रक्रिया से होती है। पहले परिवारों के बीच बातचीत होती है, फिर सगाई की रस्म अदा की जाती है और उसके बाद शादी का आश्वासन दिया जाता है।उन्होंने कहा कि कई मामलों में धोखेबाज़ शादी का झांसा देकर महिलाओं का शारीरिक शोषण करते हैं। जब उनकी मंशा पूरी हो जाती है, तब वे अपना असली चेहरा दिखाते हैं।

सज्जनार के अनुसार, इसके बाद वे शादी की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर भारी रकम की मांग करते हैं और अतिरिक्त दहेज देने का दबाव बनाते हैं। यदि मांग पूरी न हो तो शादी रद्द करने की धमकी दी जाती है। इस प्रकार पीड़ितों को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। आयुक्त ने बताया कि एक बार जब पीड़ित जालसाजों के चंगुल में फंस जाते हैं, तो वे सामाजिक बदनामी के डर से पुलिस के पास जाने या शिकायत दर्ज कराने में हिचकिचाते हैं। इसी हिचकिचाहट का फायदा उठाकर आरोपी उन्हें धमकाते हैं और बड़ी रकम वसूलने का प्रयास करते हैं।उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में चुप्पी साध लेना समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है।सज्जनार ने महिलाओं और उनके परिवारों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा, सिर्फ इस आधार पर कि रिश्ता बड़ों द्वारा तय किया गया है, आंख बंद करके भरोसा न करें। लड़के के व्यवहार, उसके मित्रों और उसकी आदतों की पूरी जांच-पड़ताल करें। उन्होंने विशेष रूप से आगाह किया कि यदि कोई व्यक्ति शादी से पहले अकेले मिलने या शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाले, तो उस पर संदेह करें और स्पष्ट रूप से मना कर दें। यदि वह पैसे की मांग करे या ब्लैकमेल करने का प्रयास करे, तो घबराएं नहीं और तुरंत शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत दर्ज कराने के लिए पीड़ित घटना का विवरण व्हाट्सएप नंबर 9490616555 पर एस.एच.ई. टीम्स को भेज सकते हैं या आपातकालीन सहायता के लिए 100 नंबर डायल कर सकते हैं। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि विवाह के नाम पर किसी भी प्रकार की ठगी या शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर भारतीय छात्रों का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में उत्तर भारतीय छात्रों का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव मिलाप 5.0 21 फरवरी 2026 को एम्फीथिएटर, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में शाम 7 बजे से हो रहा है। यह आयोजन उत्तर भारतीय सांस्कृतिक उत्सव और छात्रों के बीच एकता, मित्रता और जुड़ाव की भावना को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। मिलाप सिर्फ एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक भावनात्मक समारोह है जहां अपने घरों से दूर रहने वाले छात्र साझा परंपराओं की गर्मजोशी का अनुभव करने के लिए एक साथ आते हैं। संगीत, नृत्य, प्रस्तुतियों और

सामुदायिक बातचीत के माध्यम से, यह उत्सव एक ऐसा स्थान बनाता है जहां सांस्कृतिक जड़ों का उत्सव मनाया जाता है । पारंपरिक समारोहों में देखी जाने वाली एकता की भावना से प्रेरित, मिलाप छात्रों को आनंद एवं उत्सव मनाने और भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने के लिए एक साथ लाता है। वर्षों से, यह उत्सव परिसर जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, जो विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर विविधता और सद्भाव को दर्शाता है। छात्रों और परिसर समुदाय के सदस्यों को इस जीवंत उत्सव का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है। आयोजकों का मानना है कि मिलाप एकता और साझा खुशी का प्रतिनिधित्व करता है, जो सभी को याद दिलाता है कि त्योहार सामूहिक रूप से मनाए जाने पर ही वास्तव में विशेष बनते हैं।

हिमायत सागर और उस्मान सागर में बढ़ता प्रदूषण

तेलंगाना हाईकोर्ट ने सरकार से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को हैदराबाद और सिकंदराबाद के लिए पीने के पानी के मुख्य स्रोत हिमायत सागर और उस्मान सागर जलाशयों में प्रदूषण के खतरनाक स्तर पर राज्य सरकार और प्रमुख नागरिक व नियामक अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।

मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति गौस मीरा मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने वरिष्ठ अधिकारियों को चार सप्ताह के भीतर व्यापक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसमें जलाशयों में सीवेज और औद्योगिक कचरे के प्रवाह को रोकने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण देने को कहा गया है। मामले की अगली सुनवाई 26 मार्च, 2026 को तय की गई है।

अदालत ने मुख्य सचिव, नगर प्रशासन और सिंचाई विभागों के प्रधान सचिवों, तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव, साथ ही जीएचएमसी, एचएमडीए और हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड के आयुक्तों को नोटिस जारी किए हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय के भीतर जवाब दाखिल न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

यह अदालती कार्यवाही एक समाचार रिपोर्ट के आधार पर शुरू की गई है, जिसे उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका में बदल दिया था। सुनवाई के दौरान, पीठ ने मीडिया रिपोर्टों और मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन का हवाला दिया। इस अध्ययन के अनुसार, सीवेज और औद्योगिक प्रदूषकों के निरंतर बहाव के कारण दोनों जलाशयों के पानी की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है। रिपोर्ट में पानी में जहरीले पदार्थों और भारी धातुओं की उपस्थिति पर भी प्रकाश डाला गया है।

जन स्वास्थ्य पर गंभीर संकट

अदालत ने टिप्पणी की कि दूषित पानी सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। पीठ ने नोट किया कि जलाशयों का पानी अब भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करता है।

मुख्य न्यायाधीश ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य संबंधित निकायों के वकीलों को निर्देश दिया कि वे अब तक प्रदूषण रोकने और आसपास की कॉलोनियों व औद्योगिक इकाइयों से आने वाले अनुपचारित सीवेज को रोकने के लिए की गई विशिष्ट कार्रवाइयों को रिकॉर्ड पर रखें।

अदालत ने इन महत्वपूर्ण जल निकायों को और अधिक खराब होने से बचाने के लिए ठोस उपचारात्मक कदमों की आवश्यकता पर बल दिया।

बनारस एवं अयोध्या में विशेष दर्शन0पूजन महंत नृत्य गोपालदासजी से लिया आशीर्वाद

वाराणसी/अयोध्या, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काउ संस्था के प्रतिनिधियों ने बनारस में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष आरती एवं स्पर्श दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर अयोध्या में विराजमान भगवान श्री राम लल्ला के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र एवं श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर लव फॉर काउ के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, लक्ष जागीरदार, लक्ष्मण एवं अरुण मिश्रा उपस्थित रहे।

प्रतिनिधियों ने कहा कि यह आध्यात्मिक यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी रही तथा सनातन संस्कृति और सेवा भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प भी दोहराया गया।

सावधान: सार्वजनिक स्थानों पर सक्रिय है एआई बायोमेट्रिक स्कैम, अजनबियों के फोन को न छुएं

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । हैदराबाद पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने नागरिकों के लिए एक सार्वजनिक अलर्ट जारी किया है। पुलिस ने एआई -आधारित बायोमेट्रिक धोखाधड़ी के एक नए और खतरनाक रूप के बारे में चेतावनी दी है, जहाँ अपराधी किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज का डेटा चोरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, यह उभरता हुआ घोटाला न केवल पैसों को निशाना बनाता है, बल्कि पीड़ित की डिजिटल पहचान को भी खतरे में डालता है, जिसके परिणाम भविष्य में बहुत गंभीर हो सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि जालसाज आमतौर पर मॉल, मेट्रो स्टेशन और बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर बुजुर्ग या मध्यम आयु वर्ग के व्यक्तियों का भेष धरते हैं।

वे अनजान लोगों के पास जाकर छोटी मदद मांगते हैं, जैसे पेंशन या सब्सिडी स्टेटस चेक करना, मोबाइल ऐप ठीक करना या स्मार्टफोन चलाना। वे दावा करते हैं कि उन्हें तकनीक की समझ नहीं है। मददगार व्यक्ति को पता भी नहीं चलता और जालसाज का फोन पहले से ही लाइव वीडियो कॉल या स्क्रीन रिकॉर्डिंग मोड पर होता है। दूसरी तरफ बैठे उनके साथी तुरंत मददगार का चेहरा और आवाज का डेटा कैप्चर कर लेते हैं। पुलिस ने चेतावनी दी है कि कुछ ही सेकंड में यह बायोमेट्रिक डेटा रिकॉर्ड किया जा सकता है और बाद में इसका उपयोग एआई -जनरेटेड क्लोन बनाने के लिए किया जा सकता है।साइबर विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि इस डेटा का उपयोग निम्नलिखित कार्यों के लिए किया जा सकता है-एआई -आधारित प्रतिरूपण : आपकी शक्ल और आवाज का इस्तेमाल कर आपके रिश्तेदारों से पैसे ठगना।पहचान सत्यापन को बायपास करना: बैंकिंग और ऑनलाइन सेवाओं में फेस रिकग्निशन और वॉयस ऑथेंटिकेशन को तोड़ना। धोखाधड़ी वाले वित्तीय लेनदेन: आपकी डिजिटल पहचान का उपयोग कर अवैध ट्रांजेक्शन करना।

सुरक्षा के लिए पुलिस की एडवाइजरी

साइबर क्राइम विंग ने निम्नलिखित सावधानियां बरतने को कहा है । जिनमें-

अजनबियों का फोन न चलाएं: किसी भी अनजान व्यक्ति के मोबाइल फोन को हाथ न लगाएं और न ही उसे ऑपरेट करें।

वीडियो कॉल से बचें: अनजान वीडियो कॉल में देखने या अजनबियों के निर्देशों का पालन करने से बचें।

सतर्क रहें: भीड़भाड़ वाली जगहों पर त्वरित मदद के लिए आने वाले लोगों से सावधान रहें। परिवार को शिक्षित करें: अपने परिवार के सदस्यों, विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों को इन हथकंडों के बारे में बताएं।

गोपीसेट्टी प्रमोद कुमार ने अध्यक्ष रमा का पुष्पगुच्छ से किया सम्मान

मुन्नूर कापू युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रेरित करने का संकल्प

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तरी अमेरिका के मुन्नूर कापू युवा संघ की अध्यक्ष मुदिचिंताला रामा ने कहा कि संगठन मुन्नूर कापू समुदाय के युवाओं को सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके तहत युवाओं को निःशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकें।

सोमवार, 23 फरवरी 2026 को शहर आगमन पर मुन्नूर कापू युवा परिषद के पूर्व महासचिव गोपीसेट्टी प्रमोद कुमार ने अध्यक्ष रमा का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया।इस अवसर पर अध्यक्ष रामा ने बताया कि वर्तमान में अमेरिका के विभिन्न हिस्सों में निवास कर रहे मुन्नूर कापू युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इसी प्रकार का प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत में भी प्रारंभ किया जाएगा, जिससे यहां के युवाओं को भी समान अवसर मिल सकें।

कार्यक्रम में समन्वयक अनिल कुमार, भारत समन्वयक प्रोफेसर सुनकारी राममूर्ति, अकुला राम राव, मल्ली करुणाकर, नागराज, लक्ष्मण, लवांगला अनिल, लायन अकुला रविंदर राव, लायन वैला श्रीनिवास राव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।सभा में उपस्थित सदस्यों ने संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय की आवश्यकता बताया।

मेक्सिको में सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा

ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू, समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

मेक्सिको सिटी, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं।

तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है।

इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था।

2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं।

अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

मेक्सिको पर एक्शन लेने को दबाव बना रहे थे ट्रम्प

जालिस्को कार्टेल (सीजेएनजी) कार्टेल 2009 में बना था। एल मेंचो की लीडरशिप में यह मेक्सिको का सबसे बड़ा ड्रग नेटवर्क बन गया था। यह कोकीन, मेथामफेटामिन और हाल के वर्षों में फेंटानिल जैसी सिंथेटिक ड्रग्स अमेरिका भेजता था।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मेंचों की मौत से मेक्सिको और अमेरिका के रिश्तों में सुधार हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प मेक्सिको पर दबाव बना रहे थे कि वह कार्टेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो वह सैन्य कार्रवाई पर भी विचार कर सकते हैं। इसी साल फरवरी में ट्रम्प एडमिनिस्ट्रेशन ने कार्टेल को विदेशी टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन घोषित किया।

मेक्सिको सरकार ने साफ कहा है कि अमेरिकी हमले से देश की संप्रभुता का उल्लंघन होगा, लेकिन खुफिया जानकारी के स्तर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है।

हाइड्रा द्वारा कब्जा मुक्त कराई गई भूमि पर बनेंगे सरकारी स्कूल और कॉलेज

हैदराबाद, 23 फरवरी: तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद के हृदय स्थल में हाइड्रा द्वारा अतिक्रमण से मुक्त कराई गई 5 एकड़ भूमि पर एक सरकारी जूनियर कॉलेज और स्कूल स्थापित करने की योजना शुरू कर दी है। सरकार का यह कदम सरकारी संपत्तियों को जनोपयोगी बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है।

रविवार सुबह स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, साइबराबाद नगर आयुक्त और हाइड्रा के अधिकारियों ने कोंडापुर के राजा राजेश्वरी ले-आउट में प्रस्तावित भूमि का फील्ड निरीक्षण किया।

इस 5 एकड़ जमीन को भू-माफियाओं के चंगुल से छुड़ाया गया था, जिसे अब शिक्षा के मंदिर में बदला जाएगा।

शिक्षा केंद्र के अलावा, अधिकारियों ने बताया कि हाइड्रा द्वारा मुक्त कराई गई डेढ़ एकड़ अतिरिक्त जमीन को स्थानीय निवासियों की मांग पर एक पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। साइबराबाद नगर आयुक्त ने पुष्टि की कि इस पार्क का विकास सार्वजनिक मांग और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

हाइड्रा ने अब तक अतिक्रमण विरोधी अभियानों के जरिए लगभग 1,350 एकड़ सरकारी, झील और पार्क की भूमि को मुक्त कराया है, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 70,000 करोड़ से अधिक है।

दोमरियागंज (उ.प्र.) से लोकसभा सांसद एवं एनर्जी स्टैण्डिंग कमेटी के चेयरमैन जगदम्बिका पाल के नगरागमन पर होटल गोलकोण्डा, मासाब टैंक में सम्मान करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, निदेशक दीपक कुमार बंग, राज बंग एवं सुमेश कुमार बंग ।

ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर.के. जैन ने डॉ. टी. हनुमान चौधरी से उनके घर पर मुलाकात की। चौधरी पद्मश्री अवार्डी हैं और चेयरमैन, प्रज्ञा भारती; फेलो, टीसीएस; कन्वीनर, भारतीय धर्म रक्षण समाख्या; आंध्र प्रदेश सरकार के पूर्व आईडी एडवाइजर; फाउंडर सीएमडी, वीएसएनएल हैं। चौधरी ट्रस्ट की एक्टिविटीज़ पर बात करने के लिए ट्रस्ट का हिस्सा हैं। चौधरी ने प्रोजेक्ट प्रपोज़ल के बारे में पूछा और उन्हें रिव्यू किया। साथ ही, उन्हें लागू करने के लिए अपनी सलाह भी दी। मीटिंग में ट्रस्टी दिनेश जैन और एआईओटीआरटी के रिसर्च एग्जीक्यूटिव श्रीनाथ रेड्डी भी मौजूद थे।

थरूर, ओवैसी और अखिलेश... 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन

नई दिल्ली, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दुनिया के देशों के साथ भारत के संसदीय संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 60 से अधिक देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि भारत की संसद विश्व की विभिन्न संसदों के साथ प्रत्यक्ष और नियमित संवाद बढ़ाना चाहती है, ताकि पारंपरिक राजनय के साथ-साथ संसदीय स्तर पर भी मजबूत संबंध बने रहें ।

इन मैत्री समूहों में सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। वरिष्ठ नेताओं में रवि शंकर प्रसाद, डॉ. एम. थंबीदुरई, पी. चिदंबरम, प्रो. राम गोपाल यादव, टी.आर. बालू, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार, गौरव गोगोई, सुश्री कनिमोझी करुणानिधि, मनीष तिवारी, डेरेक ओ'ब्रायन, अभिषेक बनर्जी, असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, के.सी. वेणुगोपाल, राजीव प्रताप रूडी, सुश्री सुप्रिया सुले, संजय सिंह, बैजयंत पांडा, डॉ. शशि थरूर, डॉ. निशिकांत दुबे, अनुराग सिंह ठाकुर, भर्तृहरि महताब, डॉ. (सुश्री) डी. पुरंद्रेश्वरी, संजय कुमार झा, सुश्री हेमा मालिनी, बिप्लब कुमार देब, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, जगदंबिका पाल, डॉ. सस्मित पात्रा, सुश्री अपराजिता सारंगी, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, पी.वी. मिधुन रेड्डी और प्रफुल्ल पटेल सहित कई अन्य नेता शामिल हैं।

जिन देशों के साथ ये मैत्री समूह बनाए गए हैं, उनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूज़ीलैंड, स्विट्ज़रलैंड, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इज़राइल, मालदीव, अमेरिका, रूस, यूरोपीय संसद, दक्षिण कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जापान, इटली, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राज़ील, वियतनाम, मेक्सिको, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य सांसदों को अपने विदेशी समकक्षों से सीधे बात करने का अवसर देना है। वे अपने अनुभव साझा करेंगे, एक-दूसरे से सीख सकेंगे और नियमित संपर्क के जरिए आपसी विश्वास बढ़ाएंगे। इससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती मिलेगी और आपसी समझ बेहतर होगी। इन समूहों के माध्यम से व्यापार, तकनीक, सामाजिक नीतियों, संस्कृति और आज की वैश्विक चुनौतियों जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी।

लोक सभा अध्यक्ष बिरला ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि संसदीय राजनय भारत की वैश्विक पहचान को मजबूत बनाता है। उनके नेतृत्व में संसद ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भागीदारी की है और भारत को एक आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और परिपक्व लोकतंत्र के रूप में प्रस्तुत किया है, जो संवाद और सहयोग में विश्वास रखता है।

संसद से संसद और जनता से जनता के बीच संपर्क बढ़ाने पर जोर देते हुए यह पहल विदेश संबंधों में एक व्यापक और भागीदारी आधारित दृष्टिकोण को दर्शाती है। ये मैत्री समूह नियमित संवाद, अध्ययन यात्राओं और संयुक्त बैठकों के माध्यम से दीर्घकालिक सहयोग को बढ़ावा देंगे । इस तरह भारत की संसद देशों के बीच एक सेतु के रूप में और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की सशक्त आवाज के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगी।

उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए विभिन्न देशों में बहुदलीय शिष्टमंडल भेजे थे। अलग-अलग दलों और विचारधाराओं के नेताओं को एक साथ लाकर यह संदेश दिया गया कि देश की सुरक्षा और हितों के मामले में भारत एकजुट है। इस पहल से संवाद, समावेश और सामूहिक जिम्मेदारी में विश्वास को दर्शाया गया, जो भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। इससे यह भी स्पष्ट हुआ कि राष्ट्र हित के मुद्दों पर भारत एक है। लोक सभा द्वारा 60 से अधिक देशों के साथ मैत्री समूह गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लोक सभा अध्यक्ष द्वारा 60 से अधिक देशों के साथ मैत्री समूह गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पहले चरण में जहाँ 60 से देशों के साथ मैत्री समूहों का गठन किया गया है, वहीं निकट भविष्य में कई अन्य देशों के साथ इन समूहों के गठन के प्रयास किये जा रहे हैं।

सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ कर्रेगुट्टा पर जमाया कब्जा, शुरू हुआ सड़क निर्माण

वरंगल, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो):

सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के पुराने और मजबूत गढ़ माने जाने वाले कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। इसके साथ ही, तेलंगाना के मुलुगु जिले के पामुनुरू और छत्तीसगढ़ के तड़ापला को जोड़ने वाले इस ऊंचे और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में एक स्थायी सड़क का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, प्राकृतिक गुफाओं और घने जंगलों वाली इन पहाड़ियों को मुक्त कराने के लिए पिछले साल अप्रैल और मई के बीच एक विशेष अभियान चलाया गया था। इस दौरान सुरक्षा बलों ने उन माओवादी कैडरों को खदेड़ दिया, जो इस इलाके का इस्तेमाल छिपने के लिए करते थे। तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक, हजारों बोतल बम और बारूदी सुरंगें बरामद कर उन्हें निष्क्रिय किया गया।

वर्तमान में सड़क निर्माण कार्य की निगरानी के लिए एक बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा तैनात किया गया है। इसमें शामिल हैं- क्विक रिएक्शन टीम : किसी भी आकस्मिक हमले से निपटने के लिए। रोड साइड कॉम्बिंग टीमें: सड़क के आसपास के इलाकों में तलाशी के लिए। बम निरोधक इकाइयाँ: रास्ते में बिछाए गए आईईडी और बूबी ट्रैप्स को हटाने के लिए।

कर्रेगुट्टा की चोटी पर बनेगा प्रशिक्षण शिविर

क्षेत्र पर नियंत्रण की पुष्टि करते हुए अधिकारियों ने बताया कि 26 जनवरी को तेलंगाना और छत्तीसगढ़, दोनों तरफ के सुरक्षा शिविरों ने मिलकर गणतंत्र दिवस मनाया। वरिष्ठ अधिकारियों ने योजना साझा की है कि मार्च तक कर्रेगुट्टा की चोटियों पर एक स्थायी प्रशिक्षण शिविर स्थापित किया जाएगा। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहाँ से पूरे वन क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखना आसान होगा।

सेवा और समर्पण की अद्भुत मिसाल: किरण गोयल

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा और समर्पण की अद्भुत मिसाल देखने को मिली।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किरण गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां सेवा ही सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची मानवता है और यही भावना ग्रुप के प्रत्येक सदस्य में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

किरण गोयल ने बताया कि अन्नदान जैसे पवित्र कार्य से न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटती है, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और सद्भाव का संदेश भी प्रसारित होता है। उन्होंने सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि नियमित रूप से समय निकालकर सेवा कार्य करना वास्तव में समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

तेलंगाना राज्यसभा चुनाव

केसीआर की रणनीति से कांग्रेस खेमे में खलबली, रोचक हुआ मुकाबला

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में आगामी राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनावों ने राज्य की राजनीति में नया मोड़ ले लिया है। अब तक दोनों सीटों पर अपनी आसान जीत मानकर चल रही सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी की नींद रविवार को उस वक्त उड़ गई, जब बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) द्वारा कम से कम एक उम्मीदवार उतारने की खबरें सामने आईं।

विधानसभा रिकॉर्ड के अनुसार, कागजों पर बीआरएस के पास 37 विधायकों का समर्थन है। इसमें वे 10 विधायक भी शामिल हैं जो कथित तौर पर कांग्रेस में शामिल हो गए थे लेकिन जिनकी अयोग्यता के मामले अभी भी विचाराधीन हैं। स्पीकर पहले ही इनमें से आठ विधायकों के खिलाफ याचिकाओं को खारिज कर चुके हैं।

राज्यसभा सीट सुरक्षित करने के लिए बीआरएस को आवश्यक जादुई आंकड़े को पार करने के लिए कम से कम चार और विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। सूत्रों का कहना है कि केसीआर इस कमी को पूरा करने के लिए अन्य दलों के साथ बातचीत कर रहे हैं और किसी जाने-पहचाने चेहरे को मैदान में उतारने पर विचार कर रहे हैं।

राहुल गांधी के निर्देश से कांग्रेस और एमआईएम के बीच बढ़ी दूरी?

दूसरी ओर, कांग्रेस के पास 66 विधायक हैं और एक सीपीआई विधायक का समर्थन प्राप्त है। पार्टी के भीतर दूसरे उम्मीदवार के नाम पर मंथन जारी है। अभिषेक मनु सिंघवी के साथ-साथ मुख्यमंत्री के सलाहकार वेमा नरेंद्र रेड्डी और सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. सुदर्शन रेड्डी के नामों पर चर्चा हो रही है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का वह कथित निर्देश है, जिसमें उन्होंने राज्य के नेताओं को एआईएमआईएम के साथ करीबी दिखाने से बचने की चेतावनी दी है। राहुल गांधी का मानना है कि एमआईएम के साथ गठबंधन से शहरी क्षेत्रों में भाजपा को मजबूती मिल सकती है, जो कांग्रेस के चुनावी समीकरणों को बिगाड़ सकता है।

निर्णायक भूमिका में ओवैसी और भाजपा

अब सारा दारोमदार असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम (7 विधायक) और भाजपा (8 विधायक) के रुख पर टिक गया है। यदि एमआईएम बीआरएस का समर्थन करती है, तो बीआरएस की कुल संख्या 44 हो जाएगी, जो जीत के लिए पर्याप्त है। चर्चा यह भी है कि यदि एमआईएम से बात नहीं बनी, तो बीआरएस भाजपा के समर्थन की संभावनाओं को भी तलाश सकती है।

चुनाव के नियम: राज्यसभा चुनाव में गुप्त मतदान नहीं होता है। प्रत्येक विधायक को वोट डालने से पहले अधिकृत पोलिंग एजेंट को अपना मतपत्र दिखाना अनिवार्य है। साथ ही, इन चुनावों में पार्टी व्हिप लागू नहीं होता, जिससे दलबदल के आरोपों का सामना कर रहे विधायकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- | Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

पारिस्थितिक बर्बरता:

चेवेल्ला के ऐतिहासिक बरगद के पेड़ों पर मंडराया संकट, संरक्षण के नियम ताक पर

हैदराबाद, 23 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मोइनाबाद-मन्नेगुडा राजमार्ग पर सदियों पुराने बरगद के पेड़ आज किसी क्राइम सीन जैसे नजर आ रहे हैं। हाईवे विस्तार परियोजना के नाम पर इन जीवित स्मारकों को जलाया, काटा और खोखला किया जा रहा है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के सख्त निर्देशों के बावजूद, इस हरित गलियारे की स्थिति प्रशासन की घोर लापरवाही और नियमों के उल्लंघन की गवाही दे रही है।

एक ताज़ा फील्ड रिपोर्ट के अनुसार, हाईवे कॉरिडोर में मूल रूप से 911 बरगद के पेड़ों की पहचान की गई थी, लेकिन हालिया सत्यापन में केवल 867 पेड़ ही पाए गए। यानी दर्जनों पेड़ या तो गायब कर दिए गए या बिना किसी रिकॉर्ड के हटा दिए गए। पाए गए पेड़ों में से केवल 324 अच्छी स्थिति में हैं। 184 पेड़ों के आधार (जड़) जले हुए मिले, जबकि 104 पेड़ों की शाखाएं झुलसी हुई हैं। 5 पेड़ पूरी तरह सूख चुके हैं, 10 उखड़ गए हैं और 29 पूरी तरह लापता हैं।

ट्रांसलोकेशन के नाम पर धोखा

संरक्षण के नाम पर पेड़ों को दूसरी जगह शिफ्ट करने की प्रक्रिया को विशेषज्ञों ने धीमी हत्या करार दिया है।

वाटा फाउंडेशन के संस्थापक उदय कृष्ण ने कहा, ट्रांसलोकेशन को केवल एक तकनीकी औपचारिकता बना दिया गया है। पेड़ों को इतनी बेरहमी से छांटा गया है कि वे बरगद नहीं बल्कि सीधे खंभे जैसे दिख रहे हैं।

नियमों के अनुसार, शिफ्ट किए गए पेड़ों की नमी बनाए रखने के लिए मल्चिंग और निरंतर देखभाल अनिवार्य है, लेकिन मौके पर एक भी पेड़ के साथ ऐसा नहीं पाया गया।

मन्नेगुडा के पास तीन विशाल बरगद, जो कभी सेव बरगद अभियान के प्रतीक थे, अब काटे जा रहे हैं।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्रीमती दीपाली-श्री अंशुमनजी बागरोड़िया की 18वीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बागरोड़िया परिवार
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्रीमती नेहा-श्री सुनील जी की 12वीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में श्री मुरलीधरजी रवीन्द्रकुमारजी अग्रवाल परिवार, लेन्को हिल्स
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.